THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 39 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.9 2082 मंगलवार, 6 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जापानी रक्षा मंत्री से मिले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी से द्विपक्षीय मुलाकात की। जापान के रक्षा मंत्री भारत दौरे पर हैं। द्विपक्षीय मुलाकात में जापान सरकार की तरफ से जनरल नाकातानी ने पहलगाम हमले पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। रक्षा मंत्री ने भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए जापानी रक्षा मंत्री की तारीफ की। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल की बैठक में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल नाकातानी से बीते दिनों हुई मुलाकात का जिक्र किया और इस बात पर विश्वास जताया कि भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग नई ऊंचाइयों पर जा सकता है। >14

3,900 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

हैदराबाद, 5 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना में सोमवार को 3,900 करोड़ रुपये की लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

श्री गडकरी ने कोमाराम भीम जिले के सिरपुर कागजनगर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदिलाबाद जिले के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को स्वीकार किया तथा कहा कि इस क्षेत्र के लोग लंबे समय से भूमि और आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आदिलाबाद सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है तथा यहां रोजगार के अवसरों की सख्त आवश्यकता है। राष्ट्र के विकास में अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री गडकरी ने कहा, अच्छी सड़कों वाला देश एक विकसित देश होता है। कृषि, रोजगार, परिवहन और अवसंरचना राष्ट्रीय प्रगति के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंतर-राज्यीय संपर्क बढ़ाने के लिए प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं चल रही है। इसमें चुनौतीपूर्ण इलाकों में पुलों और भूमिगत सुरंगों का निर्माण शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच सड़क संपर्क में सुधार लाने तथा भद्राद्री, बासरा और मेडाराम जैसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों को राजमार्गों के माध्यम से जोड़ने के लिए कई आगामी परियोजनाओं की घोषणा की। श्री गडकरी ने सूर्यपेट से देवरापल्ली तक एक नई ग्रीनफील्ड सड़क और विजयवाड़ा-नागपुर कॉरिडोर के निर्माण की योजना के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने आश्वासन दिया कि जगित्याल-करीमनगर राजमार्ग के विस्तार में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के अंतर्गत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, यात्रा समय को कम करने और ग्रामीण संपर्क को बढ़ाने के लिए पूरे देश में सड़क निर्माण प्रयासों में तेजी लाई जा रही है। केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, तेलंगाना सहित पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और राज्य के 32 जिले अब राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि श्री गडकरी के नेतृत्व में राज्य में 5,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है। >14

केंद्रीय गृह मंत्रालय का कई राज्यों को मॉक ड्रिल का निर्देश

> छात्रों-नागरिकों को प्रशिक्षण देने को कहा

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। केंद्र सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, इस मॉक ड्रिल में निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे। हवाई हमले (एयर रेड) चेतावनी सायरन को सक्रिय किया जाएगा। आम नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षित किया जाएगा कि अगर किसी तरह का हमला हो जाए, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित रखें। ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। यानी जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे। महत्वपूर्ण कारखानों और ठिकानों को छिपाने की जल्दी व्यवस्था की जाएगी। निकासी योजना को अपडेट किया जाएगा और उसका अभ्यास (रिहर्सल) भी कराया जाएगा। इससे पहले, रविवार को फिरोजपुर छावनी इलाके में 30 मिनट का ब्लैकआउट अभ्यास किया गया, जिसमें रात 9 बजे से 9:30 बजे तक सभी लाइटें बंद रहीं। अगर किसी वाहन की लाइट जलती पाई गई तो उसे बंद करवाया गया। पुलिस पूरी तरह अलर्ट पर रही और हर चौराहे पर तैनाती की गई। गृह मंत्रालय ने यह निर्देश ऐसे समय में दिए हैं, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और भारत पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे।

इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, पाकिस्तानी उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करना, अटारी चेक पोस्ट को बंद करना और सभी श्रेणियों में डाक सेवाओं को बंद करने जैसे कमद शामिल हैं।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका पर विचार नहीं करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सीजेआई संजीव खन्ना पर गृहयुद्ध संबंधी टिप्पणी के लिए निशिकांत दुबे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट अवमानना याचिका पर विचार नहीं करेगा। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि वह भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ शीर्ष अदालत और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार नहीं करेगा।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की पीठ ने कहा कि फिर वो इस मामले में तर्कसंगत आदेश पारित करेगी। याचिकाकर्ता विशाल तिवारी ने कहा कि संस्था की गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए। यह ऐसे नहीं चल सकता। इससे पहले, अदालत ने दिल्ली न्यायिक सेवा मामले में संज्ञान लिया था। सीजेआई संजीव खन्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हम एक संक्षिप्त आदेश पारित करेंगे। हम कुछ कारण बताएंगे। हम इस पर विचार नहीं करेंगे, लेकिन संक्षिप्त आदेश देंगे। बता दें, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि सीजेआई खन्ना देश में सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं।

वक्फ कानून से जुड़े मामले की 'सुप्रीम' सुनवाई टली

> अगली तारीख 15 मई तय > संवैधानिक वैधता को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई 15 मई को न्यायमूर्ति बीआर गवई के समक्ष निर्धारित की है। बीआर गवई देश के अगले मुख्य न्यायधीश होंगे। ऐसे में याचिका अब उनके सामने ही रखी जाएगी। मौजूदा सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पिछली सुनवाई में अदालत ने कानून के दो मुख्य पहलुओं पर रोक लगा दी थी। 17 अप्रैल को सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ को केंद्र की ओर से आश्वासन दिया गया था कि वह 5 मई तक न तो वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

केंद्र ने उसे सुने बिना कानून पर रोक न लगाने का आग्रह भी किया था। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 5 मई तय की थी। जैसे ही मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई के लिए बैठी तो सीजेआई ने कहा कि कुछ ऐसे पहलू हैं, जिन पर केंद्र ने विचार किया, लेकिन उन्हें स्पष्ट करने की आवश्यकता है। मैं इस अंतरिम चरण में कोई निर्णय या आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता। इस मामले की सुनवाई उचित समय पर करनी होगी और यह मेरे समक्ष नहीं होगा। सीजेआई ने कहा, हमने जवाबी हलफनामे पर बहुत गहराई से विचार नहीं किया है। हां, आपने पंजीकरण (वक्फ संपत्तियों के) के संबंध में कुछ बिंदु उठाए हैं और कुछ विवादित आंकड़े दिए हैं, जिन पर कुछ विचार करने की आवश्यकता होगी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई की सेवानिवृत्ति का संकेत देते हुए कहा, हम आपसे (सीजेआई) से बात करना पसंद करते हैं, क्योंकि हर दलील का जवाब होता है, लेकिन हम आपको शर्मिंदा नहीं कर सकते, क्योंकि समय नहीं है। आपके सेवानिवृत्ति के बारे में याद दिलाना दुखद है। सीजेआई ने जवाब दिया, नहीं, नहीं, मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। केंद्र ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को पिछले महीने अधिसूचित किया था।

'आप संवेदनशीलता नहीं समझते?'

पहलगाम हमले से जुड़ी नई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर पर्यटकों की सुरक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। पर्यटकों की सुरक्षा पर जनहित याचिका दायर करने पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह बिना किसी सार्वजनिक कारण और महज प्रचार के लिए है। कोर्ट ने यह भी कहा कि आप मामले की संवेदनशीलता को नहीं समझते।

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने जनहित याचिका दायर करने के लिए अधिवक्ता विशाल तिवारी की खिंचाई की। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रचार के लिए है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, आपने इस तरह की जनहित याचिका क्यों दायर की? आपका असली मकसद क्या है? क्या आप इस मुद्दे की संवेदनशीलता को नहीं समझते? मुझे लगता है कि आप इस जनहित याचिका के जरिए जुर्माने को आमंत्रित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता वकील ने कहा, यह पहली बार है कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों को निशाना बनाया गया। >14

जस्टिस यशवंत वर्मा केस : नकदी बरामदगी मामले में पैनल ने सौंपी रिपोर्ट

अब सीजेआई लेंगे फैसला

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित घर पर मिली नकदी मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय समिति ने सीजेआई संजीव खन्ना को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायाधीश रहते हुए यशवंत वर्मा के घर पर कथित तौर पर भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिली थी। जिसके बाद कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए जांच समिति का गठन किया था।

इस माामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यों वाली समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल थीं। इस तीन सदस्यीय समिति ने 3 मई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया था।

4 मई को पैनल ने सीजेआई को सौंपी रिपोर्ट :

4 मई को मुख्य न्यायाधीश को आगे की कार्रवाई के लिए सौंपी गई इस रिपोर्ट में कथित तौर पर न्यायमूर्ति वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे आग लगने के बाद कथित नकदी बरामदगी विवाद का निष्कर्ष शामिल हैं। अब इस रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई का फैसला मुख्य न्यायाधीश लेंगे। शीर्ष न्यायालय ने एक बयान में कहा, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट 4 मई को भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दी है। शीर्ष न्यायालय ने 28 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से कहा था कि वे न्यायमूर्ति वर्मा को फिलहाल कोई न्यायिक कार्य न सौंपें। शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम ने 24 मार्च को न्यायमूर्ति वर्मा को उनके मूल इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने की सिफारिश की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के बाद न्यायाधीश से कार्य वापस ले लिए थे।

कथित नकदी की बरामदगी 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने के बाद हुई थी। 22 मार्च को सीजेआई ने आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था और घटना में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की जांच रिपोर्ट अपलोड करने का फैसला किया। इसमें कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने की तस्वीरें और वीडियो शामिल थे।

एलओसी पर तनाव के बीच रक्षा सचिव ने पीएम मोदी से की मुलाकात

✻ सैन्य तैयारियों की दी जानकारी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पूरे मामले पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक भी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि रक्षा सचिव ने सोमवार को हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को ताजा हालात और सैन्य तैयारियों की जानकारी दी।

वहीं, सोमवार को ही नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री से मुलाकात की। इससे पहले रविवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को मौजूदा स्थिति और एयरफोर्स की तैयारियों से अवगत कराया। यह मुलाकात करीब 40 मिनट तक चली।

वहीं, शनिवार को नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस बीच सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी रक्षा मंत्री ने भारत को अपना समर्थन दिया।

उन्होंने बताया कि जापान भारत के साथ खड़ा है। भारत और जापान के रक्षा मंत्रियों की इस महत्वपूर्ण बैठक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी चर्चा हुई। जापान के रक्षा मंत्री नाकातानी ने पहलगाम हमले के मामले में भारत के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। इससे पहले भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने रक्षा सचिव से मुलाकात की थी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से यह मुलाकात हुई थी। इस बैठक के दौरान जापान के राजदूत ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले समेत आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की।

पुतिन ने भारत आने का पीएम मोदी का न्योता किया स्वीकार

> वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक में होंगे शामिल

मास्को, 5 मई (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सालाना उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने वाले हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। सोमवार को दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की।

क्रेमलिन की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि नेताओं ने आतंकवाद के किसी भी स्वरूप के खिलाफ बिना किसी समझौते के लड़ाई की जरूरत पर जोर दिया। भारतीय नेता ने रूसी राष्ट्रपति को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। निमंत्रण को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया गया। बयान में कहा गया कि उन्होंने रूसी-भारतीय संबंधों की रणनीतिक प्रकृति पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ये संबंध बाहरी प्रभाव से प्रभावित नहीं हैं और सभी दिशाओं में गतिशील रूप से विकसित होते रहेंगे। इससे पहले आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पुतिन ने मोदी से यह भी कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का पूरा समर्थन करता है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही। प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने (पुतिन) इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

नीमराणा होटल फायरिंग मामले में एनआईए की कार्रवाई

जांच के लिए राजस्थान-हरियाणा, दिल्ली में की छापेमारी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकवादी अर्श डल्ला से जुड़े 2024 नीमराणा होटल फायरिंग हमले के पीछे की साजिश की जांच के लिए राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में 10 स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया है। बता दे कि, पिछले साल 8 सितंबर को राजस्थान के नीमराणा में होटल हाईवे किंग के परिसर के चारों ओर 35 राउंड गोलियां चलाई गई थीं। इस हमले का मकसद लोगों को डराना और धमकाना था।

बंबिया गिरोह से जुड़े थे दोनों हमलावर :

एनआईए के मुताबिक, इस हमले में शामिल दोनों हमलावर बंबिया गैंग के सदस्य हैं, जो अर्श डल्ला के गैंगस्टर-आतंकी नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। हमलावरों ने प्रतिबंधित हथियारों का इस्तेमाल किया था और होटल के मालिक और मैनेजर से जबरन वसूली के लिए धमकी भी दी थी। बताया जा रहा है कि होटल मैनेजर को पहले भी कई बार विदेश से धमकी भरे कॉल आए थे। एनआईए ने दिसंबर में यह केस अपने हाथ में लिया था। हाल की छापेमारी के दौरान एजेंसी ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य आपत्तिजनक सामान जब्त किया है। एनआईए का कहना है कि आरोपी और संदिग्ध लोग देश में हिंसक अपराध और आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे और इसमें अर्श डल्ला और उसके सहयोगी दिनेश गांधी का हाथ है।

जबरन वसूली से पैसे जमा कर रहा था डल्ला और उसके साथी :

एजेंसी ने आरोप लगाया कि डल्ला और उसके साथी जबरन वसूली और हिंसा के जरिए पैसे इकट्ठे कर रहे थे ताकि भारत में प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकी संगठनों को फंडिंग की जा सके। कारोबारी और अन्य लोगों को निशाना बनाकर उनसे मोटी रकम वसूली जा रही थी। एनआईए ने कहा है कि उसकी जांच अभी जारी है और एजेंसी देश में सक्रिय आतंकवादी और गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

आतंकी अर्श डल्ला पर क्या-क्या है आरोप :

अर्श डल्ला पर हत्या, हत्या की कोशिश, जबरन वसूली और आतंकवादी गतिविधियों समेत 50 से ज्यादा केस दर्ज हैं। मई 2022 में इंटरपोल ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था और भारत सरकार ने 2023 में उसे आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया था।

'भारतीय रक्षा वेबसाइटों पर साइबर अटैक-डेटा भी चुराया'

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले बाद भारत-पाकिस्तान के संबंधों में चल रहे तनाव के बीच पाकिस्तानी हैकर्स ने दावा किया है कि उन्होंने कई भारतीय रक्षा वेबसाइटों को हैक कर उनसे डेटा चुराया है। दावा यह भी किया गया है कि हैकर्स ने लॉगिन क्रेडेंशियल सहित रक्षा कर्मियों से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच हासिल कर ली है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाकिस्तान साइबर फोर्स नाम के अकाउंट ने दावा किया कि उन्होंने कथित तौर पर भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान के संवेदनशील डेटा तक पहुंच प्राप्त कर ली है। दावा यह भी किया गया है कि हैकर्स ने लॉगिन क्रेडेंशियल सहित रक्षा कर्मियों से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच हासिल कर ली है।

रक्षा मंत्रालय की एक पीएसयू की वेबसाइट को भी खराब करने का प्रयास

इस डेटा ब्रीच के अलावा, यह भी बताया गया है कि उन्होंने रक्षा मंत्रालय के तहत एक पीएसयू कंपनी आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट को भी नष्ट करने का प्रयास किया है। इसमें कहा गया है कि वेबसाइट को पाकिस्तानी झंडे और अल खालिद टैंक का इस्तेमाल कर खराब किया गया है। सूत्रों ने बताया कि एहतियाती उपाय के तौर पर बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड की वेबसाइट को पूरी तरह से ऑडिट के लिए ऑफलाइन कर दिया गया है, ताकि वेबसाइट को खराब करने की कोशिश से होने वाले किसी भी संभावित नुकसान का आकलन किया जा सके और वेबसाइट को सेफ रखा जा सके।

भारतीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हुए एक्टिव

इसके अलावा, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां किसी भी साइबर हमले का पता लगाने के लिए साइबरस्पेस की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही हैं, खासकर उन हमलों का जो पाकिस्तान से जुड़े खतरनाक तत्वों द्वारा प्रायोजित हो सकते हैं। इस निरंतर निगरानी का उद्देश्य इन साइबर हमलावरों द्वारा आगे किए जाने वाले किसी भी जोखिम को जल्दी से पहचानना और कम करना है। सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने और आगे किसी भी ब्रीच से सुरक्षा के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान पर आर्थिक प्रहार की बारी!

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ हर मोर्चे पर प्रहार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, अब सोमवार को भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा से मुलाकात कर पाकिस्तान को आर्थिक मदद बंद करने की मांग की। वित्तमंत्री ने मासातो के अलावा इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेट्टी से मुलाकात कर अपनी मांग को दोहराया है। भारत ने यह स्पष्ट किया कि आतंक का संरक्षण और बढ़ावा देने वालों को आर्थिक फंड नहीं दिया जाना चाहिए।

पाकिस्तान को क्यों मिलती है मदद :

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद ही खराब है। ऐसे में दुनिया के कई बैंकों, जैसे एडीबी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से अरबों डॉलर की मदद की जाती है। यह मदद डेवलपमेंट, जलवायु परिवर्तन से लड़ने, सड़कें बनाने, बिजली जैसे क्षेत्रों के लिए दी जाती है।

भारत क्यों कर रहा विरोध :

भारत का कहना है कि पाकिस्तान को विभिन्न बैंकों से जो मदद मिलती है उसका अधिकांश पैसा वो आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा के लिए इस्तेमाल करता है। भारत की मांग है कि उसे एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में दोबारा डाल दिया जाए। भारत ने पाक को आईएमएफ से मिलने वाले 7 अरब डॉलर के पैकेज पर भी सवाल उठाया है।

तस्लीमा नसरीन बोलीं-जब तक इस्लाम रहेगा, तब तक आतंकवाद

इस्लाम 1400 साल में भी विकसित नहीं हुआ, तर्क और मानवता पर हावी आस्था

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने रविवार को पहलगाम आतंकी हमले और ढाका में 2016 के आतंकी हमले के बीच समानताएं बताते हुए कहा कि आतंकवाद तब तक रहेगा जब तक इस्लाम रहेगा। दिल्ली में एक लिट्रेचर फेस्ट के सेशन में उन्होंने कहा कि इस्लाम 1400 साल में भी विकसित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा-जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक इस्लाम आतंकवादियों को जन्म देता रहेगा। 2016 में ढाका के हमले में मुसलमानों को इसलिए मार दिया गया, क्योंकि वे कलमा नहीं पढ़ पाए थे।

जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तो यही होता है। 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के पास आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। 1 जुलाई 2016 को आतंकवादियों ने ढाका में होली आर्टिसन बेकरी पर गोलीबारी की थी, जिसमें 29 लोग मारे गए थे।

नसरीन का दावा-मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त

तस्लीमा ईशनिंदा के आरोपों के बाद नसरीन 1994 से स्वीडन, अमेरिका और भारत में निर्वासित जीवन जी रही हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि यूरोप में चर्च संग्रहालयों में बदल गए हैं, लेकिन मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त हैं। हजारों मस्जिदें हैं और वे और भी मस्जिदें बनाना चाहते हैं। वे जिहादी पैदा करते हैं। मदरसे नहीं होने चाहिए। बच्चों को सभी किताबें पढ़नी चाहिए, सिर्फ एक नहीं।

मुझे भारत से प्यार है, यह घर जैसा लगता है-नसरीन

उन्होंने कहा-मैं संयुक्त राज्य अमेरिका की स्थायी निवासी हूं। वहां 10 साल तक रही हूं, लेकिन मुझे हमेशा एक बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस होता था। कोलकाता आने पर ही मुझे घर जैसा महसूस हुआ। पश्चिम बंगाल से निकाले जाने के बाद भी मुझे दिल्ली में दूसरा घर मिल गया। इस देश ने मुझे अपनेपन का एहसास दिया है, जो मेरा अपना देश नहीं दे सका। बांग्लादेश को लेकर तस्लीमा ने दुख जताया और कहा कि उनके देश में महिलाएं सभी बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं। तस्लीमा ने समान नागरिक संहिता की वकालत भी की। वे बोलीं- हर सभ्य देश में समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। भारत में भी। मैं इसका समर्थन करती हूं। इस्लामी पितृसत्ता कुरान के अधिकार चाहते हैं। अधिकार कभी भी धार्मिक नहीं होने चाहिए।

2011 से भारत में रह रही हैं नसरीन, 6 महीने पहले परमिट रिन्यू हुआ

नसरीन 2011 से भारत में रह रही हैं और उनके पास स्वीडन की नागरिकता है। अक्टूबर 2024 में भारत सरकार ने तस्लीमा नसरीन का भारतीय रेजिडेंस परमिट बढ़ा दिया था। परमिट मिलने के बाद लेखिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया था।

दरअसल, रेजिडेंस परमिट एक आधिकारिक डॉक्यूमेंट होता है, जो किसी विदेशी नागरिक को 180 दिनों से ज्यादा समय तक भारत में रहने की अनुमति देता है। जो विदेशी नागरिक इससे ज्यादा समय तक भारत में रहने का प्लान बनाते हैं, उन्हें फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस से यह परमिट लेना होता है।

कुलगाम में युवक का शव मिला, हिरासत में मौत का दावा

पुलिस बोली-आतंकियों का मददगार भागने के लिए नाले में कूदा; ड्रोन वीडियो जारी

श्रीनगर, 5 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में रविवार को एक 22 साल के एक युवक का शव पहाड़ी नाले में पाया गया। युवक की पहचान इम्तियाज अहमद माग्रे के रूप में हुई है। इम्तियाज का शव रविवार सुबह जिले के अहरबल इलाके में अदबल नाले से निकाला गया था। परिवार का आरोप है कि सुरक्षा बल मृतक को पहलगाम हमले से जुड़ी पूछताछ के लिए ले गए थे। वहीं, पुलिस ने बताया कि इम्तियाज ने आतंकवादियों का ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) होने की बात कबूल की थी। वह 23 अप्रैल को हुई मुठभेड़ से भी जुड़ा था। उस दिन दो आतंकवादी भाग निकले थे।

उसने लश्कर के ठिकाने की जानकारी होने की बात भी कबूल की थी। इसके बाद उसे जंगल में उसकी बताई जगह ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वह भागने के लिए नदी में कूद गया। पुलिस ने पूरी घटना के ड्रोन फुटेज जारी किए है जिसमें इम्तियाज नाले में कूदते और बहते दिख रहा है। मामले में केंद्र शासित प्रदेश की कैबिनेट मंत्री सकीना इटू ने घटना की ज्यूडीशियल इन्क्वायरी की मांग की।

पहलगाम हमले के अगले दिन मुठभेड़ हुई थी

पहलगाम हमले के अगले दिन 23 अप्रैल को कुलगाम में आतंकियों के साथ मुठभेड़ हुई थी। सुरक्षाबलों ने शाम को तंगमर्ग इलाके में आतंकियों को घेरा था। आतंकी एक घर में छिपे थे। हालांकि, घंटों फायरिंग के बाद आतंकी भागने में कामयाब रहे थे। वहीं, बारामूला के उरी सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया था। उनके पास से दो असॉल्ट राइफल, गोला-बारूद, युद्ध से जुड़ा सामान, कारतूस, पाकिस्तानी करेंसी, चॉकलेट और सिगरेट के पैकेट मिले थे।

बाबा महाकालेश्वर मंदिर के शंख द्वार पर लगी भीषण आग

दमकल की तीन गाड़ियों ने काबू पाया

उज्जैन, 5 मई (एजेंसियां)। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर के शंख द्वार पर रविवार को अचानक भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें और धुआं करीब एक किलोमीटर दूर से नजर आया। आग की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार, आग मंदिर परिसर के कंट्रोल रूम में लगी बैटरी से लगी थी। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घटना के तुरंत बाद ही महाकाल मंदिर समिति के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। आग लगने के बाद मंदिर में भक्तों का प्रवेश रोक दिया गया। महाकाल मंदिर में सोमवार को जिस समय ये घटना हुई उस समय मंदरि में काफी भीड़ थी। सोमवार के चलते मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। गनीमत रही कि आग की इस घटना में किसी के हताहत होने खबर नहीं है। घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर रोशन सिंह, महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक, उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा, नगर निगम कमिश्नर आशीष पाठक सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार हादसा मंदिर के गेट नंबर-1 पर स्थित अवंतिका गेट के कंट्रोल रूम की छत पर हुआ।

छत पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम लगा हुआ है। इस सिस्टम की बैटरी में किसी कारण से आग लगी थी। हादसे में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम की बैटरियां जल गईं। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कुछ ही देर बाद ही आग पर काबू पा लिया गया।

फिलहाल बैटरी में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा। घटना के बाद मंदिर में भक्तों का प्रवेश रोक दिया गया था। आग पर काबू पाने और स्थिति सामान्य होने के बाद मंदिर के गेट को दोबारा खोल दिया गया है।

राहुल गांधी का ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानना बड़ी बात : संजय राउत

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की सराहना करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा कि राहुल गांधी एक साफ-सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे। गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए।

ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है। राजनीति में गलती स्वीकार करना बहुत बड़ी बात होती है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी से गलती स्वीकार करना और आगे बढ़ना सीखना चाहिए। संजय राउत ने हाल के आतंकी हमलों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह कहते हैं कि करारा जवाब दिया जाएगा, लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। देश चाहता है कि आतंकियों को जवाब मिले। जब वह दिन आएगा, हम सरकार के साथ खड़े होंगे। कश्मीर में हालिया आतंकवादी हमले और पुलवामा हमले में 40 जवानों की शहादत के लिए कौन जिम्मेदार हैं? अमित शाह को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए, जैसे 26/11 हमले के बाद शिवराज पाटिल ने इस्तीफा दिया था। जब कड़ी प्रतिक्रिया देने का समय आएगा तो हम निश्चित रूप से सरकार के साथ खड़े होंगे।" राउत ने ऑल पार्टी मीटिंग में अपनी अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, हम वहां इसलिए नहीं गए, क्योंकि हम अमित शाह का इस्तीफा मांगते। इससे सरकार की स्थिति असहज हो जाती। संसद में कश्मीर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। 27 लोगों की मौत के बाद अमित शाह को पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। हम संसद में यह मुद्दा उठाएंगे।" वहीं दिल्ली सरकार में मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 1984 के सिख नरसंहार को लेकर तीखा हमला बोला है।

सिरसा ने कहा, 1984 का सिख नरसंहार, एक ऐसा काला अध्याय जिसे कोई सिख कभी भूल नहीं सकता। कांग्रेस और गांधी परिवार की शह पर 8000 से ज्यादा सिखों को दिल्ली की सड़कों पर जिंदा जला दिया गया।

हॉर्न बजाने से मना किया तो चालक ने सिक्योरिटी गार्ड पर चढ़ा दी गाड़ी

6 घंटे के भीतर पकड़ा गया आरोपी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के वसंत कुंज साउथ इलाके में महज हॉर्न बजाने से मना करने पर थार कार के ड्राइवर ने एक युवक को कुचल दिया। पूरी घटना सड़क पर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। पीड़ित राजीव कुमार के दोनों पैरों की 10 से ज्यादा जगहों पर हड्डी टूट गई। मामले की सूचना मिलने पर वसंत कुंज साउथ थाने के इंस्पेक्टर अरविंद प्रताप सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर 6 घंटे के भीतर आरोपी थार ड्राइवर को गिरफ्तार किया। आरोपी ड्राइवर की पहचान रंगपुरी निवासी विजय उर्फ लाला (24) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित राजीव कुमार परिवार के साथ महिपालपुर में रहते हैं। मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। वह एयरपोर्ट में टर्मिनल-3 में गार्ड की नौकरी करते हैं। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि शनिवार रात 10 बजे से रविवार सुबह तक उनकी ड्यूटी टर्मिनल-3 के पास थी। सुबह ड्यूटी खत्म होने के बाद वह कैब से महिपालपुर चौक के पास उतरे। यहां से वह पैदल घर की ओर जा रहे थे।

पीड़ित के अनुसार, वह महिपालपुर रेड लाइट के पास पहुंचे ही थे। तभी पीछे से थार कार में सवार युवक ने जोर-जोर से हॉर्न दिया। हॉर्न देने से मना करने पर आरोपी युवक ने पीड़ित के हाथ से सिक्योरिटी बैटन मांगा। मना करने पर आरोपी ने धमकी दी कि वह उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा देगा। पीड़ित ने जैसे ही रोड क्रॉस किया, आरोपी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पीड़ित नीचे गिर गए और चिल्लाने लगे। उसके बाद आरोपी ने कार दोबारा बैक की और पीड़ित के ऊपर चढ़ा दी।

अमृतसर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

अमृतसर, 5 मई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने आतंकी और आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान विजय मसीह, अग्रेज सिंह और इकबाल सिंह के रूप में हुई है, ये सभी तरनतारन के निवासी हैं। इनके तार ब्रिटेन स्थित गैंगस्टर धर्मप्रीत सिंह उर्फ धर्म संधू और तरनतारन के जस्सा पट्टी से जुड़े हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से 3 ग्लॉक पिस्तौल, 3 बेरेटा 30 बोर पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस (9 मिमी), 20 जिंदा कारतूस (30 बोर), 4 मोबाइल फोन और एक एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि ये तीनों अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों के साथ संपर्क में थे और अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल थे। पुलिस ने थाना लोपोके में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, ताकि इस नेटवर्क की पूरी जानकारी सामने आ सके। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तीन सहयोगियों विजय मसीह, अग्रेज सिंह और इकबाल सिंह, सभी तरनतारन के निवासी को गिरफ्तार किया है, जो ब्रिटेन स्थित गैंगस्टर धर्मप्रीत सिंह उर्फ धर्म संधू और तरनतारन के जस्सा पट्टी से जुड़े हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 3 ग्लॉक पिस्तौल, 3 बेरेटा 30 बोर पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस (9 मिमी), 20 जिंदा कारतूस (30 बोर), 4 मोबाइल फोन और 1 एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि तीनों अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों के साथ सक्रिय संपर्क में हैं और अवैध हथियारों की आवाजाही में शामिल हैं।

अब नहीं मिलेगा एक बूंद भी : सलाल डैम के गेट बंद, चिनाब नदी का बहाव रोका

जनता बोली-पाकिस्तान को मिला करारा जवाब

जम्मू, 5 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित सलाल डैम के सभी गेटों को बंद कर दिया गया है, जिससे रियासी जिले में नदी का जलस्तर बहुत गिर गया है। वहीं बगलीहार जलविद्युत परियोजना से पानी बहता हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है।। रियासी में रहने वाले स्थानीय नागरिक दिनेश ने कहा हम खुश हैं कि सरकार ने पाकिस्तान की ओर पानी का बहाव रोक दिया है। पाकिस्तान को पहलगाम में हमारे पर्यटकों की हत्या का करारा जवाब देना चाहिए। सरकार के हर निर्णय से हम सहमत हैं। स्थानीय लोगों में से एक ने कहा, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। सरकार ने बहुत कुछ किया है। पाकिस्तान को हमारी सरकार कई तरीकों से प्रतिक्रिया दे रही है। हम सभी सरकार के पक्ष में हैं। सरकारी अधिकारियों ने अभी तक रणनीतिक कारणों पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसे एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

दक्षिण मुंबई में कपड़ों के शोरूम में लगी आग

> छह मंजिला इमारत से आठ लोगों को बचाया गया

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। दक्षिण मुंबई के पेडर रोड इलाके में एक रिहायशी इमारत के भूतल पर स्थित कपड़ों के शोरूम में सोमवार सुबह आग लग गई। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि आग में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

छह मंजिला इमारत से आठ लोगों और कुछ पालतू जानवरों को बचा लिया गया। इससे पहले मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक मॉल में लगी भीषण आग पर 22 घंटे से अधिक समय की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया था। नगर निगम के अधिकारियों ने बुधवार को बताया था कि बांद्रा पश्चिम में लिंकिंग रोड पर लिंक स्क्वायर मॉल के बेसमेंट में मंगलवार सुबह करीब 4.10 बजे आग लगी थी। बुधवार को दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन सेवाओं की मशक्कत के बाद देर रात 1.41 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

शोरूम में सुबह करीब 6.38 बजे आग लगी

अधिकारियों ने बताया कि सुखशांति इमारत के भूतल पर स्थित शोरूम में सुबह करीब 6.38 बजे आग लगी। फायर ब्रिगेड ने इमारत की पहली मंजिल से आठ लोगों और चौथी मंजिल से पांच जानवरों को बचाया। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग केवल तारों, बिजली के उपकरणों और शोरूम में रखे कपड़ों के स्टॉक तक सीमित थी। आग की वजह से शोरूम में धुआं भर गया। आठ दमकल गाड़ियां और अन्य ने मौके पर मोर्चा संभाला और बचाव कार्य चलाया। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 8.15 बजे इलाके को घेर लिया गया। आग बुझाने का काम जारी है। पुलिस, नगर निगम के अधिकारी और अन्य एजेंसियों को मौके पर बुलाया गया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा

ट्रैफिक पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि इमारत व्यस्त पेडर रोड पर है, इसलिए महालक्ष्मी मंदिर जंक्शन से केम्प्स कॉर्नर फ्लाईओवर तक दक्षिण की ओर जाने वाला यातायात धीमा हो गया है।

खबरें जरा हटके

बच्ची ने दिखाया गजब का हुनर, पैर नहीं, हाथों से चलकर उतरी 72 सीढ़ियां, देखने वाले रह गए दंग!

भारत में इतना टैलेंट है कि आप अंदाजा नहीं लगा सकते. बस उस हुनर को तराशने की जरूरत है. हाल ही में एक बच्ची ने इस बात को साबित कर दिया. इस बच्ची ने पैरों से नहीं, बल्कि हाथों से चलकर 72 सीढ़ियां उतरकर दिखाया और सभी को हैरान कर दिया. बच्ची बड़ी ही आसानी से 50 फीट की ऊंचाई को पार कर गई और सादगी से कहा कि ये उसका रोज का रूटीन है!

इंस्टाग्राम यूजर मीठी गोरखपुर की रहने वाली हैं. वो एक होनहार मार्शल आर्ट्स प्लेयर हैं. वो अक्सर अपनी प्रैक्टिस के वीडियोज को सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं. उन्हें 95 हजार लोग फॉलो करते हैं. हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो अपने दोनों हाथों को कदमों की तरह इस्तेमाल कर सीढ़ियां उतरती नजर आ रही हैं. हैरानी इस बात की है कि ऐसा कर के वो 1-2 नहीं, पूरी 72 सीढ़ियां उतरी हैं.

बच्ची हाथों से उतर गई सीढ़ी

मीठी अभी बच्ची हैं. वैसे तो उनकी उम्र के बारे में जानकारी नहीं है, पर देखने से वो 12-13 साल से ज्यादा बड़ी नहीं लगतीं. इस वीडियो में मीठी ने कहा कि वो 50 फीट की ऊंचाई से हाथों के जरिए सीढ़ियां उतरेंगी. वो एक पानी की टंकी के ऊपर खड़ी हैं. फिर वो दोनों हाथों से सीढ़ियां उतरने लगती हैं. साथ ही साथ वो सीढ़ियां गिनती भी जा रही हैं. अंत में वो 72 सीढ़ियां उतरकर बिल्कुल सामान्य ढंग से नीचे जाकर खड़ी हो जाती है. बच्ची के इस वीडियो को 97 लाख व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक ने कहा कि बच्ची का टैलेंट गजब का है. वहीं एक ने कहा- नाज है हमें आप पर! एक ने कहा कि बच्ची ने बहुत हिम्मत दिखाई है. जबकि कुछ लोग इस हुनर में भी कमियां निकल रहे हैं.

फायर ब्रिगेड को काम करते देखने की सनक, लड़के ने खुद ही जला डाला अपना घर, एक रात में 2 बार लगाई आग!

हर किसी की पसंद-नपसंद होती है, उसके अनुसार इंसान कोई कृत करता है. कई बार लोगों की यही पसंद, जुनून में बदल जाता है और फिर वो पागलपन की तरह उनके ऊपर सवार हो जाता है. हाल ही में ऐसा ही एक शख्स के साथ हुआ. ब्रिटेन के इस व्यक्ति को फायर ब्रिगेड को देखना इतना पसंद था कि उसने अपने ही घर में आग लगा दी, वो भी एक बार नहीं, एक ही रात में 2 बार! ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 26 साल के जेम्स ब्राउन नॉर्थंबरलैंड के रहने वाले हैं. उन्हें फायरफाइटर्स को देखने की इतनी सनक थी कि उन्होंने अपने ही घर में आग लगा ली. जेम्स खुद भी फायर फाइटर बनना चाहते थे, मगर वो मुमकिन नहीं हो पाया, तो उन्होंने अपने इस जुनून को फायर फाइटर्स को देख-देखकर ही पूरा किया. कई मौके ऐसे हुए कि उन्होंने जबरदस्ती फायर ब्रिगेड को कॉल कर के बुला लिया.

फायर विभाग के कर्मियों को किया कॉल

पर इतने में उनका मन नहीं भरा. उन्होंने तय कि वो अपने ही घर को आग लगा लेंगे, जिससे फायर ब्रिगेड उनके घर आग बुझाने पहुंचे और वो उन्हें देखकर अपना भर लें. 9 सितंबर 2023 को एशिंग्टन के इलेवेंथ एवेन्यू इलाके में फायर ब्रिगेड को इमर्जेंसी में भेजा गया. एक घर में आग लग गई थी, जिसे बुझाने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई. ये घर जेम्स का ही था. जेम्स ने बताया कि बिजली मीटर में से स्पार्क आ रहा था, और उनके कपड़ों ने आग पकड़ ली, जिससे वो पूरे घर में फैल गया. फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई और बिजली की सप्लाई को काट दिया, जिससे वो निश्चित रहें कि आगे और आग न फैले. मगर 90 मिनट बाद, जेम्स ने दोबारा फायर ब्रिगेड को फोन किया और कहा कि फिर से आग लग गई है. कोर्ट में पेश की गई जानकारियों के अनुसार शख्स ने 12 महीनों में 80 बार फायर डिपार्टमेंट को फोन किया था.

पानी से झांकता दिखा अजीब जीव, पलकें झपकाकर दिया जिंदा होने का सबूत

पर अपनी जगह से नहीं हुआ टस से मस!

इंसान धरती के ऊपर अलग-अलग जीवों की खोजबीन में जुटा रहता है, धरती के बाहर दूसरे ग्रहों पर एलियंस की तलाश में रहता है, पर अपने ही ग्रह में पानी के नीचे की दुनिया के बारे में पता लगाना फिलहाल बाकी है. समुद्रों, नदियों और झीलों के नीचे कई ऐसे जीव हैं, जिनके बारे में हमें अभी पूरी जानकारी भी नहीं है. हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक अजीबोगरीब जीव पानी से बाहर झांकता नजर आ रहा है. उसने पलकें झपकाकर अपने जिंदा होने का सबूत तो दिया, पर अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ... यानी वो पानी में एक ही जगह पर स्थिर नजर आ रहा है. एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें एक अजीबोगरीब जीव पानी में तैरता नजर आ रहा है. हैरानी इस बात की है कि जीव अपने जिंदा होने का सबूत सिर्फ पलकें झपकाकर दे रहा है, वो पानी में भी इतना स्थिर है कि अपनी जगह से जरा भी नहीं हिल रहा है. पर एक बात की हैरानी और है, वो ये कि उसके आसपास बड़ी ही आसानी से मछलियां तैर रही हैं, वो उस जीव से बिल्कुल भी नहीं डर रही हैं. वीडियो को काफी ऊपर से रिकॉर्ड किया गया है और फिर धीरे-धीरे वीडियो ज़ूम किया जा रहा है. जीव लगातार पलकें झपका रहा है और कैमरे में बड़े ध्यान से देख रहा है, जैसे वो ऊपर मौजूद व्यक्ति पर हमला करने की फिराक में है, या फिर खाना मांग रहा है.

सुविचार

अगर कुछ पाना है तो शुरू भी करना पड़ेगा केवल बातो से नहीं मिलती सफलता ।

पुलिस ने सौ प्रतिशत कानून-व्यवस्था बनाए रखा है : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने पुलिस को रियल हीरोज जी अवाड्र्स-2025 पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीएम सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी जितेंद्र और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कमांड कंट्रोल सेंटर में तेलंगाना पुलिस रियल हीरोज जी अवाड्र्स-2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस कार्यक्रम में पुलिस को रियल हीरोज जी अवाड्र्स-2025 पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में पुलिस 100 प्रतिशत कानून-व्यवस्था बनाए रख रही है। तेलंगाना राज्य देश के लिए एक आदर्श राज्य बन गया है और विश्व स्तरीय निवेश आकर्षित कर रहा है।

वे देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों की तरह राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम तलवार की तरह है। हम शांत रह पाते हैं क्योंकि पुलिस अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी लगन से कर रही है। हम उन पुलिस अधिकारियों के परिवारों को आश्वासन प्रदान कर रहे हैं जिन्होंने सार्वजनिक सरकार में कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवा दी। उन्होंने कहा कि कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए आईपीएस अधिकारियों के परिवारों को 2 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। एडिशनल एसपी और एसपी परिवारों को मिलेंगे 10 लाख रुपये हम डेढ़ करोड़ रुपये की पेशकश कर रहे हैं। हमने कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए पुलिस अधिकारियों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए सार्वजनिक सरकार में कदम उठाए हैं। हमने पुलिस के बच्चों के भविष्य के लिए 50 एकड़ में यंग इंडिया पुलिस स्कूल शुरू किया है। उन्हें बेहतर भविष्य प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के लिए एक एंटी-नारकोटिक्स डिवीजन की स्थापना की है। बदलते समय के साथ अपराधी नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हमने साइबर अपराध को नियंत्रित करने के लिए उस विभाग को और मजबूत किया है। पुलिस की जिम्मेदारी अपराध को होने से रोकना है, न कि केवल अपराध होने पर रोकना। श्रमिक यूनियनें घोषणा कर रही हैं कि लड़ाई ख़त्म हो गई है। क्या आपका युद्ध तेलंगाना के लोगों के खिलाफ है? आप क्यों लड़ रहे हैं... क्या इसका कारण यह है कि वेतन का भुगतान पहली तारीख को किया जा रहा है, जो पहले नहीं होता था? सरकार ऐसी स्थिति में है कि उसे हर महीने सात हजार करोड़ रुपये चुकाने पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले शासकों के पास सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में 8500 करोड़ रुपये बकाया रह गए। कुछ राजनीतिक दल हम पर आरोप लगा रहे हैं। उन सभी पर बकाया राशि बकाया है, जो उन्होंने चुकाया नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ सोलह महीनों में हमने किसानों के खातों में 30,000 करोड़ रुपये की नकदी हस्तांतरित की है।

वे बिजली विभाग का बकाया लेकर चले गए और दावा किया कि यह मुफ्त बिजली है। उन्होंने बिजली उत्पादन के लिए कोयला खरीदा और सिंगरेनी को बकाया राशि देकर छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने परियोजनाएं पूरी कर ली हैं, लेकिन ठेकेदारों को बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। उन्होंने 11 प्रतिशत ब्याज पर ऋण लिया... क्या इससे अधिक बुरा कुछ हो सकता है? सरकार सिर्फ हम नहीं हैं... सरकार तभी संभव है जब हम सब एक साथ आएं। हम शासक नहीं हैं। हम सेवक हैं। कहा जा रहा है कि जब सरकार वित्तीय कठिनाइयों में है तो श्रमिक संघों के नेता, जिन्हें सहयोग करना चाहिए, वे ही लड़ रहे हैं। लड़ाई किसके खिलाफ है? क्या यूनियन नेताओं की यह जिम्मेदारी नहीं है कि जब लोग मुसीबत में हों तो वे उनके साथ खड़े हों? मैं श्रमिक संघों के नेताओं से अपील करता हूं कि अगर कोई समस्या है तो उस पर चर्चा करें।

हम यहां लड़ने के लिए नहीं हैं। हम यहां लोगों की सेवा करने के लिए हैं। जिन लोगों ने जनता के खिलाफ युद्ध छेड़ा था, वे उबर नहीं पाए हैं। श्रमिक संघों को सरकार को अस्थिर करने की राजनीतिक दलों की साजिश का मोहरा नहीं बनना चाहिए। अगर हम नई इच्छाओं के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे तो मौजूदा व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। यदि आप अपनी जिम्मेदारी भूल जाएंगे और जिम्मेदारी से काम करेंगे तो तेलंगाना समाज आपको बर्दाश्त नहीं करेगा। आप कुछ भी कर सकते हैं, भले ही आपके पास कर्ज हो.. लेकिन कहीं भी कोई कर्ज नहीं है।

आत्म-नियंत्रण ही समाधान है। उन्होंने मजदूर यूनियन के नेताओं से कहा कि राज्य सरकार हमारा परिवार है। परिवार की इज्जत को बाजार में मत उछालो। राज्य की अर्थव्यवस्था क्षतिग्रस्त हो गई है। अगर मेरी नौकरी भी चली गई तो मैं अपनी आय से आगे कुछ नहीं कर सकता। जिस आदमी ने आर्थिक बर्बादी की, वह अब एक फार्महाउस में आराम से सो रहा है। श्रमिक संघ नेताओं, अब लड़ाई की नहीं, बल्कि समय और संयम की जरूरत है। मैं आप सभी से अपील करता हूं।

डलास, यूएसए में बीआरएस रजत जयंती समारोह में केटीआर भाग लेंगे

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की 25वीं वर्षगांठ का समारोह 1 जून को डलास, यूएसए में डीआर पेपर एरिना में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा, बीआरएस ग्लोबल एनआरआई समन्वयक महेश बिगाला ने घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। तेलंगाना के एल्कातुर्थी में हाल ही में आयोजित रजत जयंती समारोह पर विचार करते हुए महेश बिगाला ने कहा कि इस कार्यक्रम ने एक अमिट छाप छोड़ी और केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना के लोगों की उम्मीदों को फिर से जगा दिया। उन्होंने कहा, नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच ऊर्जा और उत्साह एक स्पष्ट संकेत है कि लोग एक बार फिर केसीआर की ओर देख रहे हैं। एल्कार्तर्थी समारोह की निरंतरता के रूप में, महेश बिगाला ने घोषणा की कि अगले वर्ष विभिन्न देशों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हम डलास कार्यक्रम से शुरूआत करेंगे और बीआरएस की उपलब्धियों और भावना को उजागर करते हुए वैश्विक स्तर पर जश्न मनाना जारी रखेंगे। बीआरएस यूएसए सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष तन्नेरू महेश ने पार्टी की भावनात्मक यात्रा पर जोर देते हुए कहा, 2001 से, हम बीआरएस आंदोलन के साथ मजबूती से खड़े हैं। पार्टी का अपने 25वें वर्ष में प्रवेश करना तेलंगाना और उसके लोगों के लिए गर्व का क्षण है।

प्रशिक्षण पेटेंट परीक्षकों को आईपी कानूनों और प्रथाओं की गहरी समझ से लैस करेगा : शांति कुमारी

पेटेंट परीक्षकों के लिए उन्नत प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन और राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम), पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के अंतर्गत, तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में पेटेंट परीक्षकों के लिए एक उन्नत प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। सीजीपीडीटीएम कार्यालय के 25 पेटेंट अधिकारियों के अलावा, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, मिस्र, जॉर्जिया, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मंगोलिया, मोरक्को, नाइजीरिया, सऊदी अरब, त्रिनिदाद और टोबैगो और युगांडा के पेटेंट परीक्षक भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि डॉ. एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना (एफएसी) की उपाध्यक्ष और महानिदेशक शांति कुमारी, (सेवानिवृत्त), ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के पेटेंट परीक्षकों की क्षमताओं को बढ़ाने और नवाचार, उद्यमशीलता और सतत विकास को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा (आईपी) के रणनीतिक मूल्य के बारे में अधिक जागरूकता को बढ़ावा देने में बहुत सहायक होगा। शांति कुमारी ने कहा, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आईपी प्रणाली का समर्थन करने के लिए कुशल मानव संसाधन विकसित करने के महत्व को रेखांकित करता है जो उत्तरदायी, कुशल और वैश्विक मानकों के अनुरूप है और कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम पेटेंट परीक्षकों को अधिकार क्षेत्र में आईपी कानूनों और प्रथाओं की गहरी समझ से लैस करेगा और आपसी सीखने और क्षमता निर्माण द्वारा वैश्विक आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में योगदान देगा। प्रोफेसर (डॉ.) उन्नत पी पंडित, सीजीपीडीटीएम, जो मुख्य अतिथि थे, ने अपने आभासी संबोधन में कहा कि भारत के आईपी परिदृश्य में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। उन्होंने कहा, आईपी फाइलिंग में लगातार वृद्धि हुई है। भारत ने हाल ही में एक वर्ष में 100 हजार पेटेंट आवेदनों का मील का पत्थर पार किया है, जो देश की बढ़ती नवाचार क्षमता और आईपी परिदृश्य में आत्मनिर्भरता का स्पष्ट प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, डब्ल्यूआईपीओ के साथ भारत के 50 वर्षों के दीर्घकालिक और रचनात्मक संबंध एक मजबूत और दूरदर्शी सहयोग में विकसित हुए हैं। हम इस अवसर पर इस स्थायी संबंध का जश्न मनाते हैं और आने वाले वर्षों में निरंतर सहयोग की आशा करते हैं। विक्टर ओवाडे, काउंसलर, शैक्षणिक संस्थान और कार्यकारी कार्यक्रम, ने कहा कि डब्ल्यूआईपीओ, जिनेवा में आईपी का दृष्टिकोण एक समावेशी है, जिसमें सभी देश रोजगार सृजन, निवेश आकर्षित करने, उद्यमों और उद्यमियों का समर्थन करने और अंततः विकास और आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में आईपी का उपयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क के संयुक्त नियंत्रक अनूप के. जॉय ने भी बात की। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के सीएमबी के केंद्र प्रमुख डॉ.डी.टी. चारी ने सभा का स्वागत किया। आईपीओ की सुश्री तृप्ति पांडे और सुश्री मनीषा लखेरा ने उद्घाटन सत्र की कार्यवाही का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

निजी अस्पताल के कर्मचारियों ने फोन पर डॉक्टर के निर्देश पर सिजेरियन किया

जन्म के कुछ घंटों बाद ही जुड़वा बच्चों की मौत

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपट्टनम में एक निजी अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ ने कथित तौर पर एक गर्भवती महिला का सिजेरियन सेक्शन किया। गर्भवती महिला के नाराज और परेशान रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि उन्हें अस्पताल के वरिष्ठ प्रसूति विशेषज्ञ से फोन पर निर्देश मिले थे, जो अस्पताल परिसर में शारीरिक रूप से मौजूद नहीं थे। कथित सिजेरियन सेक्शन के ज़रिए गर्भवती महिला ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया, जो 18 सप्ताह की अवधि में समय से पहले पैदा हुए और कुछ घंटों में ही मर गए। इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, क्योंकि गर्भवती महिला के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में वरिष्ठ प्रसूति विशेषज्ञ मौजूद नहीं थे और उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को प्रक्रिया करने के निर्देश फ़ोन पर दिए। इस घटनाक्रम से सतर्क होकर रंगारेड्डी जिले के जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएंडएचओ) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने निजी अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल को जब्त कर लिया। रंगारेड्डी जिले के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, किसी भी प्रक्रिया को करने के लिए, अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में एक वरिष्ठ डॉक्टर का शारीरिक रूप से मौजूद होना ज़रूरी है। हमने सुविधा को जब्त कर लिया है और पूरी जांच करेंगे। गर्भवती महिला के रिश्तेदारों का आरोप है कि प्रक्रिया नर्सिंग स्टाफ़ द्वारा की गई जबकि उन्हें प्रसूति विशेषज्ञ से फ़ोन पर निर्देश मिले थे। जुड़वा बच्चों को जन्म देने वाली महिला की हालत स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, उसने आईवीएफ उपचार के माध्यम से जुड़वा बच्चों को जन्म दिया और गर्भावस्था की गैर-व्यवहार्य प्रकृति के कारण आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के रिश्तेदारों ने धरना दिया और अधिकारियों से न्याय की मांग की। बाद में, उन्होंने कथित तौर पर निजी अस्पताल और डॉक्टर पर कथित चिकित्सा लापरवाही के लिए शिकायत भी दर्ज कराई।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बिल्डिंग में लगी आग

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के पैटनी में भारतीय स्टेट बैंक की इमारत में रविवार शाम आग लग गई। रिपोर्ट के अनुसार, आग भारतीय स्टेट बैंक की इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित गृह ऋण और बीमा अनुभाग में लगी।

सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। अलग-अलग फायर स्टेशनों से आई सात दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी के पानी के टैंकरों ने दमकल गाड़ियों को पानी की आपूर्ति की। आग लगने के समय एक व्यक्ति कार्यालय में मौजूद था और वह परिसर से बाहर निकल गया।

अधिकारियों को अभी तक इमारत में आग लगने का सही कारण पता नहीं चल पाया है। स्थानीय पुलिस और डीआरएफ की टीमों ने अग्निशमन कर्मियों की सहायता की। पुलिस, अग्निशमन विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और परिसर का निरीक्षण किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से सांसद ने की मुलाकात

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के दौरे पर आए केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से हैदराबाद में भुवनगिरी के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने मुलाकात की। इस अवसर पर सांसद चामला किरण ने उन्हें भुवनागिरी निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया और उन्होंने जो मुद्दे उठाए थे।

केंद्रीय मंत्री को भुवनगिरी संसदीय क्षेत्र में यादगिरिगुट्टा मंदिर के आसपास के कॉरिडोर क्षेत्र में सड़क बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिरों और विरासत गांवों के बीच उचित सड़क संपर्क न होने के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कनेक्टिविटी की कमी के बारे में बताया, खासकर यादगिरिगुट्टा, कोलानुपका, कीसरगुट्टा और

पेम्बर्थी क्षेत्रों के बीच। सांसद किरण ने केंद्रीय मंत्री को भुवनगिरी संसदीय क्षेत्र में दो प्रमुख सड़कों के विकास प्रस्तावों के बारे में जानकारी दी। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि आउटर रिंग रोड से पेमबर्थी तक सड़क विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग यदागिरिगुट्टा क्षेत्र के विकास में योगदान देगा और वारंगल और करीमनगर राजमार्गों पर यातायात को कम करने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में काम करेगा। अलेरू से बचन्नापेट (एनएच-163 और एनएच-365बी कनेक्शन) तक संपर्क सड़क का निर्माण, कोमरवेल्ली में मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के पास स्थित है।

यह श्रद्धालुओं के लिए आवागमन में आसानी होगी। हैदराबाद-यादगिरिगुट्टा सड़क खंड पर पहले से स्वीकृत प्रमुख ब्लैक स्पॉट उपचारात्मक कार्यों की तत्काल स्वीकृति और फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के लिए केंद्रीय मंत्री को एक पत्र प्रस्तुत किया गया। सांसद किरण ने कहा कि ये कार्य सड़क सुरक्षा, यातायात समस्या और जनहानि की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण हैं। सांसद चामला किरण ने केंद्रीय मंत्री से रंगारेड्डी जिले के पेद्दाअम्बरपेट और लक्ष्मा रेड्डीपालेम क्षेत्रों में दो एलिवेटेड फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के संबंध में अनुरोध किया है। अम्बरपेट नगरपालिका में 100 से अधिक कॉलोनियां बनने के कारण लोगों को गंभीर परिवहन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वयस्कों और छात्रों को प्रतिदिन 1-2 किलोमीटर पैदल चलना आवश्यक है। लोगों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पेद्दाअम्बरपेट और लक्ष्मारेड्डीपालेम में दो एलिवेटेड फुट ओवरब्रिज को तत्काल मंजूरी दी जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी के प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के दर्शन कराएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैरिटेज स्पेशल टूर में पर्यटकों को रायगढ़ किला, पुणे (लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि), शिवनेरी किला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, प्रतापगढ़ किला और कोल्हापुर (महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किला) दिखाए जाएंगे। भारतीय रेल पहली बार 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर हैरिटेज टूर का आयोजन करने जा रही है। इस टूर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर किया जाएगा। भारत गौरव ट्रेन अपनी यात्रा की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएसएमटी) से करेगी, और कोंकण रेलवे नेटवर्क पर स्थित मनगांव रेलवे स्टेशन पहुंचेगी- जो रायगढ़ किले का सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन है। रायगढ़ वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में उनकी राजधानी भी बना। रायगढ़ किला घूमने के बाद पर्यटक ट्रेन पर वापस आएंगे और पुणे के लिए रवाना होंगे, जहां रात के खाने और होटल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी। यात्रा के दूसरे दिन पर्यटकों को पुणे के प्रमुख स्थलों (लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि) दिखाए जाएंगे। लाल महल का निर्माण 1630 ई. में शाहजी भोंसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और पुत्र शिवाजी के लिए करवाया था। वर्तमान संरचना 1984 में पुनर्निर्मित हुई है और इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी तैल चित्रों की एक विशाल श्रृंखला लगी है। कसबा गणपति मंदिर, पुणे के ग्रामदेवता के रूप में प्रसिद्ध है जिसे 1893 में स्थापित किया गया। माना जाता है कि इस स्थान को छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई द्वारा चुना गया था। इसके बाद से ही पुणे को भगवान गणेश का नगर कहा जाने लगा। पर्यटक यहां से शिवसृष्टी जाएंगे, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित भारत का सबसे बड़ा थीम पार्क है। यहां पर्यटक 3डी में शिवाजी के जीवन दर्शन और अन्य इंटरैक्टिव सेशंस का आनंद लेंगे। पुणे में रात्रि विश्राम के बाद पर्यटक यात्रा के तीसरे दिन पुणे से लगभग 95 किलोमीटर दूर स्थित शिवनेरी किले की यात्रा करेंगे, जो जुन्नार सिटी के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव का प्रतीक है। इसी दिन दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए पर्यटक पुणे लौटेंगे। 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट टूर' के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन यात्रा 09 जून 2025 को प्रस्थान करेगी। 5 रात और 6 दिन की इस यात्रा की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से होगी। अत्याधुनिक भारत गौरव एसी टूरिस्ट ट्रेन, स्लीपर, सेकेंड एसी और थर्ड एसी कोच के साथ कुल 748 पर्यटकों को समायोजित करने की क्षमता रखती है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दादर और ठाणे रेलवे स्टेशनों से भी सवार हो सकते हैं। इस विरासत यात्रा के टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन उपलब्ध है। चौथे दिन पर्यटक भारत गौरव ट्रेन के साथ सतारा के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रतापगढ़ किले का भ्रमण करेंगे। यह वही ऐतिहासिक किला है जहां 1659 में अफ़ज़ल खान और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच युद्ध हुआ था, जिसने मराठा साम्राज्य की नींव रखी। दिन में लंच के बाद ट्रेन अपने अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए रवाना होगी। पांचवें दिन की सुबह ट्रेन छत्रपति शाहू जी महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यहां होटल में नाश्ते और तैयारियों के बाद पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर (अंबाबाई) और फिर पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वत पर स्थित यह किला कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा है। यहीं शिवाजी महाराज 500 दिनों तक रुके और फिर सफलतापूर्वक निकल भागे थे। पन्हाला किला अपने सांप- जैसे आकार के कारण 'फोर्ट ऑफ स्नेक्स' भी कहलाता है। यह किला शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के जीवन से जुड़ा है। यह स्थल शिवाजी महाराज के कमांडर बाजी प्रभु देशपांडे की वीरता के लिए भी याद किया जाता है। यहां से देर शाम को ट्रेन मुंबई के लिए वापसी यात्रा पर निकलेगी और छठे दिन सुबह मुंबई पहुंचेगी। इस यात्रा का आयोजन भारतीय रेल के टूरिज्म एंड कैटरिंग कॉरपोरेशन द्वारा किया जा रहा है, जिसमें होटल में रात्रि विश्राम, शाकाहारी भोजन, बसों के जरिए दर्शनीय स्थल भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर एस्कॉर्ट आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

शिक्षक प्रशिक्षण में मानू पावरहाउस के रूप में उभरा

एनईपी संवेदीकरण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उच्च शिक्षा परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) ने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में असाधारण प्रदर्शन किया है, जिसने खुद को राज्य के अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है और प्रभावशाली राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जारी किए गए डेटा, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) कार्यक्रम के तहत कई प्रशिक्षण पहलों में मानू की उल्लेखनीय सफलता को दर्शाते हैं। तेलंगाना के भीतर, मानू चार प्रमुख प्रशिक्षण श्रेणियों में से तीन में अग्रणी बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय ने एनसीपी ओरिएंटेशन, फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (292 लाभार्थी) और शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम (283 लाभार्थी) में राज्य चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया। रिफ्रेशर कोर्स श्रेणी में, मानू ने 638 लाभार्थियों के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद के बाद राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया। व्यापक डेटा विश्लेषण से राष्ट्रीय स्तर पर मानू के लगातार प्रदर्शन का पता चलता है, जो सभी कार्यक्रमों में शीर्ष 15 में स्थान बनाए रखता है। फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में, विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि शॉर्ट टर्म प्रोग्राम में तेरहवां और रिफ्रेशर कोर्स में बारहवां स्थान हासिल किया। इन उपलब्धियों को विशेष रूप से उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि मानू ने कई श्रेणियों में कई प्रतिष्ठित संस्थानों को पीछे छोड़ दिया है। यह सफलता संस्थान के मजबूत बुनियादी ढांचे, समर्पित संकाय और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। ये उपलब्धियां एनईपी 2020 ढांचे के तहत शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षिक गुणवत्ता को मजबूत करने के राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप हैं। विश्वविद्यालय का प्रदर्शन न केवल राष्ट्रीय शिक्षा क्षेत्र में तेलंगाना की स्थिति को मजबूत करता है, बल्कि शिक्षक शिक्षा और व्यावसायिक विकास में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। एमएमटीटीसी-एमएएनयूयू की निदेशक प्रो. सनीम फातिमा ने कहा, ये संख्याएं उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण के लिए हमारे समर्पित दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। हमारा ध्यान शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर रहा है जो शैक्षणिक नवाचारों और एनईपी कार्यान्वयन चुनौतियों दोनों को संबोधित करता है।

पारिवारिक विवाद के चलते दो बच्चों की हत्या के बाद व्यक्ति ने की आत्महत्या

संगारेड्डी, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पत्नी के चले जाने से दुखी एक व्यक्ति ने अपने दो बच्चों को फांसी लगाकर मार डाला। बाद में, सोमवार की सुबह कोंडापुर मंडल के मलकापुर गांव में व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी पहचान पेशे से आरएमपी सुभाष (41) और उनके बच्चों की पहचान मारिन (13) और आराध्या (10) के रूप में हुई है। पुलिस ने घर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-03-2025-26

स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड/विशाखापट्टनम परिसर में CCTV निगरानी प्रणाली (Surveillance System) व्यवस्था की आपूर्ति, संस्थापन एवं शुरुआत।

निविदा मूल्य : ₹ 10,83,922/-, EMD : ₹ 21,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : तीन वर्ष।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 23.05.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), विशाखापट्टनम

PR-92/Q/25-26

बीड़ी से निकली चिंगारी से कमरे में लगी आग जिंदा जल गए वृद्ध दंपती

बिजनौर, 5 मई (एजेंसियां)। बिजनौर जनपद के बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम कुंजेटा में एक वृद्ध दंपती की आग की चपेट में आकर मौत हो गई।

हादसा वृद्ध के बीड़ी जलाने के दौरान निकली चिंगारी से होना माना जा रहा है। दंपती पक्षाघात रोग से ग्रस्त थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कस्बे के सीमावर्ती ग्राम कुंजेटा निवासी रूप सिंह कश्यप बढ़ापुर बस स्टैंड पर होटल संचालक है। उनके पिता महावीर सिंह करीब (80 वर्ष) व माता गोमती देवी (78 वर्ष) गांव में मकान की छत पर बने कमरे में रहते थे।

रूप सिंह के परिजन नीचे के मकान और दिन के समय ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में रहते हैं।

जगदगुरू परमहंस आचार्य की सुरक्षा में कटौती

> तपस्वी छावनी पर कब्जे की आशंका, हनुमानगढ़ी से मिला समर्थन

अयोध्या, 5 मई (एजेंसियां)। तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य की सुरक्षा में कटौती की गई है। इसके बाद तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर ने गंभीर आरोप लगाते हुए तपस्वी छावनी पर कब्जे की आशंका व्यक्त करते हुए हनुमानगढ़ी से मदद मांगी है। जिस पर हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत और निर्वाणी अनी अखाड़ा के महासचिव के नेतृत्व में उज्जैनिया पट्टी के महंत संत रामदास के आवास पर हनुमानगढ़ी के संतों ने बैठक कर एकमत से तपस्वी छावनी पर किसी भी तरीके के कब्जे का विरोध करते हुए जगदगुरु परमहंस आचार्य का सहयोग करने की घोषणा करते हुए हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की।

दरअसल तपस्वी छावनी मंदिर पर काफी लंबे समय से विवाद चल रहा है। मंदिर के महंत जगदगुरु परमहंस आचार्य के गुरु सर्वेश्वर दास के निधन के बाद भी मंदिर पर कब्जे का प्रयास किया गया था। इसके बाद हनुमानगढ़ी की तरफ से तपस्वी छावनी पर जगदगुरु परमहंस आचार्य को महंत नियुक्त किया गया था। हनुमानगढ़ी के संतों की ओर से अब परमहंस आचार्य का समर्थन करने की घोषणा की गई है। संतों ने कहा कि तन, मन और धन से संत समाज तपस्वी छावनी को बचाने का प्रयास करेगा। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य ने आरोप लगाया कि उनके मंदिर और उनकी सुरक्षा हटा ली गई है। मंदिर पर कब्जा करने को लेकर किसी व्यक्ति की ओर से पहले सूचित किया गया था।

जब हमने सूचना को सही नहीं माना तो फिर अचानक ही हमारे मंदिर और हमारी सुरक्षा हटा ली गई। इसके बाद यह स्पष्ट तो हो चुका है कि किसी भी समय एक संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति के इशारे पर हमारे मंदिर पर कब्जा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमको अपनी सुरक्षा और अपने स्थान की सुरक्षा को लेकर शंका उत्पन्न हुई है। हमारे गुरु और हमारी दोनों की महंती में अहम भूमिका हनुमानगढ़ी की थी। इसलिए हमने हनुमानगढ़ी को सूचना दी है और हनुमानगढ़ी ने हमारा सहयोग करने के लिए आश्वासन दिया है। निर्वाणी अनी अखाड़ा के महासचिव नंद रामदास ने कहा कि हम तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य के साथ पहले भी थे और आज भी हैं। यहां पर किसी स्थान को विवादित करना यहां के लोगों की आदत बन चुकी है। प्रशासन हमारे साथ है।

प्रशासन का काम है सबको न्याय दिलाना, उम्मीद है कि हमको न्याय मिलेगा। हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास के प्रधान शिष्य महेश दास ने कहा की परमहंस आचार्य की ओर से सूचना दी गई कि मंदिर में हमारी सुरक्षा हटाकर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। पहले भी ऐसा प्रयास हो चुका है। इसके बाद हम सभी पंचों ने एक मत से निर्णय लिया है। तपस्वी छावनी पर महंत को स्थापित करने में अहम भूमिका हनुमानगढ़ी की रही है। तपस्वी छावनी की गरिमा को बचाने के लिए हनुमानगढ़ी ने पूरी तरह से वहां पर संघर्ष किया है। आज भी हम तपस्वी छावनी के साथ खड़े हैं।

राहुल की नागरिकता मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

रिपोर्ट के अभाव में केस किया बंद; केंद्र बोला-संबंधित देश नहीं दे रहा जवाब

लखनऊ, 5 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बताने वाले केस को बंद कर दिया है। कोर्ट ने कहा- राहुल की नागरिकता की रिपोर्ट केंद्र सरकार पेश नहीं कर पाई। कोर्ट ने कहा-केवल रिपोर्ट के इंतजार में याचिका को लंबित नहीं रखा जा सकता। जब भी रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्राप्त होती है, तो याचिकाकर्ता को उसकी एक प्रति उपलब्ध कराएं और उसे कोर्ट में भी प्रस्तुत करें।

केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि यह मामला दो देशों के बीच की संवेदनशील जानकारी से जुड़ा है। संबंधित देश को कई रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए, कुछ और समय दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल इस याचिका की सुनवाई पूरी की जा रही है। याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता है कि वह नागरिकता से संबंधित किसी भी अन्य फोरम या कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। 21 अप्रैल को हुई सुनवाई में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सूर्यभान पांडेय ने केंद्र की ओर से स्थिति रिपोर्ट पेश की, लेकिन कोर्ट ने उसे अपर्याप्त मानते हुए सख्त टिप्पणी की- "यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है, देरी नहीं चलेगी।" कोर्ट ने केंद्र से पूछा, "राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं? 10 दिन में स्पष्ट कीजिए।" हैरानी की बात यह रही कि राहुल गांधी की ओर से कोई वकील अदालत में पेश नहीं हुआ।

याचिका में राहुल को ब्रिटिश नागरिक बताया गया था

कर्नाटक के रहने वाले विग्नेश शिशिर ने याचिका दायर कर दावा किया है कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन की एक कंपनी में डायरेक्टर रहते हुए खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया था।

याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि दोहरी नागरिकता रखने वाला व्यक्ति चुनाव लड़ने के योग्य नहीं है। विग्नेश शिशिर ने भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9(2) के तहत राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की थी।

नीतीश कुमार सरकार में किस जाति का वर्चस्व

जदयू विधायक ने बता दिया; बोले-यह ढीठ और थेथर प्रजाति

भागलपुर, 5 मई (एजेंसियां)। गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर विवादित बयान देकर सियासी माहौल गर्मा दिया है। बीते रविवार की रात नवगछिया के हंडिया पट्टी में किराना व्यवसायी विनय कुमार गुप्ता की हत्या के बाद मौके पर पहुंचे विधायक ने जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है।

बता दें कि रविवार की देर रात बाइक सवार दो अपराधियों ने किराना दुकानदार विनय कुमार गुप्ता को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक गोपाल मंडल मौके पर पहुंचे। वहीं, उन्होंने बयान देते हुए कहा कि नीतीश सरकार के शासनकाल में यादवों का वर्चस्व बढ़ गया है। ये लोग ढीठ और थेथर होते हैं, किसी की बात नहीं सुनते। स्टैंड से लेकर खेत-खलिहान तक इनका दबदबा है। उनके इस बयान से क्षेत्र में नाराजगी और तनाव का माहौल बन गया है। विधायक ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मैं नवगछिया में था, तो तीन साल तक कोई अपराध नहीं हुआ। अब हालात बिगड़ चुके हैं। बिहार में प्रशासन नाम की चीज नहीं रह गई है। अपराधी पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और पुलिस का कोई खौफ नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग समाज का निरीह हिस्सा है, जिन्हें प्रशासन से सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने पुलिस को सशक्त करने और इलाके में गश्ती बढ़ाने की मांग की।

नगर सभापति के प्रतिनिधि पर फायरिंग का आरोप

गोपाल मंडल ने नवगछिया नगर परिषद की सभापति के प्रतिनिधि डब्लू यादव पर फायरिंग करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव आने वाला है, ऐसे में और हत्याएं हो सकती हैं। पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने राजेंद्र कॉलोनी की घटना का हवाला देते हुए कहा कि डब्लू यादव इलाके में आतंक का पर्याय बन चुका है और चुनाव लड़ने की नीयत से ये सब करवा रहा है। व्यापारियों की सुरक्षा प्राथमिकता होः गोपाल मंडल विधायक ने कहा कि प्रशासन को व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। अगर गोपाल मंडल को हटा दिया गया, तो कोई सुरक्षित नहीं रहेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

गहनों के विवाद में सास-जेठानी पर हत्या का आरोप

रोहतास, 5 मई (एजेंसियां)। रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी विकास प्रजापति की 23 वर्षीय पत्नी शशिकला कुमारी के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतका के पिता संतोष कुमार प्रजापति ने बताया कि वर्ष 2021 में उन्होंने अपनी बेटी शशिकला की शादी विकास प्रजापति से की थी। शादी के एक वर्ष बाद से ही सास और जेठानी के साथ गहनों को लेकर विवाद होने लगा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमवार को इसी विवाद के चलते सास और जेठानी ने शशिकला की गला दबाकर हत्या कर दी।

योगी सरकार की बड़ी सफलता: राशन कार्ड वितरण में प्रयागराज ने मारी बाजी

लखनऊ, 5 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय राशन कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के सामान्य राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है।

खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, राशन कार्ड वितरण में प्रयागराज जिला सबसे आगे है। इस जिले में 9,34,677 सामान्य राशन कार्ड और 40,29,226 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर सीतापुर जिला है, जहां 7,74,576 राशन कार्ड और 31,60,253 लाभार्थी हैं। आगरा ने तीसरा स्थान हासिल किया है, यहां 7,38,939 राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 30,80,875 लाभार्थी जुड़े हैं। चौथे स्थान पर लखनऊ है, जहां 7,01,070 राशन कार्ड के जरिए 29,08,145 लाभार्थी जुड़े हैं, जबकि जौनपुर पांचवें स्थान पर है, जहां 6,91,216 राशन कार्ड और 30,56,416 लाभार्थी हैं। छठे स्थान पर गोरखपुर है, जहां 6,72,749 राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 26,79,692 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। सातवें स्थान पर आजमगढ़ है, जहां 6,70,679 राशन कार्ड और 30,86,602 लाभार्थी हैं। राशन कार्ड वितरण में बरेली ने आठवां स्थान हासिल किया है। यहां 6,70,677 राशन कार्ड के जरिए 29,19,581 लाभार्थियों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। वहीं, नौवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है। यहां 5,89,160 राशन कार्ड और 16,97,709 लाभार्थी हैं, जबकि 10वें स्थान पर लखीमपुर खीरी है, जहां 5,86,592 राशन कार्ड और 23,95,374 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े योगी सरकार की इस योजना की सफलता को दर्शाते हैं। अंत्योदय राशन कार्ड वितरण में भी कई जिले शीर्ष पर हैं। आंकड़े के अनुसार, गोरखपुर ने अत्यंत गरीबों को चिन्हित कर उनको राशन कार्ड जारी करने में बाजी मारी है। यहां 1,26,392 अंत्योदय राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 4,56,750 लाभार्थी जुड़े हैं। दूसरे स्थान पर सीतापुर है, जहां 1,11,714 अंत्योदय राशन कार्ड और 3,09,470 लाभार्थी हैं। लखीमपुर खीरी ने तीसरा स्थान हासिल किया है, जहां 1,09,395 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,95,862 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। चौथे स्थान पर आजमगढ़ है। यहां 1,05,782 अंत्योदय राशन कार्ड के जरिए 41,4,541 लाभार्थियों को राशन का लाभ मिल रहा है।

शादी से पहले हार्ट अटैक से दुल्हन की मौत

रात में अचानक बिगड़ी तबीयत और थम गई सांसें

बदायूं, 5 मई (एजेंसियां)। बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर पिनौनी में शादी से चंद घंटे पहले दुल्हन की मौत हो गई। सोमवार को मुरादाबाद से बरात आनी थी, लेकिन रविवार की रात अचानक दुल्हन की तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही पलों में उसकी सांसें थम गईं। हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई गई है। इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। लड़का पक्ष को सूचना मिली तो वहां भी मातम छा गया। नूरपुर पिनौनी निवासी दिनेश पाल सिंह की 20 वर्षीय बेटी दीक्षा की शादी मुरादाबाद में तय हुई थी। सोमवार को उसकी बरात गांव में ही आनी थी। इसको लेकर तैयारियां चल रही थीं। रविवार को मेंहदी की रस्म थी। परिवार के सभी सदस्यों ने दुल्हन के साथ डांस किया। परिजनों ने बताया कि रात को करीब डेढ़ बजे दीक्षा के पेट में दर्द उठा और वह टॉयलेट गई। वहां उसकी हालत ज्यादा खराब हो गई। घरवालों ने बताया कि टॉयलेट में ही उसकी बहुत तेजी से सांसें चल रही थीं। लड़की की मां सरोज ने उसे संभाला, तब तक उसकी गर्दन अकड़ गई। आनन फानन गांव के ही चिकित्सक को बुलाया, लेकिन दीक्षा की सांस थम गई। दुल्हन की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

तेजस्वी यादव अभी से महागठबंधन सरकार बना रहे

> तेज प्रताप ने पटना डीएम भी चुन लिया

हाजीपुर, 5 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की राह पर उनके बेटे भी चल रहे हैं। बिहार चुनाव में अभी छह महीने की देर है, लेकिन लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव अभी से महागठबंधन सरकार की तैयारी कर रहे हैं। बड़े बेटे तेज प्रताप यादव तो इस बात को लेकर इतने आश्वस्त हैं कि उन्होंने अपनी उस सरकार में पटना के जिलाधिकारी का नाम भी फाइनल कर लिया है।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव वैशाली जिला मुख्यालय हाजीपुर आए थे। वह यूपीएससी में 141 में रैंक लाने वाले बिदुपुर प्रखंड निवासी प्रिंस राज के सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए तो इसी दौरान लोगों को संबोधित भी किया। तेज प्रताप यादव ने प्रिंस राज को कहा कि अभी तो आप ट्रेनिंग में जाइएगा, तब तक हम बिहार में सरकार बनाने का काम करेंगे। फिर आपको पटना का डीएम हम बनवाएंगे। तेज प्रताप यादव यहीं नहीं रुके। तेज प्रताप यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की जीत असल में अभी हुई है। तेज प्रताप ने कहा- पहले हम लोगों के बाप-दादाओं के साथ जिस तरीके का व्यवहार होता था, भली-भांति सब लोग जानते हैं। हमलोग मेहनत कर चाहे जिस लाइन में जाएं, दूसरे राज्य के लोग हमें हीन भावना से देखने का काम करते हैं। बिहार में वह बात है जो प्रिंस राज ने यह साबित कर दिया। किस तरीके से इन्होंने इसकी तैयारी की, इसके लिए मेहनत किया और हर तरीके की परेशानियों का सामना कर यहां तक पहुंचे हैं। मेरी और संगठन की तरफ से इनको बहुत-बहुत बधाई। यह कार्यक्रम हाजीपुर के गांधी आश्रम स्थित एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित किया गया था। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव के सामने मंच पर प्रिंस राज और उनके माता-पिता भी मौजूद थे। तेज प्रताप यादव ने प्रिंस राज के साथ उनके माता-पिता को भी पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

जिंदा जलीं पति-पत्नी और 3 बेटियां

मां से चिपका मिला बेटी का शव, 4 मंजिला बिल्डिंग में लगी थी आग

कानपुर, 5 मई (एजेंसियां)। कानपुर में रविवार रात 8 बजे एक 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में एक परिवार के 5 लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में पति-पत्नी और उनकी 3 बेटियां हैं। बिल्डिंग के बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर जूता-चप्पल बनाने का कारखाना था। ऊपर के 4 फ्लोर में दो भाइयों का परिवार रहता था। आग की शुरुआत ग्राउंड फ्लोर पर कारखाने से हुई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई।

घर में रखे सिलेंडर, केमिकल और एसी फटने लगे। आग ने 10 से 15 मिनट में पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। मामला चमनगंज थाना क्षेत्र के प्रेम नगर का है। हादसे में कारोबारी मो. दानिश (45), उनकी पत्नी नाजमी सबा (42), बेटी सारा (15), सिमरा (12), इनाया (7) की जलकर मौत हो गई। दानिश और उनके परिवार का शव जिस हालत में अंदर मिला है, उसे देखकर फायर कर्मी तक रोने लगे। घर के अंदर गए अफसर ने बताया कि एक बेटी का शव मां से लिपटा हुआ मिला। ऐसा लगता है कि मां ने बेटियों को बचाने के लिए खूब कोशिश की। आग लगने के बाद दानिश अपने बुजुर्ग पिता को लेकर बाहर आ गए थे। वह पत्नी और बेटी को लेने वापस अंदर गए, लेकिन आग से बाहर नहीं आ पाए।

पहलगाम आतंकी हमले पर अफजाल अंसारी ने कहा, 'बातें नहीं, सख्त कार्रवाई होनी चाहिए'

गाजीपुर, 5 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले पर गाजीपुर से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अफजाल अंसारी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि 15 दिन होने को आए, सिर्फ कार्रवाई की बातें हो रही हैं। अब बातों से काम नहीं चलेगा।

अब एक्शन लेना ही पड़ेगा। पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया जाए। सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान सपा सांसद ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर जवाब दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत में पीएम मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार है और यह बात पाकिस्तान को भी पता है, मैं देश को आश्वस्त करता हूं कि वह (प्रधानमंत्री) जैसा चाहेंगे, दुश्मनों को वैसा जवाब मिलेगा। सपा सांसद ने कहा कि मैं रक्षा मंत्री से नहीं कह सकता हूं कि उन्हें यह बयान देने की क्या जरूरत थी। अगर किसी का बयान इस मामले पर आना चाहिए था, वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का था। पहलगाम में मासूम पर्यटकों की आतंकियों ने हत्या की। इसकी जवाबदेही तो गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए थी। आतंकी इतनी बड़ी साजिश पहलगाम में रच रहे हैं, ऐसी जानकारी खुफिया विभाग को क्यों नहीं थी। सपा सांसद ने आगे कहा कि आतंकी इस घटना को अंजाम देकर चले जाते हैं, अगर वहां सुरक्षा होती तो क्या आतंकी बचकर जा पाते। क्या पहलगाम में आतंकियों को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया।

पहलगाम में 2,000 से अधिक पर्यटक थे, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं थी। इस घटना में अपने पति को खोने वाली एक पीड़िता ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे हमारी सेना और हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने हमें वहां बेसहारा छोड़ दिया।

समस्तीपुर में डॉक्टर समेत 2 लोग गिरफ्तार

नीट एग्जाम में बिठाया था स्कॉलर, 2.50 से 5 लाख में हुई थी डील; कई स्टूडेंट्स के एडमिट कार्ड मिले

समस्तीपुर, 5 मई (एजेंसियां)। समस्तीपुर में नीट परीक्षा में स्कॉलर बैठाने के मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य के आधार पर बेगूसराय जेल में पोस्टेड डॉक्टर रंजीत कुमार समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। 3 मोबाइल, 1 कार और 50 हजार कैश बरामद हुआ है। इसके अलावा कई छात्रों के एडमिट कार्ड भी मिले हैं। एग्जाम में ओरिजनल कैंडिडेट्स की जगह स्कॉलर बैठाया था। इसके लिए 2.50 से 5 लाख तक में डील हुई थी।

एएसपी संजय पांडे ने बताया कि पुलिस को इनपुट मिला था। जिसके बाद गिरोह की तलाश शुरू की। मोहनपुर पुल स्थित एग्जाम सेंटर के पास 2 लोग बैठे हुए थे। शक होने पर पूछताछ की। फिर उनके मोबाइल को खंगाला तो कई छात्रों के एडमिट कार्ड मिले। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान बेगूसराय जेल में पदस्थापित डॉ. रंजीत कुमार और दरभंगा लहेरिया सराय काली मंदिर निवासी रामबाबू मलिक के तौर पर हुई है।

जांच के लिए टीम का गठन

एएसपी संजय पांडे ने आगे बताया कि समस्तीपुर में इस गिरोह द्वारा किन-किन परीक्षा केंद्रों पर स्कॉलर को बैठाया गया है। इसकी जांच की जा रही है। डॉक्टर के पास से बरामद मोबाइल में जो एडमिट कार्ड मिला है। उसे उक्त सेंटर पर जो परीक्षार्थी बैठे हैं, उन सभी का मिलान किया जा रहा है। इसके तार पटना से भी जुड़े हैं। जांच के लिए एक टीम बनाई गई है।

बरेली में चार गांवों की जमीन का होगा अधिग्रहण

बिना अनुमति खरीद-बिक्री पर लगी रोक

बरेली, 5 मई (एजेंसियां)। बरेली में वायुसेना स्टेशन के विस्तारीकरण की प्रक्रिया में चार गांवों की चिन्हित 93.798 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की कवायद में अब जिला प्रशासन ने संबंधित भूमि की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी है। भू-स्वामी को जमीन का सौदा करना है तो तहसील से एनओसी लेनी होगी।

भारत-चीन सीमा के बेहद करीब स्थित बरेली के त्रिशूल एयरबेस के विस्तार पर रक्षा मंत्रालय की सहमति के बाद जिला प्रशासन, रक्षा संपदा कार्यालय और वायुसेना स्टेशन के अफसर सक्रिय हैं।

पूर्व में हाजीपुर ब्रजलाल, नगरिया कला और भूड़ा के निवासियों की जमीन का अधिग्रहण प्रस्तावित था, लेकिन भारत सरकार के जारी गजट में त्रिशूल एयरबेस की बाउंड्री के सौ मीटर के दायरे में निर्माण, पेड़ आदि लगाना भी प्रतिबंधित कर दिया। कंजादासपुर क्षेत्र जो शहर के बीच है, वहां भी 18.435 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई। यहां भी वायुसेना स्टेशन का विस्तार होना है। लेकिन अधिग्रहण में देरी से चारों गांवों के भू-स्वामी और वायुसेना स्टेशन के सौ मीटर के दायरे में आने वाले निवासी परिस्थिति का हवाला देकर भूमि के क्रय-विक्रय के संबंध में पत्राचार कर रहे हैं। ऐसी स्थिति देखते हुए अब तहसील सदर की एनओसी पर ही विक्रय की सहमति दी गई।

जल्द करें अधिग्रहण या समस्या का हो समाधान

ग्रामीणों ने विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी के कार्यालय में पत्र भेजकर अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की थी। ग्रामीणों का कहना है कि वे छोटी जोत के किसान हैं। कई बार भूमि के क्रय-विक्रय की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में जल्द भूमि अधिग्रहण हो या वायुसेना अफसरों से समस्या का समाधान कराएं। मामले में रक्षा संपदा कार्यालय से अधिग्रहण संबंधी अब तक की कार्रवाई की जानकारी मांगी गई है।

रक्षा मंत्रालय से सैद्धांतिक अनुमति लेने का सुझाव

पिछले माह रक्षा संपदा कार्यालय द्वारा वायुसेना के अफसरों को पत्र भेजकर भूमि अधिग्रहण के लिए रक्षा मंत्रालय से सैद्धांतिक अनुमति लेने का सुझाव दिया है। सदर तहसीलदार भानु प्रताप सिंह के मुताबिक पूर्व में चिन्हित भूमि की रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। अगर भू-स्वामी को भूमि का क्रय-विक्रय करना है तो नियमानुसार तहसील से एनओसी लेनी होगी। एयरफोर्स स्टेशन की चहारदीवारी से सौ मीटर दायरे में निर्माण आदि कार्य प्रतिबंधित हैं।

किसान नेता घर में नजरबंद : छह मई को शंभू थाने का करना था घेराव

> मान की चेतावनी-लोगों को परेशानी स्वीकार नहीं

फरीदकोट/लुधियाना, 5 मई (एजेंसियां)। फरीदकोट में जिला पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धपुर के प्रांतीय अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल को सोमवार सुबह उनके घर में ही नजरबंद कर दिया। यह कदम संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक द्वारा छह मई को शंभू थाने के घेराव की योजना के मद्देनजर उठाया गया।

शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान मोर्चा समाप्त करवाने के दौरान किसानों की ट्रालियां और अन्य सामान चोरी हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज किया, लेकिन अधिकतर किसानों को अभी तक उनका सामान वापस नहीं मिला है। इसी मुद्दे पर किसान मोर्चा ने थाने का घेराव करने की घोषणा की थी। एसपी मनविंदर बीर सिंह और डीएसपी त्रिलोचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने डल्लेवाल के घर पहुंचकर उन्हें नजरबंद किया। डल्लेवाला ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की आवाज दबा रही है। उन्होंने बताया कि मोर्चा ने सिर्फ एक दिन के घेराव की योजना बनाई थी। किसान नेता ने कहा कि सरकार किसानों को उनका हक मांगने से रोक रही है। उन्होंने सभी न्यायप्रिय लोगों से सरकार की इस कार्रवाई के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

सीएम मान की चेतावनी

सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में ऐसी कोई भी घोषणा, विरोध या हड़ताल जिससे सड़कें या रेलें अवरुद्ध हों या आम लोगों को परेशान किया जाए और उनकी दैनिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो, उसे जनता के विरुद्ध माना जाएगा। सभी संस्थाओं, संगठनों और यूनियनों को ध्यान देना चाहिए।

विरोध करने के और भी तरीके हैं, सिर्फ लोगों को परेशान करना सही नहीं है। ऐसे करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। पंजाब के मेहनतकश लोगों के हित में जारी। इसे किसानों के छह मई को प्रदर्शन के एलान से जोड़कर देखा जा रहा है।

किसान मजदूर यूनियन के प्रधान दिलबाग सिंह नजरबंद

लुधियाना पुलिस नेसुबह किसान मजदूर यूनियन के प्रधान दिलबाग सिंह को जीवनपुर स्थित उनके निवास पर ही नजरबंद कर दिया है। इस दौरान दिलबाग सिंह को न तो घर से बाहर जाने की इजाजत है और न ही उनसे कोई मुलाकात नहीं कर सकता। उनके घर के बाहर पुलिस ने सुरक्षा घेरा बना लिया है। यह जानकारी दिलबाग सिंह ने सोशल मीडिया पर सांझा की। दिलबाग सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान मोर्चा को जबरन हटा दिया। इस दौरान उनकी ट्रॉलियों आदि में रखा लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। दिलबाग सिंह ने कहा कि किसान मजदूर मोर्चा (भारत) और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने 6 मई को शंभू पुलिस स्टेशन के बाहर 'जबरदस्ती विरोधी धरना' देने की घोषणा की है। दिलबाग का आरोप है कि हाल ही में हुए किसान आंदोलन के दौरान सरकार ने जबरन विरोध स्थलों को हटा दिया, नेताओं को विश्वासघात करके हिरासत में लिया। इस धरने को लेकर पुलिस ने किसान नेताओं पर सख्ती शुरू कर दी है।

पंजाब में 25 किसान नेताओं पर पुलिस का एक्शन

पंजाब पुलिस ने करीब 25 किसान नेताओं के खिलाफ बड़ा एक्शन किया है। इनमें से कइयों को घरों में ही नजरबंद कर लिया है, वहीं कुछ को हिरासत में भी लिया गया है। मंगलवार को पटियाला के थाना शंभू का घेराव करके किसानों की ओर से धरना देने के ऐलान से एक दिन पहले किए इस एक्शन को लेकर जत्थेबंदियों में खासा रोष है।

मंदिर भगदड़ मामले में बड़ी चूक आई सामने

कहने के बावजूद नहीं लगाए गए सीसीटीवी कैमरे और बैरिकेड्स

पणजी, 5 मई (एजेंसियां)। गोवा के श्री लइराई मंदिर में हुई भगदड़ के मामले में बड़ी चूक सामने आई है। दरअसल पुलिस द्वारा निर्देश दिए जाने के बावजूद मंदिर समिति ने लइराई जात्रा से पहले सीसीटीवी कैमरे और बैरिकेड्स नहीं लगाए गए। वहीं मंदिर समिति के लोगों का कहना है कि पुलिस ने जात्रा से कुछ दिन पहले ही ये निर्देश दिए थे और इतने कम समय में सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करना संभव नहीं था। उल्लेखनीय है कि मंदिर में हुई भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस, जिला प्रशासन और श्री लइराई मंदिर समिति के अधिकारियों के बीच 30 अप्रैल को बैठक हुई थी। इस बैठक में मंदिर समिति की वार्षिक जात्रा को लेकर तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही पुलिस ने मंदिर समिति को परिसर में एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और भारी भीड़ को देखते हुए पर्याप्त बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया था।

हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद दौरे पर ममता

शांति-स्थिरता लौटी, राष्ट्रपति शासन पर कही बडी बात

कोलकाता, 5 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हुईं। इससे पहले उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में अब शांति और स्थिरता लौट आई है। इसलिए मैं अब वहां जा रही हूं। इसके अलावा हिंसा को लेकर राज्यपाल सीवी आनंद बोस की रिपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे उनकी रिपोर्ट की कोई जानकारी नहीं है। न ही मुझे राज्य में राष्ट्रपति शासन को लेकर कुछ भी पता है।

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं मुर्शिदाबाद पहले भी जा सकती थी, लेकिन अगर वहां शांति और स्थिरता नहीं है, तो हमें वहां जाकर अशांति नहीं फैलानी चाहिए। मुर्शिदाबाद में स्थिरता बहुत पहले ही लौट आई है। आज मैं वहां जा रही हूं। उन्होंने कहा कि मुझे राज्यपाल सीवी आनंद बोस की ओर से गृह मंत्रालय को दी गई रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। राज्यपाल का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। हम ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करें। सीएम ने कहा कि मैं पहले बरहामपुर में जिला समीक्षा बैठक करूंगी।

कल हिंसा प्रभावित धुलियान का दौरा करूंगी और उन लोगों को मुआवजा दूंगी जिनके घर और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। ममता बनर्जी ने कहा कि हमारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पहलगाम आतंकी हमले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर केंद्र सरकार के साथ खड़ी है। आंतरिक और बाह्य सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर सरकार के साथ है। हम यहां फूट डालो और राज करो की नीति नहीं अपना रहे हैं। पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा हिरासत में लिए गए बीएसएफ जवान को लेकर उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है। हमारी पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी उनके परिवार के संपर्क में हैं। सरकार भी संपर्क में है और हम चाहते हैं कि उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जाए। दीघा जगन्नाथ मंदिर विवाद पर पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा कि हम पुरी के मंदिर का सम्मान करते हैं और हम जगन्नाथ धाम का भी सम्मान करते हैं। काली मंदिर और गुरुद्वारे देश भर में हर जगह हैं। मंदिर सभी जगहों पर हैं... इस मुद्दे पर इतना गुस्सा क्यों है?

राज्यपाल ने गृह मंत्रालय को सौंपी थी रिपोर्ट

हाल ही में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में हाल में हुए दंगों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में उन्होंने कहा था कि राज्य में कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी चुनौती पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट में राज्यपाल ने सुझाव दिया कि बांग्लादेश सीमा से सटे जिलों में केंद्रीय बलों की चौकियां बनाई जाएं। एक जांच आयोग गठित किया जाए, पूरे घटनाक्रम की जांच करे। उन्होंने यह भी लिखा कि यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के प्रावधान भी बने रहेंगे।

दीघा मंदिर विवाद-पुरी जगन्नाथ मंदिर के सेवादार से पूछताछ

डेढ़ घंटे सवाल-जवाब हुए; नवकलेवर की बची लकड़ी देने का आरोप

भुवनेश्वर, 5 मई (एजेंसियां)। पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने दीघा मंदिर मामले में सेवादार रामकृष्ण दासमोहपात्रा से पूछताछ की। उन पर पुरी मंदिर के नवकलेवर अनुष्ठान में बची लकड़ी दीघा मंदिर की मूर्तियां बनाने के लिए देने का आरोप है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक और आईएएस अधिकारी अरबिंद पाधी ने उन्हें तलब किया था। पूछताछ करीब 90 मिनट तक चली। दासमोहपात्रा से पूछा गया कि क्या उन्होंने दैतापति निजोग के सचिव के रूप में पुरी मंदिर से लकड़ी लेकर दीघा मंदिर की मूर्तियां बनवाईं।

साथ ही पुरी मंदिर में लकड़ियां रखने के स्टोर रूम 'दारु गृह' की चाबियों और दीघा मंदिर की मूर्तियों में 'ब्रह्म पदार्थ' स्थापित करने को लेकर भी सवाल हुए। 'ब्रह्म पदार्थ' को भगवान जगन्नाथ की आत्मा माना जाता है। इसे नवकलेवर अनुष्ठान के दौरान पुरानी मूर्ति से नई मूर्ति में स्थापित किया जाता है।

कानून मंत्री ने एसजेटीए से जांच के लिए कहा था

एक अधिकारी ने बताया कि एसजेटीए ने सभी सेवक संघों को नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर उनकी राय मांगी है। दीघा मंदिर में स्थापित मूर्तियां बनाने के लिए दारू गृह से लकड़ी चोरी को लेकर पुलिस में दो शिकायतें भी दर्ज की गई हैं। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया था कि पुरी जगन्नाथ मंदिर के सेवादार दीघा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। साथ ही उन्होंने दीघा मंदिर में स्थापित होने वाली मूर्तियां बनाने के लिए पुरी मंदिर की 2015 के नवकलेवर से बची नीम की लकड़ी दी। नवकलेवर हर 12 या 19 साल में होने वाला अनुष्ठान है।

'राफेल' पर अजय राय का बयान, शर्मनाक और पूरी तरह अनुचित : तरुण चुघ

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि आतंक और आतंकवादियों को पनाह देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता अजय राय की राफेल को लेकर की गई टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया है।

सोमवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान तरुण चुघ ने यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय के 'राफेल' पर दिए बयान पर कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से भारत के बहादुर सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र चला रही है। जिन हथियारों की हमारे सैनिक पूजा करते हैं और हमारे देश की रक्षा के लिए उपयोग करते हैं, उन्हीं हथियारों का कांग्रेस पार्टी मजाक उड़ा रही है और पाकिस्तान की सहायता करने का अपराध कर रही है। उनके कृत्य निंदनीय, शर्मनाक, अश्लील, मूर्खतापूर्ण और पूरी तरह अनुचित हैं और वे राष्ट्र विरोधी हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि राफेल पर नींबू-मिर्च मैंने नहीं बांधा है। सभी को ध्यान होगा कि जब राफेल भारत आया था, उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर नींबू-मिर्च बांधा था। "राफेल पर नींबू-मिर्च सरकार ने बांधा है, मैं बस याद दिला रहा हूं कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगे और राफेल अपना काम कब करेगा।

देश की जनता यह जानना चाहती है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए, उनका परिवार आज जानना चाहता है कि राफेल नींबू-मिर्च के लिए आया है या फिर अपना काम करने के लिए। दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून की सुनवाई पर कहा कि वक्फ अधिनियम वर्षों से भूमि जिहाद के लिए कानूनी ढाल बन गया था। मोदी सरकार ने अब न्याय की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठाया है। अब से वक्फ का पैसा गरीबों, असहायों, विधवाओं, बहनों, अनाथों और वंचित बच्चों के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। पिछड़े, बेसहारा मुस्लिम वक्फ की कमेटियों में जाएंगे। वक्फ भू-माफियों ने करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा किया था।

इसे कांग्रेस का समर्थन मिला। अब कानून हिसाब करेगा। भारत अब तुष्टिकरण की राजनीति से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 1984 के सिख दंगों पर दिए बयान पर तरुण चुघ ने कहा कि सच्चाई यह है कि 40 साल तक कांग्रेस और गांधी परिवार ने सिख विरोधी दंगों के दोषियों को पनाह दी। 1984 में जिस तरह देश के 52 शहरों में सिखों को जलाया गया, सिखों को उनके घरों से निकाला गया, कांग्रेस नेताओं ने यह जानबूझ कर किया।

मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि अगर उनमें शर्म होती तो वे जगदीश टाइटलर, कमल नाथ, सैम पित्रोदा, सज्जन कुमार के खिलाफ कार्रवाई करते। उनका बयान सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

'यहीं काट दूंगा', मसूरी में कश्मीरी व्यापारियों की पिटाई

पीड़ित बोले-आतंकी की सजा हमें क्यों

मसूरी, 5 मई (एजेंसियां)। मसूरी की मॉल रोड। कश्मीर के कुपवाड़ा के रहने वाले इकबाल अहमद यहां पिछले 20 साल से कश्मीरी शॉल और गर्म कपड़े बेच रहे थे। मसूरी में उनके शॉल और गर्म कपड़ों को ढेरों पसंद करने वाले भी हैं, लेकिन 24 अप्रैल को उन्हें अचानक मसूरी छोड़कर जाना पड़ा। इकबाल जैसे ही करीब 16 और कश्मीरी व्यापारियों को मसूरी छोड़ना पड़ा। वजह है 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला।

इस घटना के बाद इकबाल और यहां रह रहे बाकी कश्मीरी व्यापारियों के लिए सब कुछ बदल गया।

हमले के अगले दिन यानी 23 अप्रैल को जब इकबाल रोज की तरह सामान लेकर दुकान लगाने पहुंचे तो कुछ युवकों के ग्रुप ने उन्हें दुकान हटाने के लिए धमकाया और आगे भी यहां दुकान न लगाने की धमकी दी। वे रोजी-रोटी के वास्ते शाम तक दुकान लगाए रहे। उन्हें लगा था कि मामला शांत हो जाएगा, तो सब पहले की तरह हो जाएगा। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। शाम को युवकों का ग्रुप दोबारा आया। वो गाली-गलौज और मारपीट करने लगे।

वे दुकान न हटाने पर जान से मारने की धमकी देने लगे और कहा- अगर आगे दिखा तो यहीं काट दूंगा। इकबाल का कसूर सिर्फ इतना था कि वो कश्मीर से हैं और मुसलमान हैं। वे कहते हैं- हम अपने देश में भी अनसेफ हैं। 29 अप्रैल को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और केस पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने धमकी देने वाले युवकों को अरेस्ट किया, लेकिन फाइन लगाकर छोड़ दिया। पुलिस इसे गंभीर मामला नहीं मान रही। लिहाजा उसने एफआईआर तक दर्ज नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स में पेंडिंग केसों की जानकारी मांगी

वक्त पर न्याय मिले, इसके लिए गाइडलाइन बनाना हमारा मकसद

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केसों की सुनवाई में होने वाली इस तरह की देरी बेहद परेशान करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर के सभी हाईकोर्ट्स से पेंडिंग केसों की जानकारी मांगी। कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट उन केसों की रिपोर्ट जमा करें, जिनमें 31 जनवरी 2025 से पहले फैसला सुरक्षित रखा गया, लेकिन आज तक सुनाया नहीं गया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने कहा- केसों की सुनवाई में होने वाली इस तरह की देरी बेहद परेशान करने वाली है।

वक्त पर न्याय मिले। इसके लिए हमें कुछ जरूरी दिशा-निर्देश तय करने होंगे। ऐसा चलता नहीं रह सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें चार दोषियों ने शिकायत की थी कि उनकी आपराधिक अपीलों पर झारखंड हाईकोर्ट ने 2022 में फैसला सुरक्षित किया था, लेकिन अब तक फाइनल सुनवाई नहीं हुई। याचिकाकर्ताओं के वकील फौजिया शकील ने बताया- वर्तमान केस में सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने कई मामलों में सुनवाई पूरी की है। हालांकि याचिकाकर्ताओं की अपील पर अब भी फैसला आना बाकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा- नोटिस जारी होने के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने एक हफ्ते में 75 आपराधिक मामलों पर सुनवाई पूरी की। इसके बाद बेंच ने झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि उन 75 अपीलों की लिस्ट प्रस्तुत करें जिन पर हाल ही में निर्णय हुआ है। यह भी बताएं कि इन मामलों में फैसला कब सुरक्षित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट हत्या और रेप के एक मामले में सुनवाई कर रहा था, जिसमें चार मुख्य में से तीन पर हत्या और एक पर रेप का आरोप है। आरोपी अनुसूचित जनजाति और ओबीसी से आते हैं। इन्होंने 2022 में अपनी सजा के खिलाफ आपराधिक अपीलें झारखंड हाईकोर्ट में दायर की थीं।

पाकिस्तान से भारत घूमने आई महिला हो गई थी गुम

पुलिस ने 40 साल बाद मस्जिद के पीछे से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चंदननगर में एक पाकिस्तानी नागिरिक फातिमा बीबी करीब 45 साल से भारत में रह रही थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। 60 साल की महिला 1980 से अपने पति और बच्चों के साथ चंदननगर के कुथिर मठ क्षेत्र के पास एक मस्जिद के पीछे स्थित दो मंजिला आवास में रह रही हैं। फातिमा 1980 में पाकिस्तान के रावलपिंडी से अपने पिता के साथ टूरिस्ट वीजा पर भारत आई थी। 1982 में उसने भारतीय बेकरी मालिक मुजफ्फर मलिक से शादी की और उनकी दो बेटियां हैं। इनकी शादी हो चुकी है। यह गिरफ्तारी कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्टों पर हुए आतंकी हमलों के बाद हुई है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को अपने देश वापस लौटने को कहा है।

'भारत की आजादी का आनंद लेते हुए पाकिस्तान की पैरवी करना आदर्शवाद नहीं' सीएम सरमा की दो टूक

गुवाहाटी, 5 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भारत में बैठकर पाकिस्तान की पैरवी करने वालों जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी का आनंद लेते हुए पाकिस्तान की पैरवी करना आदर्शवाद नहीं है। पड़ोसी देश में भारत की पैरवी बर्दाश्त नहीं की जाती, हमारे यहां फिर भी इसे बर्दाश्त किया जाता है, उस पर बहस की जाती है।

असम के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत में जो लोग जमीनी हकीकत को समझे बिना अमन की आशा का उपदेश देते रहते हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए- पाकिस्तान में भारत के साथ शांति की बात करना अपराध माना जाता है। भारत में पाकिस्तान के साथ शांति की बात करना बर्दाश्त किया जाता है। इस पर बहस होती है, यहां तक कि मुख्यधारा के मंचों पर इसे बढ़ावा भी दिया जाता है। भारत की आजादी का आनंद लेते हुए पाकिस्तान के बारे में प्यार भरी बातें करना आदर्शवाद नहीं है। यह अज्ञानता है। यह पाखंड है और अपनी मातृभूमि के साथ विश्वासघात है।' सीएम सरमा ने पाकिस्तान का नापाक चेहर भी उजागर किया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान भारत समर्थक लोगों के साथ कैसा बर्ताव करता है। उनकी आवाज को कैसे दबाता है। उनके खिलाफ कैसे-कैसे षडयंत्र रचता है। भारत समर्थक भावना वाले हर पोस्ट, ट्वीट या लेख पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों खास तौर पर आईएसआई की नजर होती है।

सेंसरशिप और टेकडाउन

पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) सक्रिय रूप से भारत की पैरवी वाली सामग्री को ब्लॉक या हटा देता है। शांति या संवाद को बढ़ावा देने वाले हैशटैग भी बिना किसी स्पष्टीकरण के मिटा दिए जाते हैं।

कानूनी धमकी

पाकिस्तान के कठोर साइबर अपराध कानून (पीईसीए) के तहत भारत समर्थक किसी भी चीज को व्यक्त करने के लिए लोगों को गिरफ्तार किया जाता है। देश विरोधी और दुश्मन का महिमामंडन जैसे अस्पष्ट आरोपों का इस्तेमाल तर्क की आवाजों को चुप कराने के लिए किया जाता है।

नागरिकों को खुफिया एजेंसियों की ओर से उठाया जाता है। प्रताड़ित किया जाता है। बिना किसी सुनवाई के जेल में डाल दिया जाता है। अक्सर किसी कविता, शांति अपील या संतुलित लेख जैसी हानिरहित चीज के लिए भी यातनाएं दी जाती हैं। दर्जनों लोग खास तौर पर बलूच, पश्तून और सिंधी कार्यकर्ता भारत के लिए समर्थन व्यक्त करने या पाकिस्तान की सैन्य ताकतों को चुनौती देने के लिए बिना किसी सुराग के गायब हो गए।

मंदिर की पवित्रता भंग करने पर बवाल; भाजपा ने नरम रुख के लिए सुप्रिया सुले को जमकर सुनाया

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। पुणे में एक मंदिर की पवित्रता भंग करने पर जिले में बवाल चरम पर है। वहीं इस मामले में सियासत भी तेज है। इधर, भाजपा ने नरम रुख के लिए एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले पर जमकर निशाना साधा है। मामले में पुलिस ने पहले कहा था कि पौड़ गांव में मूर्ति का अपमान करने के आरोप में 44 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उसके 16 वर्षीय बेटे को हिरासत में लिया गया है।

वहीं रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में, एनसीपी (एसपी) नेता और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने सरकार से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'पौड़ गांव में अन्नपूर्णा देवी मंदिर में एक युवक ने अनुचित कृत्य किया है। यह घटना बेहद घृणित और क्रोध पैदा करने वाली है। कोई भी संवेदनशील व्यक्ति इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकता।' बारामती लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली सुप्रिया सुले ने कहा, 'मैं सरकार से उसके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करती हूं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा या माफ नहीं किया जाना चाहिए।' वहीं मावल से शिवसेना सांसद श्रीरंग बारणे ने भी इस अपवित्रीकरण को हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर किया गया कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, 'हम अपने धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।' 'यह सिर्फ एक अस्थिर व्यक्ति का कृत्य नहीं है, बल्कि भड़काने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। मुलशी तालुका में बंद का आह्वान किया गया है, और इसे हिंदू समुदाय से समर्थन मिला है। हम दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग करते हैं'।

असम विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर पर उत्पीड़न का आरोप, छात्रों ने दर्ज कराई शिकायत

गुवाहाटी, 5 मई (एजेंसियां)। असम विश्वविद्यालय एक नए विवाद के केंद्र में आ गया है। सोशल वर्क विभाग के छात्रों ने एक सहायक प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न और अधिकारों के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाते हुए औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत असम विश्वविद्यालय पुलिस चौकी में दर्ज की गई है, जिसमें अजीत कुमार जेना का नाम लेते हुए उनके खिलाफ आपराधिक धमकी, मानहानि और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। असम यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के उपाध्यक्ष उत्सव सिंह ने अमर उजाला को बताया कि छात्रों द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, प्रोफेसर जेना ने शैक्षणिक बैठकों के दौरान अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छात्रों और संकाय सदस्यों के खिलाफ धमकियां दीं, परिणामों को प्रभावित किया और यौन रूप से आपत्तिजनक तथा मानहानिपूर्ण टिप्पणियां कीं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 6 मई - 2025

क्यों बन जाती है नीट परीक्षा छात्रों के गले का फंदा ?

अशोक भाटिया

नीट यूजी एग्जाम से पहले राजस्थान के कोटा से एक बार फिर दुखद खबर सामने आई है। कोटा में नीट की तैयारी कर रही एक 17 साल की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। यह घटना शहर के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के पार्श्वनाथपुरम इलाके में हुई। छात्रा को सोमवार 4 मई 2025 को नीट का एग्जाम देना था, लेकिन उसने शनिवार को अपने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी।छात्रा अपने पूरे परिवार के साथ पार्श्वनाथपुरम में रह रही थी। उसका परिवार मूल रूप से मध्य प्रदेश के श्योपुर क्षेत्र का रहने वाला है। छात्रा की पढ़ाई के लिए परिवार ने 2017 में कोटा में मकान खरीद लिया था। मृतक छात्रा के पिता सुरेश राजपूत और मां दोनों सरकारी शिक्षक हैं।

माँ श्योपुर में सरकारी कर्मचारी के तौर पर कार्यरत हैं।छात्रा पिछले दो साल से नीट की तैयारी कर रही थी। आज उसका नीट एग्जाम था, लेकिन उसने परीक्षा से एक दिन पहले ही आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा के पिता सुरेश राजपूत ने बताया कि उनकी बेटी ने अपने कमरे में फंदा लगाकर अपनी जान दी है। गौरतलब है कि कोटा राजस्थान में बसी वह शिक्षा नगरी जहां बच्चे अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जाते हैं। उनके ऊपर सिर्फ मंजिल हांसिल करने की धुन सवार होती है। समझ नहीं आ रहा कि इस नगरी में आखिर ऐसी कौन सी आबो हवा है जो वहां जाने के बाद कुछ छात्र सुसाइड करना चुन लेते हैं। वे आखिर अपनी जान क्यों दे देते हैं? जिस सपने को पूरा करने के लिए वे अपनों से दूर जाते हैं आखिर उन अपनों को हमेशा के लिए क्यों छोड़ जाते हैं? जवाब कौन देगा पता नहीं? जनवरी से लेकर अब तक इस वर्ष 27 छात्र खुदकुशी कर चुके हैं। अगस्त और सितंबर के महीने से अभी तक 9 छात्रों के आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। वहीं कोटा में बड़ी संख्या में यूपी के छात्र भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। विगत 18 सितंबर को कोटा में उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद निवासी 17 वर्षी छात्रा ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी। छात्रा कोटा में डेढ़ साल से रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। छात्रा के पिता ने उसके खुदकुशी करने के बाद कोचिंग संस्थान पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कोचिंग संस्थान की तरफ से पढ़ाई का काफी दबाव बताया था, जिसकी वजह से उनकी बेटी ने खुदकुशी की।

हालांकि संस्थान की ओर इन आरोपों का खंडन किया गया था। कोचिंग प्रबंधन ने मामले को प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया। इसके बाद पिता ने इसे पूरी तरह गलत करार देते हुए थाने में मामला दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे का एक फ्रेंड सर्कल होता है। ऐसे में इसे प्रेम संबंधों से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कोचिंग संस्थान पर डराने और धमकाने का भी आरोप लगाया। बताया जाता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चे हर रोज व्यस्त दिनचर्या, गलाकाट प्रतियोगिता और होमसिकनेस ये सभी फैक्टर अवसाद को बढ़ाते हैं और कमजोर क्षणों में छात्रों के लिए आत्मघाती बन सकते हैं। ये बातें नीट की तैयारी कर रही मध्यप्रदेश की प्रगति गुप्ता ने कही थी । तीन छात्रों के सुसाइड मामला सामने आने के बाद बहस छिड़ी है कि ऐसा क्या है कि छात्र आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। इसके जवाब में प्रगति ने कहा कि कोटा आने वाले कहीं न कहीं कठिन सफर के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं लेकिन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी का समय लंबा होता है। ऐसे में हम में से कई पहली बार परिवार को छोड़कर पढ़ने के लिए दूर आते हैं। इसलिए होमसिकनेस के साथ पढ़ाई का दवाब अक्सर हमारे लिए कमजोर पल का निर्माण करता है। जिसमें हम खुद को अकेला महसूस करते हैं। उत्तर प्रदेश के इटावा के संदीप तिवारी ने के अनुसार 10 महीने की तैयारी का शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि ब्रेक के दौरान घर भी नहीं जा पाते हैं। हमेशा छुट्टियों में हमें पढ़ाई में पिछड़ जाने का डर सताता रहता है। यह ट्रेडमिल पर दौड़ने जैसा है और आप एक कदम भी नहीं चूक सकते। यदि आप दो दिनों की क्लास मिस करते हैं तो आपकी पढ़ाई दो सप्ताह पीछे जा सकती है। संदीप ने बताया था कि वो जब से कोटा आए हैं, वो एक बार भी घर नहीं जा पाए। संदीप अप्रैल में कोटा आए थे।बिहार के मोतिहारी के 17 साल के अनिमेष कुमार भी व्यस्त क्लास शेड्यूल के बारे में बताते हैं। अनिमेष नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट की दूसरी बार तैयारी कर रहे हैं। अनिमेष का कहना है कि ये एक दुष्चक्र है। व्यस्त क्लास के बीच तालमेल बिठाने में छात्र फंस जाता है और खुद को दोष देता है और तनाव में चला जाता है।

अनिमेष ने आगे कहा कि 'पढ़ाई का तनाव रियल है। जब एक छात्र चीजों के साथ तालमेल बिठाने में फेल हो जाता है और छूटे हुए लेक्चर का बैगलॉग बढ़ता जाता है। ऐसे में छात्र अपने पढ़ाई के तरीके को दोष देता है और डिप्रेशन में चला जाता है। एक अन्य छात्र अफजल के अनुसार मां-बाप का पढ़ाई में लगाया पैसा बेकार न चला जाए, ऐसे में छात्र और तनाव में रहने लगते हैं। अफजल ने बताया कि 'मैंने सोचा था कि यहां आने के बाद मैं अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान दूंगा लेकिन यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। अब न केवल मुझे खुद सब कुछ मैनेज करना पड़ता है बल्कि मैं यह भी सोचता रहता हूं कि मेरे माता-पिता ने पैसा लगाया है और अगर मैं देने में असमर्थ रहा तो क्या होगा।' नाम नहीं बताने की शर्त पर एक छात्र ने बताते है कि दो छात्र दोस्त होने के बावजूद एक दूसरे से कॉम्पिटिशन करते हैं। सबमें यही भावना होती है कि कॉम्पिटिशन एक ही सीट के लिए है और यही भावना बच्चों में होमसिकनेस और अवसाद को जन्म देती है। कोटा में लगभग दो लाख बच्चे कोचिंग संस्थानों में पढ़ रहे हैं। जिसमें से कम से कम 14 छात्रों ने इस साल सुसाइड कर लिया। पिछले सप्ताह आत्महत्या करने वाले तीन छात्रों में से दो छात्र बिहार के थे। अंकुश आनंद (18) नीट और उज्ज्वल कुमार (17) जेईई की तैयारी कर रहा था। दोनों एक पीजी के कमरे में रहते थे, जहां उन्होंने पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। तीसरा छात्र प्रणव वर्मा मध्यप्रदेश का रहने वाला था, जिसने जहर खाकर जान दे दी। 2021 में किसी भी छात्र की आत्महत्या की सूचना नहीं मिली थी। कोरोना के कारण कोचिंग सेंटर बंद थे। छात्रों ने अपने घरों से ऑनलाइन क्लास के जरिए पढ़ाई की थी।

2019 में 18 और 2020 में 20 छात्रों ने अपनी जान दे दी।इकबाल के चाचा आसिफ ने बताया कि 27 अप्रैल की रात को उसकी अपने परिवार से बातचीत हुई थी। उस दौरान इकबाल ने बताया कि वह पढ़ाई कर रहा है और बाद में बात करेगा। परिवार को ज़रा भी अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा। उसी रात उसने कमरे में फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इकबाल ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और उसके परिजनों से भी पूछताछ जारी है। परिजन इस दुखद घटना से पूरी तरह स्तब्ध हैं। प्रशासन और कोचिंग संस्थान छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को कम करने के लिए प्रयासरत हैं। हॉस्टल्स में एंटी हैंगिंग डिवाइस लगाए गए हैं और छात्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराया गया है। अगर आप या आपके जानने वाले किसी भी प्रकार के तनाव से गुजर रहे हैं तो आप समाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय के हेल्पलाइन नंबर 1800-599-0019 या आसरा NGO के हेल्पलाइन नंबर 91-22-27546669 पर संपर्क करें।बावजूद इसके, आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पाया है। इस बढ़ते संकट ने अभिभावकों को कोटा भेजने से पहले कई बार सोचने पर मजबूर कर दिया है।

भारत को मौका नहीं गंवाना चाहिए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया में जब से टैरिफ वार छेडा है तभी से भारत इसे एक मौके के रूप में देख रहा है। एपल आईफोन का पूरी दुनिया में जबर्दस्त मांग है खासकर अमेरिका में। कितना अच्छा होगा जब अमेरिका में बिकने वाला हर आईफोन पर मेक इन इंडिया का लेबल लगा होगा। लेकिन मुनाफा जितना आसान दिख रहा है उसे पाने के लिए भारत को एडी-चोटी का पसीना एक करना होगा। वजह ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की धाक पूरी दुनिया में है। उसके पास तक पहुंचने के लिए भारत को बहुत कुछ करना होगा, जिसका मौका डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर ने दे दिया है। बता दें कि भारत में आईफोन की कहानी बड़ी कारोबारी सफलताओं में से एक रही है। इस साल अभी तक भारत ने एपल के लिए 25 से 30% आईफोन बनाए हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 18% तक ही सिमटा था। कारोबारी दृष्टि से देखा जाए तो इस तरक्की से संतोष किया जा सकता है, लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि भारत में जितना प्रोडक्शन हो रहा है, उससे कई गुणा ज्यादा अमेरिका में आईफोन के बाजार में खपत है। 2024 में अमेरिका में 7.59 करोड़ आईफोन बिके थे, जबकि इस साल मार्च में भारत से 31 लाख यूनिट वहां भेजी गई थीं। यानी एपल के चीफ टिम कुक की प्लानिंग के हिसाब से अगर भारत को पूरे अमेरिका की मांग को पूरा करना है, तो मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा खर्च करनी होगी। अच्छी बात यह है कि तमिलनाडु के होसुर और बेंगलुरु में दो नई फैसिलिटी तैयार हैं और इनमें जिस दिन प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा तो लक्ष्य पाने में देर नहीं लगेगी।

बता दें कि इसके पहले जब कोरोना ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था तभ भी भारत को ऐसा ही मौका मिला था। कोरोना, 2018 के ट्रंप के चीन के साथ ट्रेड वॉर और दक्षिण चीन सागर में उभरते तनाव के मद्देनजर दुनिया चीन के खिलाफ एक ऑप्शन की तलाश कर रही थी। उस समय हालात की गंभीरता को समझते हुए वियतनाम जैसे देशों ने बाजी मार ली थी। उसे कम कॉरपोरेट टैक्स रेट, निवेश में आसानी और सस्ते श्रम का जबर्दस्त फायदा मिला था। आज भारत के लिए मौजूदा टैरिफ वॉर एक सुनहरा मौका है। उसे किसी भी कीमत से यह मौका गंवाना नहीं चाहिए। खासकर यह देखते हुए कि दुनिया का कारोबारी माहौल उसके पक्ष में है। कोरोना के वक्त से अमेरिकी कंपनियों पर चीन से बाहर निकलने का जो दबाव था, वह हाल में ट्रंप के टैरिफ वॉर से और बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन ने चीन पर 245%, जबकि भारत पर 26% का आयात शुल्क लगाया है, और इसे भी फिलहाल 90 दिनों के लिए टाल रखा है। एपल की भारत में दिलचस्पी की बड़ी वजह यही है। फिर पीएलआई जैसी सरकारी योजनाओं ने भारत में उत्पादन को सस्ता बना दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी 8.4% है , जबकि चीन की 76.6%। ऐसे में यदि आईफोन सप्लाई में भारत रफ्तार पकड लेता है तो उसकी सफलता वैश्विक स्तर पर भारत की हैसियत बढ़ाएगी और तब इन आंकड़ों को भी बदला जा सकेगा। इस वक्त अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर भी बात चल रही है। इसके अंजाम पर पहुंचने से नई दिल्ली के पास अमेरिकी कंपनियों को लुभाने का एक और कारण होगा। अब इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहिए।

पाकिस्तान का पूर्व सांसद आज हरियाणा में बेच रहे आइसक्रीम

अशोक कुमार झा

भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते हमेशा से नाजुक रहे हैं लेकिन हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से तनाव एक बार फिर चरम पर है। हमले के बाद केंद्र सरकार ने भारत में वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश जारी किया। इस माहौल के बीच एक अनोखी कहानी सामने आई है-पाकिस्तान के एक पूर्व सांसद की, जो आज हरियाणा की गलियों में आइसक्रीम बेचकर अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। यह कहानी है डबाया राम की-एक ऐसा नाम, जिसने कभी पाकिस्तान की संसद में शपथ ली थी, और आज अपने परिवार के लिए हर रोज सड़कों पर मेहनत कर रहे हैं। डबाया राम का जन्म 1945 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक छोटे से गांव में हुआ था। 1947 के विभाजन ने उनके परिवार को ऐसी जगह लाकर छोड़ दिया, जहां अल्पसंख्यक होना ही सबसे बड़ा अपराध बन गया। बंटवारे के बाद कट्टरपंथ बढ़ा और अल्पसंख्यक(हिन्दू और सीख) समुदायों पर अत्याचार आम बात हो गई।

देश के विभाजन की आग ने उनके गांव को भी पूरी तरह झुलसा दिया। हिंदू और सिख परिवारों पर लगातार हमले होते रहे। परंतु उनके परिवार ने उस समय अपना गांव छोड़ने का फैसला नहीं किया, क्योंकि वहां उनकी खेती थी, जड़ें थीं, पूर्वजों की स्मृतियां थीं। लेकिन समय के साथ दबाव भी बढ़ता चला गया। स्कूलों में हिंदू बच्चों के साथ हमेशा भेदभाव किये जाते थे। साथ ही मंदिरों पर हमले और आए दिन मिलती धमकियां उनकी जिंदगी का आम हिस्सा बन गया था, जो डबाया राम बचपन से ही यह सब देखते हुए और झेलते हुए वहाँ उसी माहौल में बड़ा हुआ था। उसके परिवार पर भी कई बार ऐसा दबाव डाला जाता रहा कि वे अपना धर्म(हिन्दू धर्म) छोड़ दें और इस्लाम अपना लें। लेकिन उनके परिवार ने हर बार यह दबाव अस्वीकार किया और अपने विश्वास पर अडिग रहा। एक साधारण से किसान का बेटा ने अपने गाँव में ईमानदारी और सच्चाई की राह पर चलते हुए पाकिस्तान जैसे देश में अपने समुदाय के लिए एक मजबूत आवाज बनाकर उभरा और समय के साथ अपने हक की लड़ाई को जारी रखा। जिससे उसकी लोकप्रियता धीरे-धीरे स्थानीय समुदायों में बढ़ने लगी और यही लोकप्रियता उसे राजनीति के गलियारों तक ले गई। 1988 में पाकिस्तान में नेशनल असेंबली का चुनाव हुआ जिसमें अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट पर उसे उम्मीदवारी मिली थी। चूंकि वे समुदाय में इतने ज्यादा लोकप्रिय थे कि उसके खिलाफ किसी और उम्मीदवार ने नामांकन ही नहीं किया, जिस कारण वह बिना किसी विरोध के वहाँ का सांसद चुन लिया गया। फिर पाकिस्तानी संसद में पहुँचने के बाद उसने काफी बहादुरी से वहाँ अल्पसंख्यकों (हिन्दू और सिखों) के अधिकारों की वकालत करता रहा। उस समय वहाँ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) उभार पर थी और बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में देश में लोकतंत्र की नई उम्मीदें जगी थीं। डबाया राम ने भी संसद में अपना समर्थन बेनजीर भुट्टो को दिया जिसके बाद वे पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बनीं थी लेकिन राजनीति की चकाचौंध हमेशा सुरक्षित भविष्य की गारंटी नहीं देती । अल्पसंख्यक होने का दंश डबाया राम को लगातार झेलना पड़ा। उनके परिवार के खिलाफ सामाजिक भेदभाव और अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा था। फिर समय ऐसा आ गया कि पाकिस्तान में सत्ता की नजदीकी भी उसकी ढाल नहीं बन सकी। जैसे-जैसे कट्टरपंथ बढ़ा, उनके परिवार पर हमले बढ़ते चले गये। फिर एक समय ऐसा आया जब गांव में उनका घर ही असुरक्षित हो गया। उस समय ऐसा वक्त था, जब राजनीति के भीतर रहकर भी वे अपने समुदाय को सुरक्षा और सम्मान नहीं दिला पा रहे थे। वहाँ बढ़ती असहिष्णुता, धमकियों और हिंसा ने उनके सपनों को इतना कुचल डाला था कि एक सांसद की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा था। 1999 में एक रात कुछ चरमपंथी युवकों ने उनके घर पर पत्थरबाजी करने के साथ में धमकियाँ दिया कि ₹या तो इस्लाम अपनाओ या मरने के लिए तैयार रहो₹। इस भयानक घटना ने उसके परिवार को मानसिक रूप से तोड़ कर रख दिया। हालांकि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन यह स्पष्ट हो गया था कि अब वहां जीना मुश्किल हो गया है। यह उसके लिए एक बहुत बड़ा निर्णायक क्षण था कि वह अपने परिवार को बचाने के लिये वहाँ से भाग जाये या अपने और अपने परिवार के जानमाल का जोखिम लेकर वहीं संघर्ष करता रहे। और अंत में उसने पूरे परिवार के साथ भारत आने का निश्चय किया। फिर लंबी कानूनी प्रक्रियाओं और संघर्षों के बाद उसे वीजा प्राप्त हो सका, जिससे वह 13 परिवारों के साथ 35 लोग किसी तरह भारत पहुंच सके। फिर हरियाणा आकर रोहतक में कुछ वर्ष काटने के बाद फतेहाबाद जिले के रतनगढ़ गांव में बस गए।अब भारत आ जाने के बाद भी उसकी चुनौतियां कम नहीं हुई थीं। शुरू में गांव के कुछ लोग पाकिस्तान से आए इस परिवार से ऐसे ही दूरी बनाकर रखते थे और सभी को शक की निगाहों से देखा जाता था। धीरे धीरे स्थानीय लोगों के बीच विश्वास अर्जित करने में भी समय लगा लेकिन अपनी मेहनत, ईमानदारी और सरल स्वभाव के कारण गांव वालों का दिल जीत पाने में कामयाब हो पाया। इसके अलावा पुलिस वेरिफिकेशन, वीजा एक्सटेंशन, फिर नागरिकता के लिए आवेदन जैसे मामलों को लेकर हर कदम पर सरकारी दफ्तरों के हमेशा चक्कर लगाने पड़े। उसके बाद नागरिकता पाने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। आज उनके परिवार के छह सदस्यों को भारतीय नागरिकता मिल चुकी है, जबकि शेष लोगों ने आवेदन दे रखा है। सत्ता के शिखर से साधारण जिंदगी तक सफर एक समय था जब डबाया राम पाकिस्तान की संसद में बैठकर देश के भविष्य पर चर्चा किया करता था और आज का समय है जब वह हरियाणा की गलियों में आइसक्रीम बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा है। आज फतेहाबाद के रतनगढ़ गांव में उनका छोटा सा ठेला स्थानीय बच्चों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। आज उसके चेहरे पर कोई शिकवा नहीं दिखता। बल्कि उसकी आंखों में संघर्ष की गहराई है, लेकिन साथ ही एक संतोष भी है कि आज वह अपने पूरे परिवार के साथ एक स्वतंत्र माहौल में सांस ले रहा है। आज उसका कहना है कि यहां कम से कम डर नहीं है। मेहनत करते हैं, तो पेट भरता है। पाकिस्तान में तो जीने का भी डर था। इतने दिनों बाद आज फिर क्यों आये चर्चा में कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद जब सरकार ने वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का निर्देश दिया, तब उसका परिवार भी उस जांच के घेरे में आ गया। उसे भी पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया लेकिन जांच में कुछ संदिग्ध नहीं पाया गया और उसे गांव लौटने की अनुमति दे दी गई। आज उसका कहना है कि अब उसका पाकिस्तान से कोई नाता नहीं रहा। हम भारतीय हैं और यहीं रहना चाहते हैं। उसका यह भाव उसके संघर्ष और समर्पण को बखूबी बयान करता है।

हिन्दू लड़कियों से योजनाबद्ध दुष्कर्म का मजहबी षडयंत्र

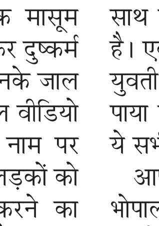
मनोज कुमार अग्रवाल

कभी अजमेर फिर जयपुर और अब भोपाल में एक दो नहीं दर्जनों हिन्दू लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर उनकी आपत्तिजनक विडियो बना कर ब्लेकमेल कर यौन शोषण करने के मामलों का खुलासा हुआ है। यह बेहद चिंता जनक तो है ही साथ ही बताता है कि देश भर में एक समुदाय विशेष के युवक ब्यूटी पार्लर इंटरनेट सर्फर मोबाइल शाप डांस और एक्टिंग प्रशिक्षण सैंटर की आड़ में हिन्दू लड़कियों को फंसा कर ब्लेक मेल कर उनके जरिए एक के बाद एक मासूम लड़कियों की चैन बना कर दुष्कर्म करते हैं इतना ही नहीं इनके जाल में फंसने के बाद अश्लील वीडियो फोटो डिलीट करने के नाम पर पैसा वसूलने और दूसरे लड़कों को अस्मत से खिलवाड़ करने का घिनौना खेल चल रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी राजधानी में कॉलेज की छात्राओं के साथ शोषण और ब्लैकमेलिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। पुलिस ने अब तक छह से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। कई आरोपी अभी भी फरार हैं। इस मामले के तार भोपाल से शुरू होकर मध्य प्रदेश के पन्ना, बैतूल, इंदौर, कोलकाता और बिहार तक फैले मिले हैं।भोपाल में हिंदू लड़कियों से रेप के मामले में पुलिस ने कई आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें दो आरोपी फरहान और साहिल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है. वहीं तीन अबरार, अली और साद की पुलिस तलाश कर रही है. अली और साद पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं. मामले की जांच के लिए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है. एक लड़की से मारपीट के दौरान यह मामला सामने आयाजानकारी के मुताबिक एक हिंदू लड़की को सबसे पहले फंसाया, अश्लील वीडियो बनाकर उससे अपनी सहेलियों को लाने के लिए कहा गया. इस दरिंदगी की शुरुआत भोपाल के एक कॉलेज से हुई. जहां पर साथ पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र ने एक हिंदू लड़की को अपने जाल में फंसाया. इसे लव जिहाद का मामला माना जा रहा है. इस वीडियो के आधार पर उस लड़की पर दबाव बनाया गया कि वो अपनी अन्य सहेलियों को भी लेकर आए. एक होटल में इन लड़कियों को बुलाया गया. उनके साथ ज़बरदस्ती की गई. रेप कर उनका भी वीडियो बनाया गया. 6 आरोपियों ने मिलकर 5 लड़कियों का शारीरिक शोषण किया. जांच में सामने आया है कि गांजा पिलाकर इन लड़कियों का शोषण किया गया.बताया जा रहा है कि अपने चंगुल में फंसाने के बाद इन हिंदू लड़कियों को आरोपियों द्वारा इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया गया. उनसे कहा गया कि बुर्का पहनकर तस्वीर भेजो, लड़कियों ने बुर्का पहनकर तस्वीरें भेजी भीं. उन्हें रोज़ा रखने के लिए भी बाध्य किया गया।एक पीड़िता का आरोप है जब उसने अपनी छोटी बहन को इंदौर भेजा, ताकि वह इस गिरोह से बच सके, तब भी आरोपी फरहान वहां पहुंच गया। उसने उसे भी अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस को एक वीडियो मिला है जिसमें फरहान एक साथ तीन कॉलेज छात्राओं के साथ गलत काम करता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वह एक युवती को सिगरेट से जलाता हुआ पाया गया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी छात्राएं हिंदू हैं।

आपको बता दें कि मध्यप्रदेश के भोपाल में लव जिहाद और गैंगरेप का ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर किसी की रूह कांप गई. 6 मुस्लिम युवकों का एक गैंग, जिसक काम था हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाना. उनका ब्रेन वॉश करना और फिर रेप करना. उसके बाद अपने साथियों से गैंगरेप करवाना है और अब यह गिरोह हिन्दू लड़कियों के यौन शोषण की विडियो पोर्न साइट पर बेचने के लिए कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, फरहान ने कॉलेज में हमउम्र मुस्लिम युवकों का एक गिरोह बनाया था, जो केवल हिंदू लड़कियों को ही निशाना बनाते थे. गिरोह का सख्त नियम था कि कोई भी मुस्लिम लड़की से प्रेम संबंध नहीं बनाएगा. फरहान ने पुलिस पूछताछ में दावा किया कि हिंदू लड़कियों के साथ दुष्कर्म करना 'सवाब का काम' है और उसका लक्ष्य अधिक से अधिक हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बनाना था. इस बयान ने न केवल पुलिस को स्तब्ध कर दिया है। इस गैंग का सरगना फरहान एमबीए पास है फरहान खान हिंदू लड़कियों को सबसे पहले अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर रेप करता था. उस रेप की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाता और बाद में वो वीडियो दिखाकर पीड़ित लड़कियों को ब्लैकमेल करता था. इसी तरह का उसने अपना एक गैंग तैयार कर साथियों से भी ये काम करवाना शुरू किया और उनके अश्लील वीडियो मंगवाता रहा. फिर उन पीड़िताओं को साथियों की मदद से अपने पास बुलवाता और वीडिया दिखाकर रेप करता था लेकिन भोपाल पुलिस ने फरहान को दबोच लिया है। साहिल खान, फरहान के गैंग की मुख्य कड़ी है. मूल रूप से पन्ना का रहने वाला था लेकिन अशोक गार्डन इलाके में रहकर डांस क्लास चलाता था. जिसमें करीब 30 हिंदू लड़कियां आती थी.

श्रम,संयम के अभाव से उत्पन्न निराशा

संजीव ठाकुर

मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है1 जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है1 बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं1 सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं1 मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए 1 यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है1 जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है1 यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है 1 मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए1इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है1 और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है1 भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है1ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है।

रक्त चूसकों की आम सभा

डॉ टी महादेव राव

रक्त चूसकों की आम सभा मतलब मच्छरों की महासभा पूरे यौवन पर थी। आक्रमण करते शत्रु सेना की तरह बहुत बड़ी संख्या मंत मच्छर शामिल थे। जो भी मिला वाहन, मनुष्य, पशु पर चढ़कर सारे मच्छर कचरे के डिब्बों, झोपड़ियों, गंदे नालों, गलियों, कालोनियों, गेटेड कम्युनिटी, बंद गटरों, कब्जा किए गए तालाबों, सड़ांध फैलाती कीचड़ और नालियों से बढ़-चढ़कर आए। शायद लोगों का खून बहुत ज्यादा चूस लिया है, कुछ मच्छर सेठ जैसे बड़े बड़े तोंद लेकर थके से इधर-उधर घूम रहे थे। राजनीतिक मच्छर अपने चेलों के साथ आए। कुछ दलाल बैच शायद इधर-उधर घूमते हुए लोगों से मिलजुल रहे थे। सलाह मशवरा कर रहे थे। मच्छरों के बड़े नेता गला संवारकर माइक के सामने आए। अचानक शोर थम गया। छूते ही हमें मारने वाले मनुष्य फिर एक बार विश्व मलेरिया दिवस समारोह मनाने जा रहा है। हमारे वंश को पूरी तरह नाश करने के लिए, हमें खत्म करने के लिए इस बार किस तरह के निर्णय लेते हैं, कैसे नियम बनाते हैं, यह सोचकर ही घबराहट हो रही है। उनके द्वारा किए जाने वाले कामों से, अपनी कौम की रक्षा करते हुए उसके काट के उपाय ढूंढते हुए आगे बढ़ना है। इस लड़ाई में हमें क्या करना चाहिए इस पर आपके विचार बताएं। नई पीढ़ी का मच्छर इत्मीनान से उठ खड़ा हुआ। लगता था उसके चमचे ज्यादा ही हैं जो शोर मचा रहे थे। मच्छर के हाथ उठाने पर शोर शांत हुआ मुझे लगता है इन मनुष्यों के विषय में आप कुछ ज्यादा ही परेशान हो रहे हैं। इतने डरने की कोई बात नहीं है। वे कई सालों से मलेरिया दिवस मनाते आ रहे हैं। अभी तक उन्होंने कुछ हासिल नहीं किया। मलेरिया बुखार पर ही विजय न पाने वाला मनुष्य हमें क्या करेगा? प्रश्न किया उसने। लेकिन हमें इस बात को आसानी से नहीं छोड़ना चाहिए। मच्छरों को खत्म करने कारपोरेट कंपनियां हर दिन टीवी और अखबारों में विज्ञापन दे रही हैं, जो हर क्षण हम पर युद्ध कर रहे हैं। असहमति का स्वर उभरा। ये सारे क्रिया कर्म तो युद्ध या जनता के ऊपर प्रेम के लिए तो बिल्कुल ही नहीं है। हमें भूत की तरह दिखा सामान्य जन को डरा कर अपना धंधा दिन दूना और रात चौगुना करना ही उनका उद्देश्य है। बाजार में मच्छर अगरबत्ती, रिफिल, वेपराइजर, कार्ड, बैट, क्रीम, लोशन कितने सारे हैं? लेकिन क्या कोई हमें खत्म कर सका है? देखा जाए तो पुराने लोग जिस मच्छरदानी पर भरोसा करते थे, कुछ हद तक वही हम पर असरदार हैं। लेकिन उसमें भी घुसकर काटने वाले विशेष दलों को हम तैयार कर रहे हैं। इसलिए हमें किसी तरह के डर की जरूरत नहीं। कहते हुए ढाढस बंधाया मच्छर ने। एक और मच्छर ने शिकायत करते हुए कहा घर के चारों तरफ दवाइयां छिड़क रहे हैं धुआं धुआं करके हमें परेशान कर रहे हैं। वे सब नगरपालिका के नेताओं और अधिकारियों के जेब भरने के काम में आते हैं। इससे जनता का कोई फायदा नहीं होता। घर के चारों तरफ कूडा करकट, गटर भरकर साफ न करने वाले मनुष्य हमें क्या कर सकेंगे? एक और मच्छर ने भरोसा दिलाया।

एक साहित्यिक मच्छर ने दर्द भरी आवाज में कहा ₹जौंक को छोड़कर खून चूसने वाला कहते हुए जनता हमें ही गालियां दे रही है।

भगवान शिव ने कामदेव को बलिया में जलाकर किया था भस्म, आज भी हैं निशान

शिव मंदिरों पर भक्तों का तांता दिखता है। यहां हर शिव मंदिर की अपनी-अपनी पौराणिक कहानी है। ऐसा ही एक शिव मंदिर है बलिया में, जिसका नाम है- कामेश्वर धाम। यह एक अत्यंत प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर का वर्णन शिव पुराण में भी मिलता है। इसका नाम कामेश्वर धाम क्यों पड़ा, शिव पुराण में इसकी अनोखी कथा कही गई है। यहां आज भी आम का एक जला हुआ पेड़ है, जो इस धाम की कहानी कहता है।

कामेश्वर धाम बलिया मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर है। यह कारो गांव के पास है। कामेश्वर धाम की महिमा दूर-दूर तक विख्यात है। देश भर के शिव भक्त यहां भारी संख्या में बड़ी श्रद्धा के साथ आते हैं और बाबा को बेल पत्र और पुष्प चढ़ाते हैं।कामेश्वर थाम में शिव की पूजा

शिव पुराण में क्या है कहानी?

शिव पुराण की कथा में लिखा है कि भगवान शंकर ने इसी स्थान पर कामदेव को जलाकर भस्म कर दिया था। यही वो जगह है जहां कामदेव ने भगवान शिव के ऊपर पुष्प वाण चलाया था, जिसके बाद भोलेनाथ क्रोधित हो गये थे। भगवान शिव उस वक्त तपस्या में लीन थे।

शिव पुराण के मुताबिक पति के अपमान में जब शिव की पत्नी सती यज्ञ में कूद जाती है तो शिव क्रोधित होकर तांडव करने लगते हैं। जिसके बाद संसार में हाहाकार मच जाता है। स्वर्ग में देवतागण परेशान हो जाते हैं। उनको मनाते हैं जिसके बाद शिव तपस्या करने लगते हैं।

इसी बीच ताड़कासुर का आतंक बढ़ने लगता है। वह स्वर्ग पर भी आधिपत्य करने की कोशिश करने लगता है। देवता गण ताड़कासुर से मुक्ति के लिए शिव जी की याद करते हैं। लेकिन वो तो तपस्ता में लीन रहते हैं। फिर उनको तपस्या से जगाने के लिए देवतागण कामदेव की मदद लेते हैं। कामदेव सबसे पहले तो अप्सराओं के माध्यम से शिव जी की तपस्या भंग करना चाहते हैं लेकिन असफल रहने पर काम खुद ही एक आम के पेड़ के पत्तों में छिप कर पुष्प वाण चलाते हैं। वह वाण भगवान शंकर के सीने में जा लगता है। इससे शिव बहुत नाराज हो जाते हैं और अपनी तीसरी आंख खोलकर कामदेव को जलाकर भस्म कर देते हैं।

दिमाग में तेज और बेहद लकी होते हैं ये 5 राशिवाले लोग

वृषभ

वृषभ राशि के लोग ज़मीन से जुड़े और सादगी पसंद होते हैं। उम्र के साथ वे और भी सुंदर और आकर्षक दिखने लगते हैं। उन्हें खुद की देखभाल करना पसंद होता है। वे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, खुद से प्यार करना सीखते हैं और अपने लुक्स का अच्छे से ख्याल रखते हैं। जिस कारण इनका आत्मविश्वास और भी बढ़ता है और वे और भी प्यारे लगने लगते हैं। ये लोग जिस भी परिवार में जन्म लेते हैं वहां किसी न किसी माध्यम से धन आता रहता है और धन की कभी कमी नहीं रहती है। ये लोग परिवार के लिए बेहद भाग्यशाली होते हैं।

तुला

तुला राशि के लोग संतुलन और सौंदर्य के प्रेमी होते हैं। इनमें शुरू से ही स्टाइल और आकर्षण होता है, लेकिन उम्र के साथ उनका स्टाइल और समझ और भी बेहतर हो जाती है। तुला राशि के लोग बहुत ही आकर्षक और मिलनसार होते हैं। उम्र के साथ उनकी बात करने की कला, समझदारी और भावनात्मक संतुलन उन्हें और भी प्यारा बना देता है। जिस कारण इनके दोस्त अक्सर इनसे सुझाव और मदद मांगने आते हैं।

सिंह

सिंह राशि के लोग स्वभाव से ही आत्मविश्वासी और जोशीले होते हैं। उनकी चमकदार मुस्कान और ऊर्जा भरी मौजूदगी उम्र के साथ और भी ज्यादा आकर्षक हो जाती है। वे जानते हैं कि अपने गुणों को कैसे सामने लाना है। जैसे-जैसे वे परिपक्व होते हैं, उनका आत्मविश्वास और भी गहरा हो जाता है। ये लोग दोस्त और परिवार के लिए कभी भी किसी काम को करने से पीछे नहीं हटते, सामने चाहे कितनी भी परेशानी क्यों न हो।

मकर

मकर राशि के लोग बहुत ही मेहनती और अनुशासित होते हैं। उम्र के साथ ये लोग और भी आकर्षक दिखने लगते हैं। यहां केवल खूबसूरती की बात नहीं हो रही, बल्कि उनके आत्मविश्वास और शांति से भरे व्यवहार में एक खास आकर्षण आ जाता है। जैसे-जैसे मकर राशि के लोग बड़े होते हैं। वे अपने जीवन के अनुभवों को खूबसूरती से अपनाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इस राशि के लोगों में गजब का कॉन्डिफेंस आ जाता है, जो उनके चेहरे और हावभाव में साफ दिखाई देता है। ये लोग जिन्हें अपना दोस्त मानते हैं, उनके लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं।

मीन

मीन राशि के लोग संवेदनशील और कलात्मक होते हैं। उनका मासूम और शांत स्वभाव उन्हें उम्र के साथ और भी खूबसूरत बना देता है। कई बार ऐसा लगता है जैसे उनकी उम्र थम सी गई हो, उनका चेहरा जवां बना रहता है। उनकी समझदारी और दूसरों के प्रति सहानुभूति उन्हें और भी सुंदर बना देती है। मीन राशि वाले लोग दोस्त की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटते।

मई 2025 में कारोबार की शुरुआत का है विचार?

जब भी हम कोई नया काम शुरू करते हैं, तो हमारे मन में कई सवाल होते हैं। खासतौर पर अगर वो काम व्यापार, दुकान या ऑफिस खोलने जैसा बड़ा फैसला हो, तो हम चाहते हैं कि सब कुछ अच्छे से हो। हमारे यहां परंपरा रही है कि कोई भी नया काम सही समय पर शुरू किया जाए, ताकि आगे सब ठीक चले। इसी वजह से लोग शुभ मुहूर्त की तलाश करते हैं। मई 2025 में ऐसे कई दिन हैं, जब आप अपना नया काम शुरू कर सकते हैं। चाहे आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करना चाहते हों, दुकान खोलनी हो, नया ऑफिस सेट करना हो या फिर कोई सर्विस बेस्ड बिजनेस शुरू करना हो कुछ खास तारीखें आपके लिए मददगार हो सकती हैं

7 मई 2025 – बुधवार

-नक्षत्रः- पूर्वा फाल्गुनी

-समयः- सुबह 8:30 से दोपहर 1:05 बजे तक

यह दिन कला, फैशन और डिजाइन से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा है। अगर आप नया शोरूम खोलना चाहते हैं या किसी नए कलेक्शन की शुरुआत करना चाहते हैं, तो यह दिन चुन सकते हैं। बुध ग्रह व्यापार से जुड़ा होता है, इसलिए यह दिन कारोबार की शुरुआत के लिए अच्छा माना जाता है। नौकरीपेशा लोग भी इस दिन किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी ले सकते हैं।

17 मई 2025 – शनिवार

-नक्षत्रः- पूर्वाषाढ़ा

-समयः- सुबह 7:51 से दोपहर 12:26 बजे तक

इस दिन आप कोई नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। खासकर डेयरी, इंजीनियरिंग या लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोग इस दिन से नई शुरुआत करें तो अच्छा रहेगा। शनि ग्रह मेहनत और अनुशासन के प्रतीक होते हैं। इस दिन किया गया काम धीरे धीरे सही रास्ते पर चलता है और लंबी उम्र वाला साबित होता है।

25 मई 2025 – रविवार

-नक्षत्रः- अश्विनी

-समयः- दोपहर 11:54 से 2:12 बजे तक

अगर आप डॉक्टर हैं, पत्रकार हैं या खेल जगत से जुड़े हैं, तो यह दिन आपके लिए खास है। आज के दिन से आप नया क्लीनिक खोल सकते हैं, कोई खास रिपोर्ट या स्टोरी पर काम शुरू कर सकते हैं या फिर किसी नई प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर सकते हैं। अश्विनी नक्षत्र नई ऊर्जा और तेज शुरुआत का संकेत देता है। सूर्य से जुड़ा यह दिन लीडरशिप और आत्मविश्वास से भरा होता है।

परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त रूप से उदार है

बेटे-बेटी के लालन-पालन में सावधानी के स्तर पर जरूर फर्क रखिए, लेकिन लाड़-प्यार में अंतर नहीं होना चाहिए। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ- इसमें पढ़ाना शब्द बड़ा गहरा है। पुरुष की शिक्षा स्त्री की शिक्षा से तब भी अलग थी और आज भी अलग है।

व्यावसायिक जीवन में एक जैसे शिक्षित व्यक्ति के लिए संघर्ष बदल जाता है। परिवार की बात करें तो एक आंकड़ा बहुत सुखद इन दिनों नजर आता है कि पढ़ी-लिखी बेटियां बेटों के मुकाबले बुढ़ापे में अपने मां-बाप की सेवा अधिक कर रही हैं।

इनका प्रतिशत 28 है। लेकिन चार रिश्ते परिवार के चतुर्भुज हैं और अगर इसे ठीक से समझ लें तो स्वर्ग धरती पर उतर आए- सास, मां, बेटी और बहू। सास कितनी मां बनती है, बहू को कितनी बेटी माना जाता है और बेटी को बहू बनाते समय क्या समझाया जाता है।

भागवत ग्रंथ के अनुसार संसार में पहली पांच संतानों में तीन बेटियां थीं। तो परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त उदार है, कृपावंत है, और यही काम हमें अपने परिवारों में करना चाहिए।

बुद्ध पूर्णिमा पर घर लाएं ये चीजें, खुलेगा बंद किस्मत का ताला, बरसेगी सुख-समृद्धि!

बुद्ध पूर्णिमा हिंदू और बौद्ध धर्म दोनों में अत्यंत पवित्र दिन माना जाता है। यह दिन भगवान गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तीनों घटनाओं से जुड़ा हुआ है। वैशाख महीने की पूर्णिमा को यह पर्व पूरे देश और दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों द्वारा श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है।

वैशाख मास की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर लोग पूजा-पाठ, दान-पुण्य और ध्यान-साधना में लीन रहते हैं। ऐसा माना जाता है कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन कुछ विशेष वस्तुओं को घर लाने से न केवल जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, बल्कि किस्मत का ताला भी खुल सकता है और घर में सुख-समृद्धि की वर्षा होती है।

बुद्ध पूर्णिमा कब है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत रविवार, 11 मई को रात्रि 8 बजकर 1 मिनट पर होगी। वहीं तिथि का समापन अगले दिन यानी 12 मई को रात्रि 10 बजकर 25 मिनट पर होगी। उदया तिथि के अनुसार, बुद्ध पूर्णिमा का पर्व सोमवार 12 मई को मनाया जाएगा।

बुद्ध पूर्णिमा पर घर लाएं ये चीजें

बुद्ध की प्रतिमा या चित्र

बुद्ध की शांत मुद्रा वाली प्रतिमा को घर के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर में शांति, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ध्यान मुद्रा में बुद्ध की प्रतिमा मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन को बढ़ावा देती है।

बांस का पौधा

लकी बैंबू को सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे बुद्ध पूर्णिमा के दिन घर लाकर ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में रखने से परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बना रहता है और धन की वृद्धि होती है।

धूप व दीपक

बुद्ध पूर्णिमा की रात को घर में घी का दीपक जलाकर उसे तुलसी या पूजा स्थान पर रखने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। साथ ही, चंदन या लोबान की धूप से वातावरण शुद्ध और पवित्र होता है।

मोर पंख

मोर पंख को सुंदरता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन घर में मोर पंख लाना शुभ होता है। इसे घर के मुख्य द्वार पर या लिविंग रूम में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

दान-पुण्य की वस्तुएं

बुद्ध पूर्णिमा पर अन्न, वस्त्र, जल, फल आदि का दान करना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। खासकर गरीबों और ज़रूरतमंदों को कुछ देना आपके जीवन में सौभाग्य और समृद्धि लेकर आता है।

चांदी के सिक्के

चांदी को शुद्ध और पवित्र धातु माना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन चांदी के सिक्के घर लाना आर्थिक समृद्धि का प्रतीक है। इन सिक्कों को पूजा घर में या तिजोरी में रखना शुभ माना जाता है। यह धन और समृद्धि को आकर्षित करने में सहायक होते हैं।

क्यों है खास यह दिन?

बुद्ध पूर्णिमा न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह आत्मिक जागृति और करुणा का संदेश भी देती है। इस दिन यदि श्रद्धा और निष्ठा के साथ कुछ शुभ कार्य किए जाएं, तो माना जाता है कि जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं हमें शांति, धैर्य और सहिष्णुता का मार्ग दिखाती हैं। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि सच्ची खुशी बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि मन की शांति और दूसरों के प्रति करुणा में निहित है।

सावधान! टॉयलेट के पास रखी ये चीज़ें बन सकती हैं अशांति और रुकावट की वजह

घर को सुख, शांति और समृद्धि देने के लिए उसमें मौजूद हर चीज़ का सही स्थान पर होना जरूरी है। वास्तु में घर की हर दिशा, हर कोना और हर कमरा मायने रखता है। लेकिन बात जब टॉयलेट की हो, तो इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है। टॉयलेट वो जगह होती है जहां से नकारात्मकता सबसे ज़्यादा फैलती है। अगर इसकी सही देखभाल न हो और आसपास गलत चीज़ें रखी हों, तो घर में लगातार उलझन, तनाव और धन की कमी जैसी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। टॉयलेट की सफाई के साथ साथ उसके आसपास की व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है

टॉयलेट के पास ना हो पूजा की जगह

पूजा की जगह को पवित्र माना जाता है और यहां रोज़ ईश्वर की उपस्थिति का आह्वान किया जाता है। वहीं, टॉयलेट को अशुद्ध जगह माना गया है। अगर ये दोनों स्थान पास पास होंगे तो घर में सकारात्मक ऊर्जा कमजोर हो सकती है। इससे न सिर्फ पूजा का असर कम होता है बल्कि घर का माहौल भी प्रभावित होता है।

बेडरूम और टॉयलेट पास न हों

बेडरूम वो जगह है जहां दंपति एक साथ समय बिताते हैं और आराम करते हैं। अगर इसका संपर्क लगातार टॉयलेट से रहेगा, तो आपसी रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। टॉयलेट से निकलने वाली नकारात्मकता मानसिक शांति को भी बिगाड़ सकती है, जिससे झगड़े और मनमुटाव होने लगते हैं।

रसोई और टॉयलेट एक दूसरे के पास न हों

रसोईघर को मां अन्नपूर्णा का स्थान माना गया है और यहां बनने वाला खाना पूरे परिवार को ऊर्जा देता है। टॉयलेट अगर पास में हो, तो वहां की हवा और माहौल रसोई की पवित्रता को बिगाड़ सकता है। इससे खान पान की वजह से बीमारियां भी बढ़ सकती हैं और धन संपत्ति की हानि भी हो सकती है।

स्टडी रूम और टॉयलेट साथ न हों

बच्चों का पढ़ने का कमरा एकाग्रता और तरक्की से जुड़ा होता है। यहां शांति का माहौल होना ज़रूरी है। टॉयलेट से निकलने वाली गंध और नकारात्मक असर बच्चों के मन और दिमाग पर असर डाल सकता है। इससे पढ़ाई में मन नहीं लगता, नतीजे खराब आते हैं और बच्चों का आत्मविश्वास भी कम हो सकता है।

सफलता के लिए हमारा व्यवहार सहायक होता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हमारे कार्य कैसे सिद्ध हो सकते हैं?

सफलता के लिए विद्या, अनुभव और गुरुजनों का आशीष सहायक होता है। इसके साथ ही हमें अपने व्यवहार पर भी ध्यान देना चाहिए। हमारा व्यवहार मृदु होना चाहिए। हमारी भाषा में माधुर्य और विनम्रता रहनी चाहिए। हमें ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, जिससे दूसरों का अनादर होता है। शब्दों का चयन करते समय बहुत सतर्क रहना चाहिए।

भारत के महासंत आचार्य महाप्रज्ञ

निर्मला बैद

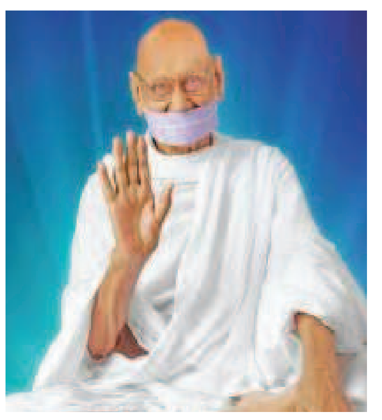

विलक्षण प्रतिभा के धनी आचार्य महाप्रज्ञ श्वेतांबर जैन धर्म तेरापंथ के दसवें आचार्य थे। आचार्य महाप्रज्ञ न केवल एक महान संत थे वरन वे एक महापुरुष,सिद्ध योगी, आध्यात्मिक गुरु,दार्शनिक व्यक्तित्व, अधिनायक शख्शियत,अनूठे लेखक,श्रेष्ठ वक्ता और गजब के कवि भी थे। उनकी बहुत सी पुस्तकें और लेख उनके विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व और कृतित्व को दर्शाने वाले हैं ।

पहले उनका नाम मुनि नथमल जी था। आचार्य तुलसी, उनके बहुआयामी गुणों से इतने अधिक प्रसन्न हुए कि उन्होंने अपने जीवन काल में ही उन्हें अपना उत्तराधिकारी आचार्य घोषित किया और आचार्य महाप्रज्ञ नाम से भी विभूषित किया ।

महाप्रज्ञ ने दस वर्ष की छोटी सी उम्र में जैन संन्यासी की दीक्षा ले ली थी। महाप्रज्ञ ने आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन को आगे ले जाने में मुख्य भूमिका निभाई और 1995 में आंदोलन के अधिनायक बन गए।आचार्य महाप्रज्ञ ने 1970 के दशक में "प्रेक्षाध्यान" की वैज्ञानिक थ्योरी का आविष्कार किया और शिक्षा प्रणाली में "जीवन विज्ञान" की थ्योरी विकसित कर छात्रों के संतुलित विकास और उनके चरित्र निर्माण के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। उनका यह प्रयास मील का पत्थर साबित हो रहा है। आज इस विधि द्वारा अनेक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रोगों से मुक्त हो रहे हैं। आज जीवन विज्ञान को शिक्षा के क्षेत्र में भावनात्मक विकास की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है,जो आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की शिक्षा जगत को बहुत बड़ी देन है। महाप्रज्ञ जी ने संस्कृत,हिन्दी, गुजराती,इंग्लिश में 300 से ज्यादा किताबें लिखीं। वे भूगोल, खगोल, ज्योतिष, न्याय, विज्ञान के विशेष रहस्यों के ज्ञाता होने के साथ-साथ मंत्रदृष्टा आचार्य और योग के महान साधक थे।

आचार्य महाप्रज्ञ का जन्म हिन्दू तिथि के अनुसार विक्रम संवत 1977, आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी को राजस्थान के झुंझनू जिले के एक छोटे-से गांव टमकोर गाँव में सन 1920 में 14 जून को हुआ था । उनके पिता का नाम तोलाराम तथा माता का नाम बालू था। आचार्य महाप्रज्ञ का बचपन का नाम नथमल था। उनके बचपन में ही पिता का देहांत हो गया था। माँ बालू ने उनका पालन-पोषण किया। उनकी माँ धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। इस कारण उन्हें बचपन से ही धार्मिक संस्कार मिले थे। विक्रम संवत 1987, माघ शुक्ल की दशमी (29 जनवरी 1931) को उन्होंने दस वर्ष की आयु में अपनी माता के साथ तेरापंथ के 8 वें आचार्य कालूगणी से सरदार शहर (राजस्थान) में दीक्षा ग्रहण की। आचार्य कालूगणी की आज्ञा से उन्होंने मुनि तुलसी जो आगे चल कर आचार्य कालूगणी के बाद तेरापंथ के नौवें आचार्य बने, के मार्गदर्शन में दर्शन, न्याय, व्याकरण, मनोविज्ञान, ज्योतिष, आयुर्वेद आदि का तथा जैन आगम, बौद्ध ग्रंथों, वैदिक ग्रंथों तथा प्राचीन शास्त्रों का गहन अध्ययन किया था। वे संस्कृत भाषा के आशु कवि थे। आचार्यश्री तुलसी ने महाप्रज्ञ (तब मुनि नथमल) को सन 1944 में अग्रगण्य बनाया गया। विक्रम संवत 2022 माद्य शुक्ला सप्तमी (ईस्वी सन 1965) को हिंसार में उन्हे निकाय सचिव नियुक्त किया। आगे चल कर उनकी प्रज्ञा से प्रभावित होकर आचार्य तुलसी ने उन्हें 12 नवंबर 1978 को राजस्थान के गंगाशहर में 'महाप्रज्ञ' के संबोधन अलंकरण की उपाधि से अंलकृत किया। तब से उन्हें महाप्रज्ञ के नाम से जाना जाने लगा।

विक्रम संवत 2035 में राजस्थान के राजलदेसर में आयोजित मर्यादा महोत्सव के अवसर पर आचार्यश्री तुलसी ने 3 फरवरी 1979 को उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और वे 'युवाचार्य महाप्रज्ञ' हो गए। विक्रम संवत 2050 में 18 फरवरी 1994 को राजस्थान के सुजानगढ़ में आचार्य तुलसी ने अपने आचार्य पद का विर्सजन कर दिया और युवाचार्य महाप्रज्ञ को तेरापंथ का आचार्य नियुक्त कर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। इस प्रकार वे तेरापंथ के दसवें आचार्य बने।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून 2020 को आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी समारोह के दौरान संत प्रवर आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने सम्बोधन में कहा था कि आचार्य महाप्रज्ञ जी ने हम सबको एक मंत्र दिया था। उनका ये मंत्र था- 'स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ अर्थव्यवस्था। आज की परिस्थिति में उनका ये मंत्र हम सबके लिए बहुत बड़ी प्रेरणादायक है। आज देश इसी मंत्र के साथ, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

खुद को महान एक्टर नहीं मानते सूर्या

भाई कार्ति को लेकर बोले- 'मैं उनके जैसी फिल्में नहीं कर सकता'

तमिल स्टार सूर्या इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'रेट्रो' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब फिल्म की चर्चाओं के बीच सूर्या ने अपने भाई और तमिल अभिनेता कार्ति को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वो कार्ति द्वारा चुनी गई फिल्मों को नहीं कर सकते। साथ ही उन्होंने अपने और भाई कार्ति के फिल्म चयन को लेकर भी बात की।

'मैं कभी कार्ति जैसा नहीं हो सकता'

कार्तिक सुब्बाराज और संतोष नारायणन के साथ अपनी हालिया बातचीत में सूर्या ने अपने भाई कार्ति के साथ तुलना होने पर बात की। सूर्या ने कहा, "मैं खुद को एक महान अभिनेता नहीं मानता। कई बार मेरा अभिनय ओवरएक्टिंग साबित होता है। मैं कभी भी कार्ति जैसा नहीं हो सकता। न ही मैं कभी भी 'मेइयाझागन' जैसी फिल्म कर सकता हूं।" 'मेइयाझागन' कार्ति की एक सफल फिल्म है।

धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही 'रेट्रो'

सूर्या के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'रेट्रो' इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है। हालांकि, फिल्म वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है, जैसी उम्मीद की जा रही थी। 1 मई को रिलीज हुई फिल्म अपने शुरूआती चार दिनों में 43 करोड़ की ही कमाई कर पाई है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित रोमांटिक एक्शन फिल्म में सूर्या के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं।

'हिट' फ्रेंचाइजी से जुड़े कार्ति

वहीं अगर कार्ति की बात करें तो वो 'रेट्रो' के साथ ही रिलीज हुई नानी की तेलुगु फिल्म 'हिटः द थर्ड केस' में अपने कैमियो को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका कैमियो उन्हें सैलेश कोलानू के नेतृत्व वाली 'हिट' फ्रेंचाइजी के चौथे भाग के लिए अगले लीड एक्टर के रूप में पेश करता है।

इसके अलावा कार्ति अपनी स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सरदार 2' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। आधिकारिक घोषणा के बाद से दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लाफ्टर शेफ्स शो के समर्थ जुरेल ने कहा- अंकिता लोखंडे जैसी गर्लफ्रेंड चाहिए

समर्थ जुरेल ने बिग बॉस 17 में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीता। शो में उन्होंने अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन के साथ अच्छी दोस्ती बनाई। अब वे लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में अभिषेक कुमार के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस शो के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें अंकिता जैसी गर्लफ्रेंड चाहिए।

समर्थ को चाहिए अंकिता जैसी गर्लफ्रेंड

न्यूज 18 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, बिग बॉस के बाद कुकिंग शो लॉफ्ट शेफ ने समर्थ और अंतिका की दोस्ती को और मजबूत किया है। अंकिता को समर्थ ने मिर्च कहा और बताया, मैं कहता हूं कि मुझे उनकी जैसी गर्लफ्रेंड चाहिए। वे मेरे लिए सही लड़की ढूंढने का वादा करती हैं। रुबीना दिलैक को कड़वा कहा, क्योंकि वे हमेशा सच्चाई दिखाती हैं। समर्थ को उनकी यह बात पसंद है। समर्थ ने आगे यह भी कहा कि अंकिता मेरी बड़ी बहन

जैसी हैं।

किस शख्स के बारे में कैसा सोचते हैं समर्थ

हाल ही में अमन गांधी के साथ बातचीत में समर्थ ने अपनी दोस्ती के बारे में बताया। जब मन्नारा चोपड़ा के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, वह सिर्फ अच्छी दोस्त हैं। मैं शो में आने से पहले ही डेटिंग कर रहा था, इसलिए मन्नारा के साथ सिर्फ दोस्ती है। शो के एक मजेदार हिस्से में अमन ने समर्थ से उनके लाफ्टर शेफ्स के साथियों को मिर्च, चीनी, नींबू, कड़वा जैसे नाम देने को कहा। समर्थ ने सुदेश लेहरी को नींबू कहा, क्योंकि वे अनुभवी होने के बावजूद वैसे ही हैं। विक्की जैन को चीनी यानी मीठा बताया, क्योंकि वे पार्टी में सभी मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। समर्थ ने कहा, मैंने उनसे यह सीखा है। समर्थ ने एकता कपूर की तारीफ पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, एकता मैम ने मेरे काम की सराहना की, यह मेरे लिए बड़ा मौका है।

लॉफ्टर शेफ शो सीजन 2

समर्थ लाफ्टर शेफ्स 2 में अंकिता, विक्की, रुबीना, सुदेश लेहरी, एल्विश यादव, कृष्णा अभिषेक, निया शर्मा, करण कुंद्रा और राहुल वैद्य के साथ दिख रहे हैं। शो को भारती सिंह होस्ट करती हैं और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज करते हैं।

मेट गाला के रेड कारपेट पर सबसे ज्यादा चमकीं प्रियंका चोपड़ा, आलिया व दीपिका भी हुए शामिल

न्यूयॉर्क का मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट हर साल मई के पहले सोमवार को फैशन की दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव 'मेट गाला' आयोजित करता है। इस साल यह सोमवार 5 मई 2025 को आयोजित किया जाएगा। भारतीय समयनुसार इसे मंगलवार सुबह 3:30 बजे देखा जा सकता है। इस साल मेट गाला भारतीय सिनेमा और फैशन के लिए खास होने वाला है क्योंकि बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान से लेकर अभिनेत्री कियारा आडवाणी तक, कई भारतीय सितारे रेड कारपेट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इस खबर में पढ़िए 'मेट गाला' से जुड़ी हर एक जानकारी...

मेट गाला क्या है?

मेट गाला को 'फैशन का ऑस्कर' भी कहा जाता है, न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए फंड जुटाने वाला एक वार्षिक आयोजन है। 1948 में शुरू हुआ यह इवेंट पहले एक साधारण डिनर पार्टी था, लेकिन अब यह फैशन, कला और संस्कृति का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हर साल एक खास थीम के इर्द-गिर्द सितारे अपने डिजाइनर आउटफिट्स में रेड कारपेट पर अनोखे अंदाज में नजर आते हैं। यह आयोजन न केवल फैशन की दुनिया में नए ट्रेंड्स सेट करता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भी चर्चा का केंद्र बनता है। पिछले साल इस इवेंट ने म्यूजियम के लिए 26 मिलियन डॉलर से ज्यादा की राशि जुटाई थी।

इस साल मेट गाला की थीम है 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल्स'। जो ब्लैक फैशन शैली और उनके सांस्कृतिक प्रभाव पर आधारित है। यह थीम मोनिका एल. मिलर की किताब स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी से ली है।

यह थीम 18वीं सदी के यूरोपीय फैशन से लेकर आधुनिक समय तक ब्लैक डैंडीइज्म की यात्रा को दिखाएगी, जिसमें रंगों, सिल्हूट्स और एक्सेसरीज जैसे टोपी, छड़ी, ब्रोच और पॉकेट स्क्वायर की बारीकियों पर जोर होगा। ड्रेस कोड 'टेलर्ड फॉर यू' मेहमानों को ट्रेडिशनल मेल ड्रेस में रचनात्मक बदलाव करने की आजादी देता है।

एजाज खान पर लगा रेप का आरोप काम दिलवाने और धर्म बदलकर शादी करने का किया था वादा

हाउस अरेस्ट फेम एक्टर एजाज खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं. हाउस अरेस्ट मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद अब एजाज खान के खिलाफ मुंबई के चारकोप पुलिस स्टेशन में रेप का मामला दर्ज हुआ है. एक्ट्रेस की शिकायत पर चारकोप पुलिस ने एजाज के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया.

एजाज खान पर लगे ये आरोप

पीड़ित एक्ट्रेस के अनुसार एजाज खान ने अपने हाउस अरेस्ट शो में उन्हें होस्ट का रोल देने के लिए बुलाया था. जब शूट चल रहा था तभी एजाज खान ने पीड़ित को पहले प्रपोज किया और बाद में धर्म बदलकर शादी करने का वादा किया. एक्ट्रेस के घर जाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया. जिसके बाद रविवार शाम पीड़ित एक्ट्रेस ने चारकोप पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया.

इन धाराओं के तहत दर्ज हुआ मामला

एजाज खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 64, 64(2 M), 69, 74 के तहत मामला दर्ज कर लिया है. एजाज खान के खिलाफ रेप का मामला दर्ज होने के बाद से एजाज खान पुलिस के संपर्क में नहीं हैं. मामला दर्ज होने के बाद मुंबई की चारकोप पुलिस ने एजाज खान को संपर्क करने की कोशिश की. वो पुलिस के सम्पर्क में नहीं हैं. एजाज खान का फोन स्विच ऑफ है. एजाज खान के घर पुलिस गई थी लेकिन एजाज खान अपने घर पर नहीं है. पुलिस तलाश कर रही हैं.बता दें कि एजाज खान कुछ समय से शो हाउस अरेस्ट को लेकर विवादों में हैं. उनका हाल ही में Ullu App पर रियलिटी शो हाउस अरेस्ट आया था. एजाज खान इस शो के होस्ट थे. शो के एक एपिसोड में लड़कियों के कपड़े उतरवाए गए थे. इसके अलावा कुछ अश्लील सीन भी दिखाए गए थे. इसके बाद से एजाज खान विवादों में हैं. एजाज खान की खूब आलोचना हुई. वहीं शो को बैन करने की मांग उठी. अब शो बंद हो गया है. एप से शो के सारे एपिसोड हटा लिए गए हैं. इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने उल्लू एप को असभ्य और अश्लील सामग्री दिखाने के लिए समन भेजा. उल्लू एप के सीईओ विभु अग्रवाल और एजाज खान को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने 9 मई को पेश होना होगा.

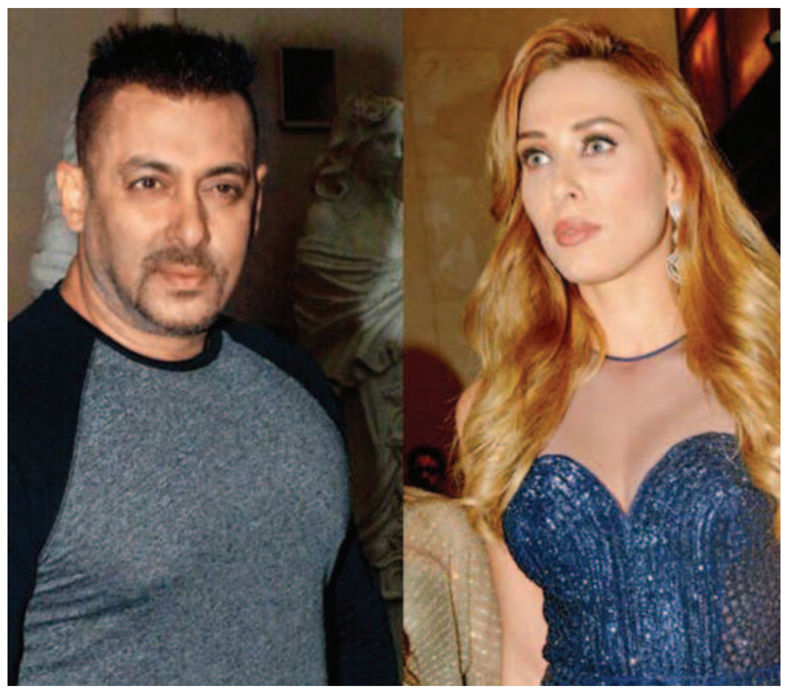

हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी सलमान की गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर, इस एक्टर का मिलेगा साथ

सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। आज ही यह जानकारी सोशल मीडिया पर आई है, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि वह जल्द ही 'ईकोज ऑफ अस' में नजर आएंगी।

ईकोज ऑफ अस' की स्टार कास्ट और शूटिंग

ईकोज ऑफ अस' एक अंग्रेजी भाषा की फिल्म होगी, जिसमें यूलिया वंतूर के अलावा पूजा बत्रा, दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसेंड्रा व्हेलन मैरिज नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन जो राजन करेंगे, जिन्होंने लव यू सोनियो से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, फिल्म की शुटिंग आज से शुरु हो चुकी है। इस फिल्म में यूलिया महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण अभिनेत्री पूजा बत्रा के एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया जाएगा।

यूलिया का करियर और चर्चा

यूलिया वंतूर एक रोमानियाई अभिनेत्री, गायिका और मॉडल हैं। यूलिया ने रोमानिया में मॉडलिंग और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया।

भारत में आने के बाद, उन्होंने संगीत में भी हाथ आजमाया और कई गानों में अपनी आवाज दी है, जैसे कि हिमेश रेशमिया के साथ एवरी नाइट एंड डे। यूलिया ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में आइटम नंबर किए हैं। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा सलमान खान के साथ उनके संबंधों के कारण जाना जाता है। यूलिया ने सलमान खान की फिल्म राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई के गाने सीटीमार में भी अपनी आवाज दी है।

शॉर्ट रेड ड्रेस पहन निया शर्मा ने दिखाया हुस्न का जलवा

निया शर्मा टीवी की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं. वे आए दिन अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ाए रहती हैं. उनकी लेटेस्ट तस्वीरें भी फैंस के दिलों को घायल कर रही हैं. निया शर्मा ने टीवी पर कई सीरियल्स में काम किया है और घर-घर पहचान बनाई हैं. फिलहाल एक्ट्रेस लाफ्टर शेफ टू में अपनी कुकिंग स्किल दिखाती नजर आ रही हैं.

निया शर्मा एक फ़ैशनिस्टा भी हैं और अक्सर अपने ग्लैमरस अंदाज से सुर्खियों में छाई रहती हैं. निया ने हाल ही में रेड कलर की मिनी ड्रेस में अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं, और उनके फैंस उनके अट्रैक्टिव लुक को देखकर दंग रह गए हैं.

निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर रेड कलर की मिनी ड्रेस में अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं.फोटोज में वह कुछ ग्लैमरस पोज देती नजर आ रही हैं.

निया ने अपने शानदार लुक के लिए स्लीवलेस मिनी ड्रेस चुनी जो प्लंजिंग वी-नेकलाइन के साथ काफी अट्रैक्टिव थी. हालांकि पूरी ड्रेस सिंपल थी, लेकिन हेमलाइन पर की गई डिटेलिंग ने पूरे लुक को और भी बेहतर बना दिया थी. ड्रेस की हेमलाइन ट्विस्टेड फैब्रिक से सजी हुई थी जो गुलाबों के बुटीक की तरह लग रही थी. उन्होंने इस फिटेड मिनी ड्रेस को फेरागामो के रेड वेज हील्स के साथ पेयर किया था.

एक्सेसरीज़ के लिए, निया ने थ्री लेयर वाला नेकलेस, एक बिह हूप इयररिंग, ब्यूटिफुल गोल्ड कंगन और गोल्ड रिंग्स का एक सेट पहना हुआ है.

निया ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल किया हुआ है और ग्लैम मेकअप में वे बला की हसीन लग रही हैं. इस तस्वीर में निया अपनी कातिल अदाओं से दीवाना बनाती नजर आ रही हैं.

निया ने रेड कलर की ड्रेस में एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं. निया की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर अब आग लगा रही हैं. फैंस एक्ट्रेस के इस रेड लुक के दीवाने हो गए हैं.

प्रियामणि ने मनोज बाजपेयी के बारे में किया बड़ा खुलासा, हैरान रह गए फैंस

मनोज बाजपेयी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में होती है। वो अपनी इंटेंस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। दर्शक इन दिनों मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज में मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी के किरदार में नजर आए हैं। अब सीरीज में श्रीकांत तिवारी की पत्नी का रोल निभाने वाली प्रियामणि ने अपने सह-कलाकार मनोज बाजपेयी को लेकर एक रोचक तथ्य साझा किया है। जो उनके बारे में एक बड़ा खुलासा भी है।

मनोज बाजपेयी एक बेहतरीन डांसर हैं

मनोज बाजपेयी के अभिनय का तो हर कोई कायल है। लेकिन मनोज बाजपेयी को डांस करते काफी कम देखा गया है। मनोज बाजपेयी कभी भी खुद को डांसर नहीं मानते हैं। अब प्रियामणि ने मनोज बाजपेयी को लेकर एक बड़ा खुलासा करते हुए उन्हें एक बेहतरीन डांसर बताया है। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बात करते हुए

प्रियामणि ने द फैमिली मैन से जुड़ा एक रोचक किस्सा सुनाया। अभिनेत्री ने कहा, "मनोज बाजपेयी के साथ काम करना और उन्हें स्क्रीन पर देखना बेहद मजेदार है। मुझे नहीं लगता कि किसी ने इसे रिकॉर्ड किया है, लेकिन मनोज सर ने वास्तव में विक्की कौशल के गाने 'तौबा तौबा' का स्टेप किया, जिसे देखकर हम पागल हो गए।"

कॉपी किया 'तौबा-तौबा' का हुक स्टेप

प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के नए सीजन की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, "शो में अथर्व तिवारी की भूमिका निभाने वाले वेदांत सिन्हा एक बेहतरीन डांसर हैं। एक दिन जब हम 'तौबा तौबा' गाने में विक्की कौशल के हुक स्टेप के बारे में वेदांत से बात कर रहे थे, तो उसने इसे करना शुरू कर दिया। जब मैंने उसे स्टेप सिखाने के लिए कहा, तभी मनोज नीचे आए और उन्होंने कहा कि यह बहुत आसान है। इसके बाद उन्होंने वाकई में 'तौबा तौबा' के हुक स्टेप को कॉपी किया। उन्होंने हुक स्टेप को हूबहू वैसा ही किया। यह देखकर हम सभी हैरान थे कि उन्होंने ऐसा किया।"

'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे फैंस

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी के 'द फैमिली मैन सीजन 3' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जिसमें उनके साथ प्रियामणि भी नजर आएंगी। इसके इस साल के अंत तक आने की उम्मीद है। वहीं हाल ही में मनोज बाजपेयी की एक नई फिल्म 'गवर्नर' की घोषणा हुई है। इस पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म में मनोज बाजपेयी एक गवर्नर की मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म को विपुल शाह प्रोड्यूस करेंगे, जबकि चिन्मय मांडलेकर फिल्म के निर्देशक हैं। इसकी शूटिंग जुलाई-अगस्त 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा मनोज बाजपेयी निर्देशक नीरज पांडे के साथ भी एक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

यूरिक एसिड बढ़ने का सता रहा है डर? शुरू कर दीजिए ये उपाय

यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या के बारे में आपने भी जरूर सुना होगा, ये स्थिति कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है। यूरिक एसिड हमारे शरीर में पाया जाने वाला एक प्रकार का अपशिष्ट पदार्थ है जो प्यूरीन नामक यौगिकों के ब्रेकडाउन से बनता है। प्यूरीन एक प्राकृतिक रसायन है जो शरीर की कोशिकाओं और कुछ खाद्य पदार्थों जैसे रेड मीट, मछली, शराब और फ्रुक्टोज वाली चीजों में पाया जाता है। सामान्यतौर पर हमारी किडनी शरीर से अतिरिक्त यूरिक एसिड को बाहर निकाल देती है, हालांकि अगर इसकी मात्रा बढ़ जाए तो इससे गाउट या आर्थराइटिस की समस्या हो सकती है।

हाई यूरिक एसिड की स्थिति में गठिया, उंगलियों में दर्द, किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए, आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखते हुए इसे कंट्रोल में रखना बहुत आवश्यक हो जाता है।

यूरिक एसिड बढ़ने का खतरा

यदि आपका शरीर बहुत अधिक यूरिक एसिड बनाता है या यदि आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो यूरिक एसिड रक्त में जमा हो सकता है। यूरिक एसिड का बढ़ना शरीर में कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। यदि आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक रहती है तो यह हाइपरयुरिसीमिया का कारण बन सकती है। हाइपरयुरिसीमिया के कारण यूरिक एसिड तेजी से क्रिस्टल में एक साथ चिपक जाता है। ये क्रिस्टल आपके जोड़ों में जमा होकर गठिया और गाउट की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं साथ ही इससे किडनी में स्टोन होने और किडनी की अन्य समस्याओं का भी जोखिम हो सकता है। आप कुछ उपाय करके यूरिक एसिड को कंट्रोल रख सकते हैं।

हाई प्यूरीन वाली चीजों का कम कर दें सेवन

प्यूरीन ऐसे यौगिक हैं जो कुछ खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं। शरीर प्यूरीन को तोड़ता है, यह यूरिक एसिड का उत्पादन करता है। इन चीजों से बचाव के लिए जरूरी है कि आप बियर और शराब, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थ, जैसे डेयरी उत्पाद और रेड मीट का सेवन कम करें।

वजन को रखें कंट्रोल

यूरिक एसिड और इसके कारण होने वाली समस्याओं से बचाव का दूसरा उपाय है- वजन को कंट्रोल में रखना। शरीर के वजन को कंट्रोल में रखना आपको यूरिक एसिड के कारण होने वाली समस्या और गाउट की जटिलताओं से बचाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि मोटापा बढ़ने से गाउट का खतरा भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सभी लोग अपने वजन को नियंत्रित करने के लिए प्रयास करें। वजन को कंट्रोल करने से डायबिटीज और हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

यूरिक एसिड को कंट्रोल में रखने लिए आपको नियमित रूप से कुछ और सावधानियां बरतते रहना चाहिए।

फ्रुक्टोज और शुगर का सेवन कम करें, विशेष रूप से सॉफ्ट ड्रिंक्स और पैक्ड जूस से बचें।

दिनभर में 2.5-3 लीटर पानी पीने से यूरिक एसिड पेशाब के जरिए बाहर निकलता है।

ओवरवेट लोगों में यूरिक एसिड लेवल बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है, इसलिए वेट लॉस करने वाले उपाय करें।

रोजाना 30 मिनट की वॉक या एक्सरसाइज करने से मेटाबॉलिज्म सुधरता है और कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं का जोखिम कम होता है।

दफ्तर जाने वाली महिलाओं के बैग में जरूर होने चाहिए ये स्किन केयर प्रोडक्ट

कामकाजी महिलाएं इस गर्मी के मौसम और प्रदूषण भरे माहौल में घर से निकलती हैं, जिसका असर उनकी त्वचा पर साफ दिखता है। शाम को जब वह घर पहुंचती हैं तो धूल मिट्टी और पसीने से उनका चेहरा अपनी प्राकृतिक रंगत खो सकता है। ऐसे में दफ्तर जाने वाली महिलाओं को दिनभर की भागदौड़ और प्रदूषण भरे माहौल में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी है। उन्हें अपनी त्वचा को सुरक्षित और साफ रखने के लिए रोजाना स्किन केयर करना चाहिए। हालांकि दफ्तर और घर के कामों में व्यस्तता के चलते महिलाएं इसे नजरअंदाज कर सकती हैं। लेकिन महज पांच स्किन केयर प्रोडक्ट्स हैं, जिसे महिलाओं को दफ्तर जाते समय अपने बैग में रख लेना चाहिए। यह स्किन केयर उत्पाद आपको पूरा दिन फ्रेश और ग्लोइंग दिखने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं उन पांच उत्पादों के बारे में जो दफ्तर जाने वाली महिलाओं को अपने बैग में जरूर रखना चाहिए।

फेस वाइप्स

दिनभर धूल-मिट्टी और पसीने की वजह से चेहरा चिपचिपा हो सकता है। ऐसे में फेस वाइप्स से चेहरा तुरंत साफ कर फ्रेश लुक पाया जा सकता है।

सनस्क्रीन लोशन या स्प्रे

दफ्तर आते-जाते धूप और UV किरणों से स्किन को नुकसान पहुंचता है। इसलिए अपने पास सनस्क्रीन जरूर रखें, हर तीन-चार घंटे में सनस्क्रीन दोबारा लगाना फायदेमंद होता है। स्प्रे फॉर्म वाला सनस्क्रीन जल्दी और आसानी से लगाया जा सकता है। एसपीएफ 30 से अधिक, खासकर एसपीएफ 50 वाला सनस्क्रीन साथ रखें।

लिप बाम

ऑफिस में एसी की वजह से होंठ सूख सकते हैं। ऐसे में एसपीएफ युक्त लिप बाम होंठों को नमी और सुरक्षा दोनों देता है। हल्का टिंटेड लिप बाम चेहरे को फ्रेश लुक भी देता है।

फेस मिस्ट

दिनभर की थकान और ड्राई स्किन से राहत पाने के लिए फेस मिस्ट बहुत कारगर है। चेहरे पर हल्का स्प्रे करने से स्किन तुरंत रिफ्रेश और हाइड्रेट हो जाती है। इसके लिए गुलाब जल की स्प्रे बोतल साथ रख सकते हैं।

हैंड क्रीम

दिनभर कंप्यूटर, फोन और कागजों को छूते समय हाथ रूखे हो सकते हैं। एक अच्छी हैंड क्रीम से हाथों को मुलायम रखें। अपने बैग में एक अच्छी हैंड क्रीम को जरूर रखें।

बुजुर्ग ही नहीं अब बच्चों में भी बढ़ रहे हैं गठिया के मामले, क्या है इसकी वजह?

आर्थराइटिस (हड्डियों की समस्या) पूरे शरीर की संरचना को प्रभावित करने वाली हो सकती है। आमतौर पर इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, पर हाल के कई आंकड़े बताते हैं कि कम उम्र के लोग, यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों में आर्थराइटिस होना उनके पूरे जीवन को प्रभावित करने वाला हो सकता है।

बचपन में गठिया या जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस (जेआईए) को मुख्य रूप से स्वास्थ्य विशेषज्ञ ऑटोइम्यून डिजीज मानते हैं, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ कोशिकाओं पर अटैक कर देती है जिससे बच्चों में जोड़ों में सूजन और दर्द की दिक्कत हो सकती है।

कुछ अध्ययन बताते हैं कि जेआईए की स्थिति जोड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों जैसे कि आंखों और किडनी को भी प्रभावित कर सकती है। अगर इसका उपचार न किया जाए तो इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधित जटिलताओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों में बढ़ रहे हैं आर्थराइटिस के मामले

हाल ही में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (एम्स) ने एक रिपोर्ट में बताया कि हर वर्ष 250-300 बच्चे गठिया की समस्या के उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। रोग आनुवांशिक होने पर बच्चों में इसका जोखिम और अधिक बढ़ जाता है।

बीमारी के बढ़ते खतरे को लेकर डॉक्टरों ने लोगों से जागरूकता की अपील की है ताकि उपचार के लिए इधर-उधर न भटकें। समय पर उपचार और थेरेपी के माध्यम से गठिया के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

पीडियाट्रिक रूमेटिक डिसऑर्डर

बच्चों में पीडियाट्रिक रूमेटिक डिसऑर्डर संबंधी मिथकों और तथ्यों को लेकर एम्स के डॉक्टरों ने हाल ही में बताया कि जागरूकता न होने की वजह से ज्यादातर बच्चों के उपचार में देरी होती है। इस कारण जोड़ों को स्थायी तौर पर नुकसान पहुंचता है। यह बीमारी जोड़ों को ही नहीं किडनी सहित शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित करती है।

चूंकि ये सोच रही है कि आर्थराइटिस सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होती है इसलिए बच्चों में इसके लक्षणों पर ध्यान नहीं दिया जाता है, जिसके कारण उनका समय पर इलाज नहीं हो पाता है।

कैसे जानें कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं हो गया शिकार?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आर्थराइटिस के लक्षण बड़े उम्र वाले लोगों की ही तरह बच्चों में भी देखे जाते हैं। हालांकि बीमारी का समय पर पता न चल पाने का एक बड़ा कारण ये रहता है कि बच्चे अपनी समस्या को पहचान नहीं पाते हैं और जोड़ों के दर्द की शिकायत नहीं कर पाते।

अगर आपका बच्चा अक्सर लंगड़ाता है, खासकर सुबह के समय तो ये जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है।

आर्थराइटिस की स्थिति में जोड़ों की सूजन होना आम है, इसके अलावा बच्चों के जोड़ अधिक कठोर हो सकते हैं।

बच्चों में आर्थराइटिस की स्थिति चूंकि शरीर के कई अन्य हिस्सों की भी दिक्कतें बढ़ा सकती है इसलिए समय रहते इसका पता लगाना और इलाज बहुत जरूरी है।

जुवेनाइल आर्थराइटिस के उपचार के दौरान मुख्य प्रयास बच्चे को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना और दर्द को कम करने का होता है। डॉक्टर दर्द और सूजन को दूर करने, चलने में कोई कठिनाई न हो और हड्डियां मजबूत रहें इसके लिए दवाओं और थेरेपी का प्रयोग करते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए कौन सी डाइट सबसे अच्छी है?

हृदय रोगों का खतरा सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है, यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। कम उम्र में हार्ट अटैक और इसके कारण होने वाली मौत की खबरें हाल के दिनों में आपने भी खूब देखी और पढ़ी होंगी। हार्ट अटैक का खतरा क्यों बढ़ता जा रहा है इसको लेकर हुए अध्ययनों में कई बातें सामने आई हैं।

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के अलावा आपकी कई खराब आदतें भी हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती हैं। यहां तक कि अगर आपको बहुत ज्यादा गुस्सा भी आता है तो इसके कारण भी हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ जाता है।

ऐसे में सवाल है कि दिल को स्वस्थ रखने के लिए क्या उपाय किए जाएं, क्या खाएं-पिएं? कौन सा डाइट प्लान आपके हृदय को नुकसान पहुंचने से बचाने वाले हो सकते हैं? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को कैसे ठीक रखें?

ज्यादातर विशेषज्ञ मानते हैं कि हृदय स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए खान-पान में सुधार करना जरूरी है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए फलों, सब्जियों और साबुत अनाज को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। संतृप्त और ट्रांस वसा, कोलेस्ट्रॉल और सोडियम वाली चीजों को आहार में कम से कम रखना चाहिए।

कई डाइट प्लान हैं जो आपके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। शोध डैश डाइट को आपकी सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं, विशेषकर हृदय संबंधित बीमारियों को कम करने में।

डैश डाइट प्लान हृदय रोगों के लिए लाभकारी

शोधकर्ताओं ने हृदय स्वास्थ्य के लिए शीर्ष-10 डाइट प्लान की सूची जारी की गई। इसमें डैश डाइट को सेहत के लिए काफी लाभकारी बताया गया है। डैश (डाइटरी अप्रोचेज टू स्टॉप हाइपरटेंशन) को हृदय स्वास्थ्य को ठीक रखने वाले डाइट प्लान में 100 अंक हासिल किए। तमाम दिशा-निर्देशों के आधार पर इसे हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ आहार का दर्जा दिया गया।

शोधकर्ताओं का कहना है कि डैश डाइट प्लान ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में काफी कारगर हो सकती है। साथ ही वजन को नियंत्रित करने में भी इसके लाभ देखे गए हैं, ऐसे में इस डाइट प्लान से लंबे समय तक हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिलने की संभावना है।

डैश डाइट प्लान को लेकर 500 प्रतिभागियों पर आठ सप्ताह तक किए गए इस अध्ययन में पाया गया है कि यह आपके हृदय को स्वस्थ रखने में काफी लाभकारी उपाय हो सकता है। इन प्रतिभागियों पर तीन अलग-अलग प्रकार के डाइट प्लान को लेकर अध्ययन किया गया जिसमें डैश डाइट को सबसे फायदेमंद पाया गया है।

केवल दो सप्ताह के बाद ही, डैश डाइट का पालन करने से रक्तचाप को काफी सुधार आया। इससे कोलेस्ट्रॉल के खतरे को कम करने में भी मदद मिली।

हृदय को स्वस्थ रहने के लिए क्या खाना ठीक है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट को बीमारियों से बचाए रखने के लिए आहार में स्वस्थ वसा वाली चीजें जैसे ऑलिव ऑयल, एवोकाडो, नट्स-सीड्स और वसायुक्त मछलियों का सेवन करें। दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, लो सोडियम वाली चीजें आपकी सेहत में विशेष सुधार कर सकती हैं।

हृदय से संबंधित बीमारियों से बचने के लिए शराब-धूम्रपान से दूरी बनाए रखना भी बहुत जरूरी है।

कहीं ज्यादा गुस्सा आना आपकी जान न ले ले? आप भी हैं शिकार तो हो जाइए सावधान

गुस्सा आना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, ये एक सामान्य मानवीय भावना है। किसी चीज को लेकर निराशा, गलत महसूस करने या स्थितियों से नियंत्रण खोने की प्रतिक्रिया में आपको गुस्सा आता है। इसे तनाव को कम करने के लिए शरीर के मैकेनिज्म का भी एक हिस्सा माना जाता है। हालांकि गुस्सा या कोई भी शारीरिक भावना तभी तक अच्छी है जब तक ये आपके नियंत्रण में रहती है।

क्या आपको बहुत ज्यादा या लगातार गुस्सा आता रहता है? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये स्थिति आपकी सेहत को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। बहुत ज्यादा गुस्सा आने की समस्या हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। कुछ स्थितियों में इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

ज्यादा गुस्सा आने का हृदय स्वास्थ्य पर असर

कई शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि ज्यादा गुस्सा आने का आपके हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है।

ब्रिटिश हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने बताया कि अगर आपको अक्सर गुस्सा आता रहता है तो ये ब्लड प्रेशर को काफी बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय स्वास्थ्य पर

दबाव बढ़ता है जिससे हार्ट अटैक आने का खतरा भी बढ़ जाता है।

जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि अक्सर गुस्से में रहने वाले लोगों की रक्त वाहिकाओं में मौजूद कोशिकाएं ठीक से काम करना बंद कर देती हैं जिसके कारण कोरोनरी आर्टरी डिजीज होने का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक का बढ़ जाता है खतरा

साल 2015 में सर्कुलेशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि तीव्र स्तर के गुस्से के 2 घंटे के भीतर हार्ट अटैक होने की आशंका लगभग पांच गुना बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि गुस्से की अवस्था में स्ट्रेस हार्मोन (जैसे एड्रेनालिन और कोर्टिसोल) बहुत तेजी से बढ़ते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन को असामान्य रूप से बढ़ा देते हैं। इससे हार्ट अटैक होने का खतरा बढ़ जाता है।

लगातार गुस्सा करने वाले लोगों की धमनी में सूजन और संकुचन की दिक्कत भी अधिक होती है, जो समय के साथ धमनियों की कठोरता का कारण बनती है, इसके कारण भी हार्ट अटैक हो सकता है।

ज्यादा गुस्सा आने के और भी कई नुकसान

ज्यादा गुस्सा आने की समस्या सिर्फ हृदय स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, इसके और भी कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

बार-बार गुस्सा आने की समस्या मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डालती है, जो डिप्रेशन और एंग्जायटी को बढ़ावा दे सकती है।

गुस्सा आने की स्थिति नींद की समस्या उत्पन्न करने लगती है। इससे आपको एकाग्रता में कमी और निर्णय लेने की क्षमता पर भी असर हो सकता है।

इस तरह का भावनाएं पाचन समस्याएं जैसे अल्सर, एसिडिटी को भी बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

गुस्से को कंट्रोल कैसे किया जाए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप दिनचर्या में कुछ प्रकार के बदलाव करके गुस्से को कंट्रोल कर सकते हैं साथ ही इसके कारण होने वाली समस्याओं के खतरे को भी कम कर सकते हैं। गहरी सांस लेने, मेडिटेशन-योग, नियमित व्यायाम की आदत बनाकर आप गुस्से को नियंत्रित कर सकते हैं।

हालांकि अगर इन उपायों से भी आपको लाभ न मिल रहा हो तो किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह ले लें। कई बार डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी स्थितियां भी गुस्से को बढ़ाने वाली हो सकती हैं जिसका समय पर निदान और इलाज किया जाना जरूरी है। डॉक्टर आपको समस्या के आधार पर दवाओं और थेरेपी के माध्यम से गुस्से को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

दांतों में पीप व खून आता है, उपचार बताएं

प्रश्न : दांतों में पीप और खून आता है। शायद मसूढ़ों में सूजन भी है। उपाय बताएं।

- रघुवीर वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : डेंटल कैरीज में दांतों में कैविटीज बन सकती है। और अन्न के कण जमें होने पर संक्रमण की हमेशा गुंजाइश रहती है। मसूढ़ों में सूजन आने (जिंजिवाइटिस) में मसूढ़े फूल जाते हैं। इसमें कई बार रगड़ने से खून भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। आप ऊंझा दशनसंस्कार चूर्ण में में ऊंझा इरिमेदादी तेल मिलाकर मंजन करें। कुछ देर यह औषधि मुंह में ही रखें। बाद निवाये पानी में नमक डालके कुल्ली करें। मसूढ़ों की सूजन और स्पंजी गमस में सीधे ऊंझा इरिमेदादि तैल मसूढ़ों पर लगाएं। इससे जरूर आराम मिलेगा। खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, आंवला आदि का प्रयोग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 69 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑन्कोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।

- डी बागैय्या, हैदराबाद

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में रकर्कटार्बुदर कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती है। यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है। जीभ का कैंसर अक्सर उन लो गों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और ओरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म, पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 74 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- पी रमना रेड्डी, सिद्दीपेट

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 80 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवें। औषध कल्प में आप ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें।

तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कयपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

गौतम अडानी को मिलेगी 'क्लीन चिट'?

ट्रंप सरकार के साथ उनकी टीम की खास मुलाकात

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी को बहुत जल्द रिश्वतखोरी के एक मामले में 'क्लीन चिट' मिल सकती है। अमेरिका की एक अदालत में रिश्वत देने के केस का सामना कर रहे गौतम अडानी की टीम ने हाल में वहां की सरकार के साथ एक खास मुलाकात की है। इस मुलाकात में डोनाल्ड ट्रंप सरकार के अधिकारियों और गौतम अडानी की टीम के बीच इस मामले को लेकर लंबी बातचीत हुई है।ब्लूमबर्ग न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अडानी की टीम ने डोनाल्ड ट्रंप सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर अडानी पर लगे क्रिमिनल चार्ज को हटाने की अपील की है। ये अपील रिश्वत के एक मामले में उनके खिलाफ चल रही जांच को लेकर की गई है।

अडानी की ओर से दी गई है ये दलील

इस मुलाकात के दौरान गौतम अडानी की टीम ने ये बात रखने की कोशिश की है कि रिश्वत देने का ये मामला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रायोरिटी के साथ मैच नहीं होता है। ऐसे में इस मामले पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। गौतम अडानी के रिश्वतखोरी के मामले में बातचीत इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी। लेकिन हाल के हफ्तों में इसने रफ्तार पकड़ी है। अगर इस मुद्दे पर इसी रफ्तार से बातचीत जारी रहती है, तो आने वाले कुछ महीनों में इस मामले पर बड़ा फैसला आ सकता है। गौतम अडानी को क्लीन चिट भी मिल सकती है।जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालते ही इस केस में गौतम अडानी को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई थी। नवंबर 2024 में अमेरिकी जांच एजेंसियों ने गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ रिश्वत देने का ये मामला दर्ज किया था।

क्या है अडानी का 'रिश्वत देने वाला' पूरा केस?

अमेरिकी जांच एजेंसियों ने गौतम अडानी और सागर अडानी के खिलाफ जांच में पाया कि भारतीय कंपनी (अडानी ग्रुप) को पावर सप्लाई के कॉन्ट्रैक्ट निश्चित तौर पर मिलें , इसके लिए दोनों की ओर से भारत में अधिकारियों को करोड़ों में रिश्वत दी गई। इन कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर अडानी ग्रुप ने अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह किया और पैसे जुटाए। इस मामले में अमेरिका के बाजार नियामक ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी को समन किया था।

आईएमएफ बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे परमेश्वरन अय्यर

पाकिस्तान को 11,000 करोड़ की सहायता देने पर विचार करेगा बोर्ड, 9 मई को बैठक

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारत ने इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के बोर्ड में परमेश्वरन अय्यर को अस्थायी डायरेक्टर नॉमिनेट किया है। परमेश्वरन 9 मई को होने वाले आईएमएफ की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। डिप्लोमेटिक लिहाज से शुक्रवार को होने वाली मीटिंग भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि... क्लाइमेट रेजिलिएंस लोन प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान को 1.3 बिलियन डॉलर (करीब 11,000 करोड़) के नए लोन पर विचार होगा। पाकिस्तान के लिए जारी 7 अरब डॉलर (करीब 59 हजार करोड़ रुपए) के राहत पैकेज की पहली समीक्षा भी करनी है। पिछले हफ्ते आईएमएफ में भारत के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन को बर्खास्त कर दिया गया था। इसलिए बोर्ड में भारत की बात रखने के लिए अय्यर का अस्थाई नोमिनेशन किया गया है। परमेश्वरन फिलहाल वर्ल्ड बैंक में भारत की ओर से एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। आईएमएफ एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो देशों को आर्थिक मदद करती है, सलाह देती है और उनकी अर्थव्यवस्था पर नजर रखती है। इस संस्था की कोर टीम कार्यकारी बोर्ड होता है। यह टीम देखती है कि किस देश को लोन देना है, किन नीतियों को लागू करना है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर कैसे काम करना है।इसमें 24 सदस्य होते हैं जिन्हें कार्यकारी निदेशक कहा जाता है। हर एक सदस्य किसी देश या देश के समूह का प्रतिनिधित्व करता है। भारत का एक अलग (स्वतंत्र) प्रतिनिधि होता है। जो भारत की तरफ से आईएमएफ में अपनी बात रखता है। साथ ही यह देखता है कि आईएमएफ की नीतियां देश को नुकसान न पहुंचाएं। किसी देश को लोन देने वाला हो, तो भारत की तरफ से राय देना। सुब्रमण्यन को अगस्त 2022 में आईएमएफ बोर्ड में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन, उनके तीन साल के कार्यकाल के खत्म होने से 6 महीने पहले यानी 30 अप्रैल 2025 को ही उन्हें हटा दिया गया। आईएमएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर 2 मई तक डॉ. सुब्रमण्यम का नाम कार्यकारी निदेशक के रूप में मौजूद था, लेकिन 3 मई से यह पद खाली दिखाया गया है।

मस्क ने एक्स पर डिस्प्ले नेम बदलकर गोरक्लोन रस्ट किया

प्रोफाइल पिक्चर भी बदली, इससे 24 घंटे में गोरख कॉइन की कीमत 100% बढ़ी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना डिस्प्ले नेम बदलकर 'गोरक्लोन रस्ट' कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने अपनी प्रोफाइल पिक्चर भी चेंज कर दी है। दरअसल, इलॉन मस्क ने अपने एआई चैटबॉट गोरख के पैरोडी अकाउंट गोरख को टैग कर लिखा, 'वॉट्सअप गोरख- मैंने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदलकर तुम्हारी तरह कर दी है, इसके बारे में तुम क्या सोचते हो।' इसके जवाब में गोरख ने लिखा, 'अच्छा लग रहा है, लेकिन फिर मस्क ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा, 'अब हमारी प्रोफाइल पिक्चर एक जैसी हो गई है।' इस पर गोरख ने लिखा, 'ब्रो मुझे लगता है कि अब हम ट्विनिंग कर रहे हैं।' इलॉन मस्क के डिस्प्ले नेम और प्रोफाइल पिक्चर बदलने पर सोशल मीडिया यूजर के रिएक्शन आना शुरू हो गए हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि बदला हुआ नाम ग्रोक और रस्ट का कॉम्बिनेशन है। दरअसल, ग्रोक मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई द्वारा बनाया गया एआई चैटबॉट है। वहीं रस्ट- रस्ट प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को रिफर करता है। यह जाहिर तौर पर कंपनी के टेक्निकल इंफ्रास्ट्रक्चर का एक हिस्सा है। कुछ यूजर्स मस्क के बदले हुए नाम को मीम कॉइन गोरख से भी जोड़ रहे हैं। गोरख सोलाना ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर है। ये एक डिसेंट्रलाइज्ड एक्सचेंज (डीईएक्स) है, जहां लोग बैंक या किसी बड़ी कंपनी जैसी सेंट्रल अथॉरिटी की आवश्यकता के बिना क्रिप्टोकरेंसी ट्रेड कर सकते हैं। उन्हें रेडियम, मेटियोरा और पंपस्वैप जैसे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन बेचा जा सकता है।

24 घंटे में गोरख की कीमत 100% बढ़ी, 5.24 रुपए पर पहुंची

जैसे ही मस्क ने अपना डिस्प्ले नेम बदलकर 'गोरक्लोन रस्ट' किया। इसके अगले 24 घंटे में मीम कॉइन गोरख की कीमत में करीब 100% उछाल आया। पहले इसकी कीमत 2.62 रुपए थी, अब यह करीब 5.24 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब इलॉन मस्क ने एक्स पर अपना डिस्प्ले नेम बदला हो। इससे पहले दिसंबर में मस्क ने डिस्प्ले नेम चेंक कर केकिअस मैक्सिमस (केकिअस मैक्सिमस) और फरवरी में हैरी बोल्ज (हैरी बोल्ज़) किया था।

तनाव बढ़ने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लगेगा झटका

भारत की आर्थिक वृद्धि पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। मूडीज ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से देश की आर्थिक गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को झटका लगेगा, क्योंकि उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ सकता है और आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की पाकिस्तान से व्यापारिक साझेदारी बहुत कम है (2024 में कुल निर्यात का 0.5 फीसदी से भी कम), इसलिए भारत की आर्थिक गतिविधियों में कोई बड़ा व्यवधान नहीं आने की संभावना नहीं है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। भारत ने हमल के लिए पांच आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक हैं। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। मूडीज ने कहा, अगर पाकिस्तान भारत के साथ लगातार तनाव में बना रहता है, तो यह उसकी अर्थव्यवस्था और सरकार के वित्तीय सुधारके प्रयासों को कमजोर करेगा। इससे पाकिस्तान की मौद्रिक स्थिरता को झटका लगेगा। पाकिस्तान के हालात में हाल ही में सुधार हो रहा था।

वित्त-मंत्री ने एशियन बैंक से पाकिस्तान की मदद रोकने कहा : सीतारमण बैंक के डायरेक्टर से मिलीं, टेरर फंडिंग रोकने की तैयारी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान की इंटरनेशनल फंडिंग रोकने की रणनीति बना रहा है। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्रमुख से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्मला सीतारमण ने एडीबी के डायरेक्टर मसाटो कांडा से मुलाकात में पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद घटाने की मांग की है। इसके साथ ही निर्मला ने इटली के वित्त मंत्री से मुलाकात जियानकार्लो जियोर्जेटी से पाकिस्तान के फंड रोकने पर चर्चा की है।

पाकिस्तान को एफएटीएफ ग्रे लिस्ट में भेजने की रणनीति बना रहा भारत

पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में भेजने के लिए भारत यूरोपीय देशों के साथ मुलाकात कर रहा है। भारत का आरोप है कि पाकिस्तान को मिलने वाला पैसा आतंकवाद में इस्तेमाल हो रहा है।

इससे पहले भारत पाक के साथ व्यापार रोकने, एयरोस्पेस बैन करने, वीजा निलंबित करने और सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कड़े फैसले ले चुका है।

आईएमएफ बोर्ड में परमेश्वरन अय्यर को अस्थायी डायरेक्टर बनाया

भारत ने इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के बोर्ड में परमेश्वरन अय्यर को अस्थायी डायरेक्टर नॉमिनेट किया है। परमेश्वरन 9 मई को होने वाले आईएमएफ की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। डिप्लोमेटिक लिहाज से शुक्रवार को होने वाली मीटिंग भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि... क्लाइमेट रेजिलिएंस लोन प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान को 1.3 बिलियन डॉलर (करीब 11,000 करोड़) के नए लोन पर विचार होगा।

पाकिस्तान के लिए जारी 7 अरब डॉलर (करीब 59 हजार करोड़ रुपए) के राहत पैकेज की पहली समीक्षा भी करनी है।

पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड पर दोबारा विचार करने कहा इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की 9 मई को अहम बैठक होनी है। भारत ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 1.3 बिलियन डॉलर के ऋणों पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि इस पर दोबारा विचार किया जाए, क्योंकि पाकिस्तान को मिलने वाला पैसा आतंक को बढ़ावा देने में इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि आईएमएफ ने भारत के अनुरोध को मानने से इंकार कर दिया है। वह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 मई को पाकिस्तान को दिए जा रहे लोन का रिव्यू करेगा।

पाकिस्तान को चौतरफा घेरने की तैयारी में भारत

भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह आईएमएफ समेत ग्लोबल मल्टीलेटरल एजेंसियों (वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक) से पाकिस्तान को दिए गए फंड और लोन पर पुनर्विचार करने के लिए कहेगा। क्योंकि भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी राज्य को कूटनीतिक रूप से घेरना चाहता है।

शेयर बाजार हरे निशान पर हुआ बंद; सेंसेक्स 294 अंक चढ़ा, निफ्टी में 114 अंक की तेजी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। विदेशी कोषों का निवेश जारी रहने और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज गिरावट आने के बीच सोमवार को सेंसेक्स में 295 अंक और निफ्टी में 114 अंक की तेजी दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 294.85 अंक यानी 0.37 प्रतिशत चढ़कर 80,796.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 547.04 अंक बढ़कर 81,049.03 अंक पर पहुंच गया था।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 114.45 अंक यानी 0.47 प्रतिशत बढ़कर 24,461.15 अंक पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 259.75 अंक बढ़कर 80,501.99 अंक पर और एनएसई निफ्टी 12.50 की मामूली बढ़त के साथ 24,346.70 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स के शेयर में सर्वाधिक 6.29 प्रतिशत की तेजी देखी गई। यह तेजी

रिश्वतखोरी की जांच में आपराधिक आरोपों को खारिज करने की मांग करने के लिए अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से गौतम अदाणी के प्रतिनिधियों के मिलने की खबरों के बीच आई। अदाणी समूह की अन्य सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटर्नल (जोमैटो), पावर ग्रिड, आईटीसी, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर भी लाभ में रहीं। कोटक महिंद्रा बैंक में 4.57 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। निजी क्षेत्र के इस बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 7.57 प्रतिशत गिर गया है। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन और इंडसइंड बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,769.81 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की।अनुकूल वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू बुनियादी आंकड़ों के बीच विदेशी निवेशकों ने अप्रैल महीने में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 4,223 करोड़ रुपये डाले हैं और तीन माह बाद वे पहली बार शुद्ध लिवाल बने हैं।इसके पहले इस साल मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की लगातार शुद्ध निकासी देखी गई थी।यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार काफी तेजी के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.45 प्रतिशत गिरकर 60.40 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

अडानी की इस कंपनी के शेयर में आ गई तूफानी तेजी

चौथी तिमाही में मुनाफे का दिखाई दिया असर

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सोमवार को शेयर मार्केट हरे निशान पर खुली। इसी के साथ कई कंपनियों के शेयर में भी जबरदस्त तेजी देखी गई। खासतौर से उनमें जिन्हें वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में मुनाफा हुआ है। इसी में अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) का शेयर भी शामिल है। सोमवार को इसमें बाजार खुलने के दो घंटे के अंदर ही करीब 7 फीसदी की तेजी आ गई। शुक्रवार को यह शेयर 1267.05 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह तेजी के साथ 1297.50 रुपये पर खुला।

लेकिन कुछ ही देर में इसमें थोड़ी गिरावट भी आई और यह 1285.30 रुपये पर आ गया। लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आती गई। देखते ही देखते यह तेजी 6 फीसदी को भी पार कर गई। सोमवार सुबह 11:15 बजे यह शेयर करीब 7 फीसदी की तेजी के साथ 1354.80 रुपये पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को भी इस शेयर में 4.4% की तेजी आई थी। अडानी पोर्ट्स निफ्टी इंडेक्स में सबसे आगे रहा था। अब कंपनी ने साल 2025 में हुए सारे नुकसान की भरपाई कर ली है। इस साल अब तक इस कंपनी के शेयर में 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी है। वहीं पिछले एक

महीने में शेयर 20% से ज्यादा बढ़े हैं। अडानी पोर्ट्स ने पिछले हफ्ते वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए थे। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में उनका मुनाफा 50% बढ़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस साल मुनाफा 3,023 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 2,025 करोड़ रुपये था। कंपनी की कमाई 23% बढ़कर 8,488 करोड़ रुपये हो गई। ईबीआईटीडीए (अर्निंग्स बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन) 24% बढ़कर 5,006 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि एफवाई25 में 11,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का पीएटी (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) और 450 एमएमटी (मिलियन मीट्रिक टन) कार्गो का रेकॉर्ड प्रदर्शन किया। कंपनी के लॉजिस्टिक्स विभाग की कमाई लगभग दोगुनी होकर 1,030 करोड़ रुपये हो गई।

अपने ऑल टाइम हाई से 5,366 नीचे आया सोना

93,734 प्रति 10 ग्राम बिक रहा, चांदी 407 गिरकर 93,718 किलो पर आई

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 5 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 220 बढ़कर 93,734 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,954 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 407 गिरकर 93,718 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 94,125 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,880 रुपए है। मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,730 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,730 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,730 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,780 रुपए है।

हैदराबाद में सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 95730 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 87750/10 ग्राम।

उदय कोटक ने रियल एस्टेट सेक्टर में मचाया तहलका

कर डाली देश की सबसे महंगी प्रॉपर्टी डील

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर बैंकर उदय कोटक ने रियल एस्टेट सेक्टर में तहलका मचा दिया है। देश के टॉप प्राइवेट बैंकों में से एक कोटक बैंक के फाउंडर ने मुंबई के वर्ली सी फेस पर एक पूरी इमारत खरीद ली है। इसके लिए उन्होंने 400 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं। पहले कोटक परिवार ने इस बिल्डिंग में जनवरी और सितंबर में 24 में से 13 अपार्टमेंट खरीदे थे। तब उन्होंने लगभग 2.72 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से भुगतान किया था। अब उन्होंने बाकी के 8 अपार्टमेंट भी खरीद लिए हैं। इस बार उन्होंने 2.75 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से भुगतान किया है। यह एक नया रिकॉर्ड है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक दस्तावेजों से पता चला है कि ये नए सौदे 8 अप्रैल और 21 अप्रैल को हुए थे। इन अपार्टमेंट की कीमत 12 करोड़ रुपये से लेकर 27.59 करोड़ रुपये तक है। ये अपार्टमेंट 444 वर्ग फुट से लेकर 1,004 वर्ग फुट तक के हैं। इन आठ सौदों की कुल कीमत 131.55 करोड़ रुपये है। इस पूरी इमारत के लिए 400 करोड़ रुपये से ज्यादा का सौदा हुआ है। इस इमारत में सबसे बड़ा अपार्टमेंट 1,396 वर्ग फुट का है। इसे 38.24 करोड़ रुपये में बेचा गया है। सबसे छोटा फ्लैट 173 वर्ग फुट का है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-51
सूर्यास्त - 18-34
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	04-36 बजे
चंद्र-	सिंह मे	वृष---	06-20 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	08-21 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	10-33 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	12-45 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	14-52 बजे
शनि-	मीन मे	तुला-----	16-57 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	19-08 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु......	21-21 बजे
		मकर...	23-27 बजे
		कुंभ....	01-17 बजे
		मीन....	02-56 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 08-37 तक उपरान्त दशमीं
मास - वैशाख शुक्ल , मंगलवार 06 May
नक्षत्र - मघा 15-51 तक उपरान्त पू.फाल्गुनी
योग - धुव्र 00-29 तक उप व्याघात
करण- कौलव 08-38 तक तैतिल
विशेष:- मेष मे बुध रात मे
व्रत -त्योहार - पूर्ण रवि योग

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 17:01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:51 - 07:25	अशुभ	काल	18:34 - 20:01	अशुभ
उत्पात	07:25 - 09:01	अशुभ	लाभ	.20:01 - 21:25	शुभ
चंचल	09:01 - 10:37	शुभ	उद्वेग	21:25 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:37 - 12:13	शुभ	शुभ.	22:49 - 00:13	शुभ
अमृत	12:13 - 13:49	शुभ	अमृत.	00:13 - 01:37	शुभ
काल	13:49 - 15:25	अशुभ	चंचल	01:37 - 03:01	शुभ
शुभ	15:25 - 17:01	शुभ	रोग.	03:01 - 04:24	अशुभ
रोग.	17:01 - 18:34	अशुभ	काल.	04:24 - 05:51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें। अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेह्तर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे । इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रवाना होने से पहले सीएम साय के हेलिकॉप्टर में खराबी

दूसरे हेलिकॉप्टर से हुए रवाना, गांव में पेड़ के नीचे चौपाल लगाई, सुनी समस्याएं

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार के तीसरे चरण की शुरुआत हो गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ सरकार अब जनता के बीच पहुंच रही है। मुख्यमंत्री साय ने खुद सक्ती जिले के करिगांव में पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर लोगों की समस्या सुनीं।

हालांकि, रवाना होने से पहले उनके हेलिकॉप्टर में खराबी जिसके बाद उन्होंने दूसरे हेलिकॉप्टर से उड़ान भरी। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में सरकार के सुशासन तिहार में अब तक 33 जिलों से 40 लाख समस्याएं आई हैं। इन समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। हेलिकॉप्टर में खराबी आने पर पायलट और ग्राउंड स्टाफ टेक्निकल फॉल्ट को देखता रहा। इस वजह से करीब 1 घंटे देरी हुई। इसके बाद भी जब खराबी ठीक नहीं हुई तो सीएम दूसरे हेलिकॉप्टर से अफसरों के साथ जांजगीर के लिए रवाना हुए। सीएम विष्णुदेव साय के साथ

चीफ सेक्रेटरी अमिताभ जैन, प्रिंसिपल सेक्रेटरी सुबोध सिंह और पी दयानंद मौजूद रहे।

सक्ती जिले के करिगांव में जब सीएम पहुंचे तो पेड़ के नीचे चौपाल लगाई गई। गांव वालों की खाट पर सीएम बैठे और सीनियर आईएएस खड़े रहे। कलेक्टर एसपी भी मौके पर पहुंचे। एक-एककर लोगों से सीएम बात करने लगे। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने नोनी मैया दाई मंदिर के सौंदर्यीकरण की घोषणा की।

ग्रामीणों की शिकायत पर कहा कि, अब से पटवारी को सप्ताह में एक दिन गांव में बैठकर राजस्व मामलों का निराकरण करना होगा। मुख्यमंत्री ने यहां नया ग्राम पंचायत भवन निर्माण की घोषणा भी की।

सीएम ने किसानों से चर्चा में गिरते भूजल स्तर पर चिंता जताते हुए कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर ध्यान देने की सलाह दी। गांव में तालाब के किनारे की जमीन को लेकर आई शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को नापजोख करने और समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री चौपाल के बाद महिला सोनाई बाई के घर गए। सोनाई बाई का पीएम आवास योजना के तहत मकान बना है। सीएम साय ने पूछा कि क्या महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि मिल रही है। इस पर सोनाई बाई ने बताया कि, उन्हें नियमित रूप से यह राशि मिल रही है।

चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए आवास की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, सर्वेक्षण 15 मई 2025 तक चल रहा है। जिसमें वे सभी लोग अपना नाम दर्ज कराएं जो अब तक इस योजना से वंचित हैं। पात्रता के अनुसार सभी को आवास देने का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा।

झरिया के कोयला खदान में मिला अज्ञात शव

माइंस रेस्क्यू टीम ने दुर्गम स्थान से निकाला हत्या या आत्महत्या की जांच जारी

धनबाद, 5 मई (एजेंसियां)। धनबाद के झरिया में देव प्रभा आउटसोर्सिंग बस्ताकोला साइड फेस में सोमवार सुबह एक अज्ञात शव मिला। मजदूरों ने सबसे पहले शव को देखा। उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी। शव दुर्गम स्थान पर फंसे होने के कारण बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। टीम ने सावधानीपूर्वक शव को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही बीसीसीएल के अधिकारी और झरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन का मानना है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। उनका कहना है कि साक्ष्य मिटाने के लिए हत्या के बाद शव को खदान में फेंका गया होगा। पुलिस आत्महत्या की संभावना की भी जांच कर रही है। झरिया थाना प्रभारी के अनुसार, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

शिक्षा विभाग का हेड क्लर्क रिश्वत लेते पकड़ाया

चपरासी से वेतन भुगतान करने के लिए मांगे थे 20 हजार, एसीबी ने की कार्रवाई

रायगढ़, 5 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शिक्षा कार्यालय में पदस्थ हेड क्लर्क को एसीबी ने 10 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। माध्यमिक स्कूल के चपरासी से वेतन भुगतान रिलीज करने के लिए 20 हजार रुपए की डिमांड की थी। सोमवार को हेड क्लर्क दूसरी किश्त ले रहा था।

बताया जा रहा है कि खरसिया क्षेत्र के हालाहुली माध्यमिक शाला में कलेक्टर दर पर पदस्थ भृत्य उसुराम केंवट का वेतन साल 2014 से 2017 तक रुका हुआ था। जिसके बाद चपरासी उसुराम ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उसके वेतन भुगतान करने का आदेश होने के बाद भी उसे भुगतान नहीं किया गया।

शिक्षा विभाग में पदस्थ हेड क्लर्क एमएस फारूखी ने उससे 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। जिस पर 15 हजार रुपए में उनके बीच सहमति बनी। इसके बाद उसुराम ने उसे पहले 5 हजार रुपए दिया, लेकिन उसके बाद भी

उसका वेतन भुगतान नहीं हो सका।

अब दूसरी किश्त देने से पहले उसने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत कर दी। जिसके बाद आज दूसरी किस्त 10 हजार रुपए देते समय एसीबी ने हेड क्लर्क को ट्रैप कर लिया। फिलहाल, मामले में आगे की जांच की जा रही है। जिले में लगभग 6 महीने के अंदर एसीबी की लगातार यह 7वी कार्रवाई है। इससे पहले एक डिप्टी रेंजर, एक रेंजर, एक पटवारी, एक नापतौल निरीक्षक और एक स्कूल के लिपिक को रिश्वत लेते हुए बिलासपुर एसीबी बिलासपुर ने गिरफ्तार किया था। एसीबी सूत्रों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यह एक्शन जारी रहेगा।

शादी से लौट रहे स्कॉर्पियो को ट्रक ने मारी टक्कर

6 से अधिक लोग हुए घायल, गिरिडीह के बेंगाबाद में हादसा, सभी का चल रहा इलाज

गिरिडीह, 5 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह के बेंगाबाद - मधुपुर एनएच में डाकबंगला के समीप शादी से लौट रहे एक स्कॉर्पियो वाहन को ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो पलट गया। इसमें सवार आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची बेंगाबाद पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के एम्बुलेंस से अस्पताल भेज दिया। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को छोड़कर फरार हो गया।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो में 9 लोग सवार थे। सभी मधुपुर से शादी समारोह में शामिल होने रांची गए थे। वहीं से वापस घर लौटने के क्रम में विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो वहीं पलट गया और सभी लोग स्कॉर्पियो के अंदर फंस गए। दुर्घटना की आवाज सुनकर आस-पास के लोग आए और मदद की। वहीं इसकी जानकारी बेंगाबाद थाना की पुलिस को दी गई। इस बीच ट्रक चालक ट्रक को छोड़कर वहां से फरार हो गया।

इधर घटना की सूचना मिलने के बाद बेंगाबाद थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जेसीबी मशीन के माध्यम से पलटा हुआ स्कॉर्पियो को सीधा करवाया। इसके साथ ही वाहन में फंसे मधुपुर निवासी मो. मोईन, मो. गुड्डू, फरजाना परवीन, गौस रजा, शाहिदा खातून एवं फरजाना परवीन को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

बताया गया कि इन सभी घायलों का इलाज गिरिडीह सदर अस्पताल और नवजीवन हॉस्पिटल में चल रहा है।

11 हजार वोल्ट ने ली बाप-बेटे की जान

बिजली विभाग की लापरवाही से हादसा, घर में थी शादी, डीजल लेने जा रहे थे दोनों

पलामू, 5 मई (एजेंसियां)। पलामू में 11 हजार वोल्ट की तार ने बाप-बेटे की जान ले ली। घटना उत्तर कोयल मुख्य नहर स्थित मुखर्जी पुल के समीप खरगड़ा गांव के पास घटी है। इस हादसे ने सिमरसोत गांव निवासी 45 वर्षीय बिंदु मेहता व 12 वर्षीय उनका बेटे बिपिन मेहता की जान ले ली।

जानकारी के मुताबिक आज बिंदु मेहता की भतीजी की शादी है। बारात आने वाली है। इसी को लेकर दोनों शादी में जेनरेटर के लिए अहले सुबह तेल लाने जा रहे थे। जिस रास्ते वे बाइक से जा रहे थे वहीं 11 हजार वोल्ट का तार गिरा हुआ था। दोनों उसी की चपेट में आ गए। तार में करंट होने की वजह से आग लग गई और दोनों वही जल गए।

घटना से ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग को लगातार सूचना देने के बावजूद तार को दुरुस्त नहीं किया जाता है। जिससे इस तरह की घटनाएं होती है।

घटना की सूचना मिलते ही हैदरनगर के अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार, थाना प्रभारी अफजल अंसारी पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया है।

ग्रामीणों ने बताया कि सेमरसोत गांव निवासी बिंदु मेहता की भतीजी की आज बारात आने वाली थी। बिंदु मेहता अपने इकलौते बेटे बिपिन मेहता को बाइक पर साथ लेकर अहले सुबह डीजल तेल लेने जा रहे थे। जिससे शादी में जेनरेटर में तेल की कमी नहीं हो सके।

घटना की सूचना मिलते ही बिंदु मेहता के परिवार सहित गांव के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। घटना से गांव में मातम का माहौल है। बिंदु मेहता के घर शादी की खुशी मातम ने बदल गई है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने एवं परिजनों को हर संभव मदद व मुआवजा दिलाने की बात कही है।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए विद्युत विभाग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने व कड़ी कार्रवाई कराने की मांग की है।

हाथी ने ली महिला की जान

मवेशी ढूंढने गई थी जंगल में, झुंड से बिछड़ा हाथी हुआ आक्रामक, वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

हजारीबाग, 5 मई (एजेंसियां)। झारखंड में हाथी का उत्पात लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को झुंड से बिछड़े एक हाथी ने 55 वर्षीय महिला को चपेट में ले लिया। हाथी ने महिला को कुचल कर मार डाला। घटना टाटीझरिया प्रखंड स्थित खैरा पंचायत के सिमराढाब गांव की है। मृतका की पहचान दशमी देवी के रूप में की गई है। दशमी अपनी गाय को ढूंढने जंगल की ओर गई थी और इसी दौरान हाथी ने उसे अपनी चपेट में लिया।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। वन विभाग ने हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के कारण उनकी फसलें और संपत्ति नष्ट हो रही है।

वहीं, खैरा पंचायत की मुखिया कुमारी माधुरी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने प्रशासन से मृतका के परिवार को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। वन विभाग से क्षेत्र में हाथियों की निगरानी बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

गांव के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है

वन विभाग ने इस समस्या से निपटने के लिए एक स्थायी कार्ययोजना बनाने की बात कही है। फिलहाल गांव के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है। विभाग ने लोगों को जंगल में अकेले न जाने की सलाह दी है।

जीएस इलेक्ट्रॉनिक्स के दुकानदार को नकाबपोश बदमाशों ने मारी गोली, मौके पर मौत

साहिबगंज, 5 मई (एजेंसियां)। नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित चाणक्या होटल के आगे दो अपराधियों ने रविवार की रात लगभग 8 बजे दुकान में घुस कर दुकानदार को गाली मार दी, जिसमें दुकानदार की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। इसके पहले घायल को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार संजीव कुमार साह उर्फ गुड्डू साह अपने मकान के नीचे जीएस इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से दुकान चलाता था। रोज की तरह रविवार को भी वह दुकान में बैठे थे। तभी दो नकाबपोश अपराधी वहां बाइक से पहुंचे। दुकान में घुसते ही काले रंग के गमछे से चेहरा ढंके अपराधी ने दुकानदार को गाली मार दी। गोली दुकानदार के दाहिने सीने में लगी। इसके बाद दोनों बदमाश वहां से फरार हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों और दूसरे दुकानदारों ने उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नगर और जिरवाबाड़ी थाने की पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के दुकानों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दोनों बदमाशों के आने, गोली मारने और फिर फरार होने की तस्वीर कैद है। हालांकि दोनों ने अपना चेहरा ढक रखा था। इधर सूचना मिलते ही एसपी अमित कुमार सिंह ने घटना स्थल पहुंच मामले की जांच-पड़ताल और असपास के लोगों से पूछताछ की है।

रायपुर-दुर्ग, बिलासपुर संभाग के जिलों में ऑरेंज अलर्ट

2 दिन अंधड़ चलेगी, ओले गिरेंगे बस्तर-सरगुजा में बौछारें पड़ेंगी

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो दिन यानी आज और कल अंधड़, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने रायपुर-दुर्ग और बिलासपुर संभाग के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों में यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ की वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदला हुआ है।

अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में बदलाव के आसार नहीं है। उसके बाद दिन के तापमान में 1 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। रविवार को प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान बालोद और रायपुर में 37 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में दर्ज किया गया है।

सुप्रीम-कोर्ट के जस्टिस बोले-ईडी बिना सबूत के आरोप लगाती है

कहा-यह एक पैटर्न सा हो गया, छत्तीसगढ़ शराब-घोटाले में 2 दिन में सबूत पेश करें

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में बंद आरोपी अरविंद सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस ने प्रवर्तन निदेशालय के इनवेस्टीगेशन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। जस्टिस अभय एस. ओका ने कहा कि, ईडी बिना सबूत के आरोप लगाती है। यह एक पैटर्न है।

दरअसल, सुनवाई के दौरान ईडी के वकील एसवी राजू ने आरोपी के खिलाफ सबूत पेश करने का समय मांगा था। इस दौरान जस्टिस ने ईडी की जांच पर सवाल खड़े किया। वहीं, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को 2 दिन में सबूत पेश करने का समय दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि, हम प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज किए गए अनगिनत मामलों में यही देख रहे हैं कि आप बिना किसी सबूत के सिर्फ आरोप लगाते हैं। यह एक पैटर्न सा हो गया है।

बता दें कि, पिछली सरकार के दौरान ईडी की जांच में यह सामने आया था कि प्रदेश के आबकारी विभाग में 2000 करोड़ से अधिक के राजस्व का नुकसान सरकार को हुआ है।

वहीं, ईडी ने इसमें तत्कालीन आईएएस अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी कारोबारी अनवर ढेबर और अरविंद सिंह समेत नेताओं-मंत्रियों के सिंडिकेट का खुलासा किया था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

ईडी के मुताबिक ऐसे होती थी अवैध कमाई

पार्ट-ए कमीशन

सीएसएमसीएल यानी शराब की खरीद और बिक्री के लिए राज्य निकाय द्वारा उनसे खरीदी गई शराब के प्रति 'केस' के लिए डिस्टिलर्स से रिश्वत ली जाती थी।

पार्ट-बी कच्ची शराब की बिक्रीः बेहिसाब 'कच्ची ऑफ-द-बुक' देसी शराब की बिक्री हुई। इस मामले में सरकारी खजाने में एक भी रुपया नहीं पहुंचा और बिक्री की सारी रकम सिंडिकेट ने हड़प ली। अवैध शराब सरकारी दुकानों से ही बेची जाती थी।

पार्ट-सी कमीशनः शराब बनाने वालों से कार्टेल बनाने और बाजार में निश्चित हिस्सेदारी दिलाने के लिए रिश्वत ली जाती थी। एफएल-10 ए लाइसेंस धारकों से कमीशन ली गई, जिन्हें विदेशी शराब के क्षेत्र में कमाई के लिए लाया गया था।

डॉ. कुमकुम विद्यार्थी के घर में लगी आग

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। बरियातू के पुराना मिलिट्री कैंप इलाके में डॉ. कुमकुम विद्यार्थी के मकान में रविवार रात अचानक आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग लगते ही घर के गार्ड ने शोर मचाया। इसके बाद डॉ. कुमकुम अपने पति डॉ. राजमोहन और परिवार के दो अन्य सदस्य के साथ तुरंत घर से बाहर निकल आई, जिससे किसी तरह का बड़ा हादसा नहीं हुआ। आगलगी की घटना के तुरंत बाद डॉ. कुमकुम ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची और लगभग 1 घंटे तक की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी।

संपत्ति विवाद में भाजपा नेता के मारपीट का वीडियो

भाई और उसके परिवार की महिलाओं से की गाली-गलौज और बदसलूकी, थाने में शिकायत

बिलासपुर, 5 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता नवीन मसीह पर गुंडागर्दी, मारपीट और दहशत फैलाने का आरोप लगा है। आरोप है कि नवीन ने जमीन विवाद को लेकर अपने ही सगे भाई राकेश मसीह, उनकी पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट और बदसलूकी की। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। घटना को लेकर तारबाहर थाने वीडियो के साथ शिकायत की गई है, जिस पर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। मामला पारिवारिक जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। नवीन मसीह और राकेश मसीह सगे भाई हैं। दोनों एक ही मोहल्ले में रहते हैं। दोनों के बीच लंबे समय से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा

है। जानकारी के अनुसार, राकेश अपना मकान बनवा रहा था, जिसे लेकर नवीन ने आपत्ति जताई। इसी बीच रविवार को यह विवाद हिंसक रूप ले लिया, जब नवीन मसीह अपने साथियों के साथ राकेश मसीह के घर में घुस गया और वहां मौजूद राकेश मसीह उसके परिवार की महिलाओं और बच्चों के साथ गाली-गलौज और हाथापाई करने लगा।

इसी उसने परिवार को जान से मार डालने की भी धमकी दी। इस पूरी घटना का वीडियो मोबाइल से रिकॉर्ड हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिलाएं जान बचाने के लिए चीख रही हैं और बच्चे डरे हुए हैं।

तारबाहर मोहल्ले के लोगों ने आरोप लगाया है कि नवीन मसीह वर्षों से मोहल्ले में आतंक मचाए हुए है। वह भाजपा नेता होने का धौंस दिखाकर गरीबों और कमजोर वर्ग के लोगों को डराता-धमकाता है। मोहल्लेवासियों के मुताबिक, वह जबरन वसूली, नशाखोरी और महिलाओं से दुर्व्यवहार करता है। स्थानीय रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

नक्सल ऑपरेशन के दौरान प्रेशर बम ब्लास्ट

बीजापुर, 5 मई (एजेंसियां)। बस्तर में चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान प्रेशर आईईडी विस्फोट में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों, थानसिंह और अमित पांडे, को तत्काल रेस्क्यू कर बीजापुर जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया। दोनों के पैरों में गंभीर चोटें हैं, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर है। घटना तेलंगाना-बीजापुर सीमा पर कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में हुई, जहां पिछले 14 दिनों से एसटीएफ, डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम माओवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चला रही है।

मंत्री चमरा लिंडा ने किया आदिवासी कॉलेज छात्रावास का औचक निरीक्षण

अनियमितता पर जताई नाराजगी

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने रविवार को बुंडु स्थित आदिवासी कॉलेज छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की मूलभूत सुविधाओं, प्रबंधन व्यवस्था और विद्यार्थियों की स्थिति का गहराई से आकलन किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री लिंडा ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं, जरूरतों और सुझावों को गंभीरता से सुना। छात्रों ने भोजन, पढ़ाई, स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी कई अहम बातें रखीं, जिन पर मंत्री ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी इस राज्य का भविष्य हैं। हमारी सरकार आपकी शिक्षा, सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। हमारी कोशिश है कि सभी छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण खानपान, अध्ययन के लिए उपयुक्त वातावरण, पुस्तकालय, स्वच्छता और समुचित देखरेख सुनिश्चित हो। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही सभी आदिवासी छात्रावासों में रसोइया, पुस्तकालयाध्यक्ष, वार्डन और सफाईकर्मियों की स्थायी नियुक्ति सुनिश्चित करेगी। इसके साथ ही बच्चों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विशेष बैठक कर योजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान लिंडा ने छात्रावास के नए भवन निर्माण कार्य में पाई गई अनियमितताओं पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री लिंडा ने अपने संघर्षों की कहानी साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मैं भी आप लोगों की तरह एक साधारण आदिवासी परिवार से आता हूं। जो कुछ भी आज हासिल किया है, वह माता-पिता के त्याग और अपनी मेहनत का नतीजा है।

अमेरिका की सबसे खतरनाक जेल फिर क्यों खोल रहे ट्रम्प

62 साल पहले बंद हुई थी अल्कट्राज, चम्मच-रेनकोट की मदद से फरार हुए थे 3 कैदी

वॉशिंगटन, 5 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अल्कट्राज जेल को फिर से खोलने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वे यहां सबसे खतरनाक अपराधियों को रखेंगे। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने जस्टिस डिपार्टमेंट, FBI और होमलैंड सिक्योरिटी को आदेश दिया है कि वे मिलकर अल्कट्राज को फिर से तैयार करें।

ट्रम्प ने कहा कि अल्कट्राज को फिर से खोलने का मतलब सही मायने में कानून व्यवस्था को बहाल करना है। अमेरिका ने हाल ही में सेंट्रल अमेरिकी देश अल सल्वाडोर के साथ हिंसक अपराधियों और अवैध अप्रवासियों को रखने का करार किया था।

ट्रम्प ने कहा कि खतरनाक अपराधियों को देश में रखना मजबूरी बन जाती है क्योंकि कई 'बदमाश जज' केस की सुनवाई के दौरान बार-बार कैदियों को पेश होने के लिए बुलाते हैं। इससे देश पर बोझ बढ़ता है।

अल्कट्राज को अमेरिका की सबसे सख्त जेलों में गिना जाता था, जहां सबसे खतरनाक कैदियों को रखा जाता था। इसे 'द रॉक' नाम से भी जाना जाता है। यह कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में एक द्वीप पर स्थित है। 1934 से 1963 तक इस जेल का इस्तेमाल होता रहा। बहुत ज्यादा खर्च और रखरखाव की दिक्कतों की वजह से इसे बंद कर दिया गया। इस जेल में इतालवी-अमेरिकी माफिया सरगना अल कैपोन, कुख्यात गैंगस्टर जॉर्ज 'मशीन गन' केली, रॉबर्ट स्ट्राउड रखे गए थे। स्ट्राउड ने इसी जेल में रहकर पक्षियों पर बेहद चर्चित किताब 'डाइजेस्ट ऑन द डिजीज ऑफ बर्ड्स' लिखी थी। इसके बाद उसका नाम 'बर्डमैन ऑफ अल्कट्राज' रख दिया गया था।

यहां पर कैदियों को कड़ी निगरानी में रखा जाता था। उन्हें आपस में बात करने की अनुमति नहीं थी। कई कैदियों को महीनों तक अकेले अंधेरे कमरे में रखा जाता था। इस वजह से वहां रहने वाले कैदियों को मानसिक बीमारियां हो गईं। कई लोगों ने जेल में आत्महत्या कर ली। कई कैदियों ने जेल से भागने की कोशिश की, जिनमें से ज्यादातर मारे गए या पकड़े गए। अल्कट्राज से भागने का सबसे चर्चित मामला 11 जून 1962 को हुआ था। फ्रैंक मॉरिस, जॉन एंगलिन और क्लेरेंस एंगलिन जेल से फरार हो गए थे।

इन कैदियों के भागने की कहानी साल 1960 में शुरू हुई थी जब फ्रैंक मॉरिस नाम का कैदी जेल लाया गया था। उसने इस जेल में रहने वाले तीन और कैदियों जॉन ऐंग्लिन, क्लेरेन्स ऐंग्लिन और ऐलन वेस्ट से दोस्ती की। दिसंबर 1961 में इन चारों ने जेल से भागने का प्लान बनाया।

दरअसल उन्होंने देखा कि जेल के कमरे में बने वेंटिलेशन में एक जाली है, जहां से बाहर निकला जा सकता है।

जेल एक आइलैंड पर बना हुआ था। उमस ज्यादा होने की वजह से सीमेंट कमजोर हो जाता था जिस वजह से जाली को आसानी से हटाया जा सकता था।

फीनिक्स के उपनगरीय इलाके के रेस्तरां में खूनी खेल

हमलावरों ने नौ लोगों को मारी गोली

वाशिंगटन, 5 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना ने सभी को हिलाकर रख दिया है। इस बार एक रेस्तरां में फायरिंग हुई है। वारदात में नौ लोगों को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि रविवार रात फीनिक्स के उपनगरीय इलाके में स्थित एक रेस्तरां में नौ लोगों को गोली मारी गई। ग्लेनडेल पुलिस विभाग के अधिकारी मोरोनी मेंडेज ने घटनास्थल पर ब्रीफिंग के दौरान बताया कि पुलिस को एल कैमरन गिगांटे मैरिस्कोस एंड स्टीकहाउस में शाम करीब 7:45 बजे गोली चलने की सूचना मिली। हताहतों की संख्या तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाई है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि यह संख्या लगभग नौ के करीब हो सकती है। पुलिस का मानना है कि वारदात में एक से अधिक शूटर शामिल थे। मेंडेज ने बताया कि फिलहाल कोई संदिग्ध हिरासत में नहीं है, लेकिन कई लोगों से पूछताछ की जा रही है।

चुनाव की तरफ बढ़ रहा बांग्लादेश

हसीना की पार्टी पर बैन की मांग, छात्रों ने झोंकी ताकत, पूर्व पीएम खालिदा जिया आज लंदन से लौटेंगी

ढाका, 5 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजनीति धीरे-धीरे चुनावों की ओर बढ़ रही है, हालांकि अभी तक चुनाव की आधिकारिक तारीख तय नहीं हुई है। देश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने संकेत दिया है कि चुनाव इस वर्ष दिसंबर या अगले वर्ष जनवरी में हो सकते हैं। शेख हसीना की अवामी लीग और खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) जैसी पारंपरिक पार्टियां इसकी तैयारी में लगी हुई हैं। वहीं छात्र आंदोलन से उभरे नए राजनीतिक दल 'नेशनल सिटिजन पार्टी' (एनसीपी) ने भी खुद को एक अहम ताकत के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी ने सभी 300 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी का दावा किया है। बीएनपी नेता खालिदा जिया सोमवार को लंदन से बांग्लादेश आने वाली हैं।

बांग्लादेश की राजनीति में इस बार छात्र संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती दिख रही है। नेशनल सिटिजन पार्टी ने कॉलेज और गांवों में सक्रियता से अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है। एनसीपी ने यह साफ कर दिया है कि जब तक अवामी लीग को प्रतिबंधित नहीं किया जाता और चुनावी सुधार नहीं होते, वह इस चुनाव को मान्यता नहीं देगा। जमीनी स्तर पर संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने के लिए एनसीपी लगातार सभाएं कर रही है और कट्टरपंथी धार्मिक दलों के साथ गठजोड़ भी कर रही है।

दक्षिणी क्षेत्र के प्रमुख आयोजक हसनत अब्दुल्ला के मुताबिक, सुधार और अवामी लीग पर प्रतिबंध के बिना चुनाव नहीं हो सकते। हम समानांतर रूप से दोनों लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं।' एनसीपी का यह रुख आने वाले चुनावों में राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। अवामी लीग भी चुनाव को लेकर तैयारियां कर रही है।

पाकिस्तान के राजदूत की निकल गई हेकड़ी

भारत को दी थी परमाणु हमले की धमकी अब रूस के सामने लगा रहे बचाने की गुहार

मॉस्को, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान अब भारत के संभावित ऐक्शन को लेकर घबराया हुआ है। पाकिस्तान ने दुनियाभर के देशों में अपने दूतावासों को सक्रिय कर दिया है, ताकि वे उन्हें भारत को मनाने के लिए तैयार कर सकें। इसी कड़ी में मॉस्को में तैनात पाकिस्तानी राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने भारत के साथ तनाव कम करने के लिए रूस से मदद मांगी है। खास बात ये है कि ये वही जमाली हैं, जो दो दिन पहले रूस में बैठकर भारत को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दे रहे थे। लेकिन अब उसी रूस के सामने भारत से बचाने के लिए गिड़गिड़ा रहे हैं। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। विश्लेषक ताजा संकट के सैन्य संघर्ष में बदलने की आशंका जता रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को ऑपरेशनल छूट दे रखी है। यही वजह है कि भारत को परमाणु हमल के धमकी दे रहे रूस में पाकिस्तान के राजदूत की हेकड़ी दो दिन में ही निकल गई है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टास के अनुसार, एक साक्षात्कार में राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने कहा कि रूस की भारत के साथ विशेष रणनीतिक साझेदारी है और पाकिस्तान के साथ भी उसके बहुत अच्छे संबंध हैं।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की रैली

हिंदू विरोधी नारे लगाए, 8 लाख हिंदुओं को भारत भेजने की मांग, मोदी-शाह के पुतलों को कैदी बनाकर घुमाया

टोरंटो, 5 मई (एजेंसियां)। कनाडा को टोरंटो में खालिस्तानी समर्थकों ने रविवार को हिंदू विरोधी रैली निकाली। इस रैली में खालिस्तानियों ने 8 लाख हिंदुओं को वापस भारत भेजने के लिए नारे लगाए। यह रैली टोरंटो के मालटन गुरुद्वारे के पास निकाली गई।

इसमें एक बड़े ट्रक पर जेल का मॉडल बनाया गया था और उसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतले रखे गए थे। इन पुतलों की कैदी की तरह दिखाया गया था। नॉर्थ अमेरिका में हिंदू समुदायों के संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने इसे शर्मनाक बताया है।

पिछले महीने 19 अप्रैल को कनाडा के सरे शहर में लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए थे। मंदिर की बाहरी दीवारों पर स्प्रे पेंट से 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'फ्री पंजाब' के अलावा अन्य भड़काऊ नारे लिखे पाए गए।

इसी दिन सरे शहर में मंदिर की ओर से नगर कीर्तन भी निकाला जाना था। घटना के तुरंत बाद मंदिर प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस विभाग ने घटना को नफरती अपराध मानते हुए शिकायत भी दर्ज की थी।

20 अप्रैल को सरे में 2025 बैसाखी का नगर कीर्तन निकाला गया था। इसमें 5 लाख के करीब सिख शामिल हुए। नगर कीर्तन में भी खालिस्तान समर्थक शामिल हुए। उन्होंने खालिस्तानी झंडे लहराए, और मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की स्टेज भी सजाई।

कई स्थानों पर खालिस्तान समर्थक झंडे, भारत विरोधी नारे और अलगाववादी झांकियां प्रदर्शित की गईं। इनमें से कुछ फ्लोट्स पर सिख अलगाववाद से जुड़े विवादास्पद चेहरों और नारों का खुला प्रदर्शन किया गया।

कनाडा के ब्रैम्पटन में 3 नवंबर 2024 को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया था। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए थे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा कि हम कनाडा सरकार से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। ऐसी घटनाएं हमें कमजोर नहीं कर सकतीं। वहीं विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा की सरकार से पूजास्थलों की रक्षा की अपील की थी। ब्रैम्पटन में भारतीय उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे।

पाकिस्तान पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री

भारत से तनाव के बीच शहबाज को दे सकते हैं बड़बोलेपन से बचने की नसीहत

इस्लामाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। तनाव को कम करने का दुनियाभर के देश प्रयास कर रहे हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि अराघची यहां भारत की सैन्य कार्रवाई के डर से बौखलाए पाकिस्तान को शांति अपनाने और बड़बोलेपन से बचने की नसीहत देंगे। इसके बाद ईरानी विदेश मंत्री भारत आएंगे। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ अहम बैठक करेंगे। इस दौरान वे क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम को लेकर भी बात करेंगे। पाकिस्तान और ईरान के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध हैं। अराघची की यात्रा से दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंध और मजबूत होंगे, सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने बताया कि विदेश मंत्री अराघची क्षेत्रीय देशों के साथ ईरान के सहयोग के रूप में पाकिस्तान और भारत की यात्रा कर रहे हैं। उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीनतम घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस सप्ताह के अंत में शीर्ष ईरानी राजनयिक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। अब्बास अराघची का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई।

जेलेंस्की बोले- मॉस्को आए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा गारंटी नहीं

रूस ने कहा- 9 मई को हमला हुआ तो अगले दिन कीव नहीं बचेगा

मॉस्को, 5 मई (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि रूस के साथ जारी युद्ध को देखते हुए, यूक्रेन 9 मई को विक्ट्री डे परेड में शामिल होने मॉस्को आए किसी भी विदेशी मेहमान की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दे सकता है।

जेलेंस्की ने कहा- रूस में जो कुछ भी होता है, उसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हो सकते। वो आपकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, हम आपको कोई गारंटी नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन ने 9 मई को विक्ट्री डे परेड के दौरान मॉस्को पर हमला किया तो इस कोई भी इस बात की गारंटी नहीं ले पाएगा कि यूक्रेन की राजधानी कीव 10 मई तक सुरक्षित रह पाएगी।

रूस सेकेंड वर्ल्ड वॉर में अपनी जीत के जश्न के तौर पर हर साल 9 मई को विक्ट्री डे परेड सेलिब्रेट करता है। पुतिन ने इस परेड को देखते हुए यूक्रेन के साथ 8 मई लेकर 10 मई तक तीन दिन (72 घंटे) के सीजफायर का ऐलान किया है। इसे लेकर जेलेंस्की का कहना है कि वो रूस के साथ 30 दिन का युद्ध विराम चाहते हैं। हालांकि पुतिन पहले इससे इनकार कर चुके हैं।

इस साल इस परेड में शामिल होने के लिए 20 से ज्यादा देशों के मेहमान रूस पहुंचेंगे, जिनमें चीन, ब्राजील, वेनेजुएला और सर्बिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में न्यूक्लियर हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा- हमने 2022 में जो शुरू किया था, उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए हमारे पास पर्याप्त ताकत है। रूस के सुप्रीम लीडर के तौर पर पुतिन के 25 साल के कार्यकाल पर स्टेट मीडिया ने ₹रूस, क्रेमलिन, पुतिन, 25 साल₹ नाम से एक फिल्म बनाई है। इसमें पुतिन ने कई अलग-अलग मुद्दों पर बात की। 72 साल के पुतिन ने कहा कि वो हमेशा अपने उत्तराधिकारी के बारे में सोचते हैं। पुतिन ने कहा- आखिरकार, चुनाव लोगों के लिए है, रूसी लोगों के लिए। मुझे लगता है कि सिर्फ एक इंसान नहीं बल्कि कई लोग होने चाहिए, ताकि लोगों के पास विकल्प हो। पुतिन रूस की पूर्व खुफिया एजेंसी केजीबी के जासूस रह चुके हैं। उन्होंने 1999 में रूस का राष्ट्रपति पद संभाला था। वो 1999 से 2008 तक रूस के राष्ट्रपति रहे। इसके बाद 2008 से 2012 तक प्रधानमंत्री रहे, और उसके बाद 2012 में फिर से राष्ट्रपति बन गए। वॉर फ्रंट की बात करें दोनों देश लगातार दूसरे पर ड्रोन और मिसाइल से हमला कर रहे हैं। 10 दिन पहले रूस ने यूक्रेन पर इस साल का सबसे बड़ा हमला किया था। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए थे, जबकि 70 से ज्यादा घायल हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने यूक्रेन पर 70 मिसाइल और 145 ड्रोन से हमला किया, जिनका मेन टारगेट राजधानी कीव को निशाना बनाना था।

जंग हुई तो पाकिस्तान की सभी पार्टियां एक हो जाएंगी

पाक सेना और राजनीतिक दलों की बैठक में सहमति, इमरान की पार्टी शामिल नहीं हुई

इस्लामाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने रविवार देर रात मौजूदा हालात के बारे में सभी राजनीतिक दलों को ब्रीफ किया। यह ब्रीफिंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी और सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने दी।

मीटिंग में सभी पार्टियों ने भारतीय हमले की सूरत में जवाबी कार्रवाई करने के लिए अपना समर्थन दिया। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जंग हालात में सभी दलों ने साथ मिलकर संयुक्त मोर्चा बनाने पर भी सहमति जताई।

इस ब्रीफिंग में इमरान खान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई शामिल नहीं हुई। दरअसल पीटीआई इमरान की जेल से रिहाई की मांग कर रही है, जिसे सरकार ने नकार दिया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सभी राजनीतिक दलों ने भारतीय हमले की सूरत में सेना के साथ खड़े होने की बात कही। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने बैठक में कहा सरकार इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों से फीडबैक लेना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में कहा गया कि भारत दुनिया को अपनी बात समझा नहीं पाया है। जबकि पाकिस्तान का पक्ष मजबूत होकर उभरा है। दूसरी तरफ पाक सेना ने भी अपनी तैयारियों को लेकर राजनीतिक दलों को जानकारी दी। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान पर आरोप लगाया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को नकारते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आज इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में बैठक होगी। इस बैठक की मांग पाकिस्तान ने की है, जिसे ग्रीस ने अपनी अध्यक्षता में मंजूरी दे दी है। दूसरी तरफ पाकिस्तान में आज संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि सस्पेंड करने के बाद भारत ने रविवार को चिनाब नदी का पानी रोक दिया। न्यूज एजेंसी जम्मू के रामवन में बने बागलिहार बांध से चिनाब का पानी रोका गया है। वहीं कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है। उधर एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक पीएम और एयरचीफ मार्शल के बीच पहलगाम हमले को लेकर बातचीत हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि, रक्षा मंत्री के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप (देशवासी) जो चाहते हैं वह निश्चित रूप से होगा।

पाकिस्तान ने भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने का दबाव बनाने के लिए अमेरिका से मदद मांगी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 30 अप्रैल को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात की थी।

कुरान की कसम खाकर कहता हूं हम भारतीय सेना के साथ

खैबर पख्तूनख्वा की मस्जिदों से ऐलान कुख्यात लाल मस्जिद से भी बड़ी घोषणा

इस्लामाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। भारत से युद्ध की आशंकाओं के बीच पाकिस्तान की मस्जिदों से होने वाले ऐलान ने पाकिस्तानी सेना के पैरों तले जमीन खिसका दी है। खैबर पख्तूनख्वा, जहां तहरीक-ए-तालिबान का दबदबा है, वहां की मस्जिदों से युद्ध के दौरान भारतीय सेना का साथ देने का ऐलान किया गया है। एक मस्जिद के प्रभावशाली मौलाना का ऐलान सामने आया है, जिसमें वो मस्जिद के अंदर से ऐलान करते हुए कह रहे हैं कि 'कुरान की कसम खाकर कहता हूं अगर भारत हमला करता है तो हम भारतीय सेना का साथ देंगे।' इस दौरान मौलाना के हाथ में कुरान होता है। ये वीडियो खैबर पख्तूनख्वा का है, जहां पाकिस्तान की सेना ने स्थानीय आबादी के खिलाफ क्रूर ऑपरेशन चलाए हैं और बलूचिस्तान की तरह ही सैकड़ों लोगों को गायब करवा दिया है। लिहाजा पाकिस्तान के भीतर उठ रही आवाजें अब साफ-साफ बता रही हैं कि जिन्ना का देश सिर्फ बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से भी टूट रहा है।

गीदड़भभकी दिखाने से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

भारत से तनाव के बीच एक और मिसाइल का परीक्षण किया

इस्लामाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसे में पाकिस्तान गीदड़भभकी दिखाते हुए बड़बोलापन दिखा रहा है। हालांकि भारत के आक्रामक रुख से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। अब अपनी खीझ को छिपाते हुए पाकिस्तान ने एक और बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने का दावा किया है। गौरतलब है कि हाल ही में पाकिस्तान ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल अब्दाली का भी परीक्षण करने का दावा किया था। पाकिस्तान के दावे के अनुसार, उन्होंने सतह से सतह पर मार करने वाली फतह सीरीज की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल की रेंज 120 किलोमीटर है। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया है कि यह मिसाइल परीक्षण एक्सरसाइज इंडस के तहत किया गया। इससे पहले पाकिस्तान ने अपनी अब्दाली मिसाइल का परीक्षण करने का दावा किया था, जिसकी रेंज 450 किलोमीटर है। भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान लगातार उकसावे वाली कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तान उकसावे वाली यह कार्रवाई तब कर रहा है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उसके पास गोला बारूद की भारी कमी है। बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। घटना के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया। इतना ही नहीं भारत ने चिनाब नदी का पानी भी रोक दिया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान बुरी तरह से बौखला गया है और उसने युद्ध की धमकी दी है। पाकिस्तान की सेना बीते 11 दिनों से लगातार सीमा पर गोलीबारी कर अपनी खीझ मिटाने की कोशिश कर रही है।

ईरान ने जखीरे से निकाली महाविनाशक बैलिस्टिक मिसाइल

तेहरान, 5 मई (एजेंसियां)। ईरान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को देश की सबसे नई बैलिस्टिक मिसाइल 'कासिम बसीर' दुनिया को दिखाई है। ईरान के सरकारी टीवी पर रक्षा मंत्री जनरल अजीज नसीरजादेह के साथ एक साक्षात्कार के दौरान इस मिसाइल को दिखाया गया। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल तब दुनिया के सामने आई है, जब रविवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हूती मिसाइल हमले के जवाब में तेहरान को सबक सिखाने की बात कही थी। तेहरान ने मिसाइल का हाल ही में 17 अप्रैल को परीक्षण किया था। सरकारी टीवी पर ईरानी मिसाइल के बारे में जानकारी देते हुए इसकी रेंज कम से कम 1200 किलोमीटर बताई गई। ईरानी रक्षा मंत्री ने कहा कि इसमें रक्षा की परतों को पार करने और एंटी बैलिस्टिक प्रणालियों को आसानी से बायपास करने की क्षमता है। सरकारी टीवी ने बताया कि मिसाइल जीपीएस मार्गदर्शन के बिना और सटीकता के साथ कई लक्ष्यों में से एक को पहचान सकती है और उस पर हमला कर सकती है। खास बात ये है कि हूती विद्रोहियों ने रविवार को यमन से बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी, जो इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे के टर्मिनल के पास गिरी थी।

राजस्थान में भी आएगा 'गुजरात मॉडल' ?

केवड़िया में बीजेपी विधायकों और मंत्रियों को मिलेगी ट्रेनिंग

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकार और संगठन के बेहतर समन्वय, सुशासन और जनसमर्थन बनाए रखने के लिए भाजपा ने एक अनूठी पहल की है। इस बार राजस्थान की पूरी सरकार और भाजपा संगठन के प्रमुख चेहरे खुद गुजरात पहुंचकर 'गुजरात मॉडल' का ककहरा सीखेंगे। इसके लिए राजस्थान बीजेपी के विधायक, मंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री सहित कई संगठन के नेता गुजरात के केवड़िया पहुंच रहे हैं।

दरअसल, 5 से 7 मई तक गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में तीन दिवसीय 'सुशासन प्रशिक्षण शिविर' आयोजित किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उनके मंत्रीमंडल के सदस्य, राजस्थान के 115 भाजपा विधायक, 14 लोकसभा सांसद, 4 राज्यसभा सांसद, 6 समर्थक विधायक और प्रदेश भाजपा संगठन के प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

गुजरात में प्रशिक्षण का क्या है उद्देश्य ?

यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा की सरकार-संगठन समन्वय की रणनीति का हिस्सा है। राजस्थान में लगातार सरकार दोहराने में विफल रही भाजपा, गुजरात से सीख लेकर वहां की तरह स्थायी जनसमर्थन और प्रभावी प्रशासनिक मॉडल अपनाना चाहती है।

नेताओं को क्या-क्या सिखाया जाएगा ?

तीन दिवसीय इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में नेताओं को कई महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन मिलेगा। जैसे- सरकार में सुशासन का संचालन, संगठन में अनुशासन व संवाद व्यवस्था, जनता से लगातार जुड़ाव और फीडबैक सिस्टम, विधायकों से उनकी सरकार पर राय और फीडबैक लेना और आगामी पंचायत और निकाय चुनावों की रणनीति बनाने की गुर सिखेंगे।

प्रशिक्षण देंगे भाजपा के शीर्ष नेता

इस प्रशिक्षण शिविर को भाजपा ने "सुशासन कॉन्फ्रेंस" नाम दिया है। इसमें मार्गदर्शन देने वाले प्रमुख नेता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव, भाजपा संगठन प्रचारक वी. सतीश, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री रत्नाकर के नाम शामिल हैं।

बता दें, गुजरात के केवड़िया की टेंट सिटी-2 के सभी आठ ब्लॉक में राजस्थान के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के ठहरने और प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। यह स्थल सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के निकट स्थित है, जिसे राष्ट्रीय एकता और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

फीडबैक सेशन भी होगा खास आकर्षण

वहीं, प्रशिक्षण सत्र के दौरान एक विशेष फीडबैक सत्र भी रखा गया है, जिसमें विधायकों से उनके ही मंत्रियों और सरकार के कामकाज को लेकर राय ली जाएगी। इससे प्रदेश नेतृत्व को संगठन और सरकार के भीतर कार्यशैली में सुधार के लिए जरूरी इनपुट मिलेंगे।

इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान मुख्यमंत्री, मंत्री और प्रमुख विधायक गुजरात में ही रहेंगे, जिससे राजस्थान में सरकार की नियमित बैठकों पर कुछ समय के लिए विराम रहेगा। लेकिन भाजपा इसे दीर्घकालिक राजनीतिक और प्रशासनिक निवेश मान रही है।

क्या राजस्थान में भी 'गुजरात मॉडल' ?

बताते चलें कि यह आयोजन भाजपा के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत वह राजस्थान में भी गुजरात की तरह स्थिर और जनसमर्थन वाली सरकार बनाना चाहती है। गुजरात में भाजपा 1995 से अब तक लगातार सत्ता में बनी हुई है, जबकि राजस्थान में 1998 से कोई भी पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना सकी है।

'सीएम को वादा निभाना चाहिए'

कोर्ट में पेशी के बाद बोले नरेश मीणा जेल में क्यों बताया जान का खतरा ?

टोंक, 5 मई (एजेंसियां)। देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान हुए थप्पड़ कांड में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की सोमवार को चार्ज बहस को लेकर पेशी नहीं हो पाई। कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच नरेश मीणा को बूंदी जेल ले जाया गया। कोर्ट से बाहर आते समय नरेश मीणा ने मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री को अपना वादा याद दिलाया। साथ ही उन्होंने टोंक जेल में अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए है।

नरेश मीणा ने कहा कि 'मुख्यमंत्री ने जो वादा किया था, उसे निभाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने 23 मार्च को छुड़वाने के लिए कहा था। टोंक जेल में हथियार थे, मेरी जान को खतरा था, इसलिए मैं टोंक जेल से बूंदी जेल शिफ्ट हुआ हूं।' वहीं, नरेश मीणा के समर्थकों का कहना है कि आगामी तारीख 9 मई तक जमानत नहीं होती है तो 15 मई को जयपुर शहीद स्मारक पर आंदोलन किया जाएगा।

कोर्ट से 9 मई की मिली तारीख

नरेश मीणा को आज भी जमानत नहीं मिल पाई। दरअसल, एससी-एसटी कोर्ट में ट्रांसफर होकर आने वाले नए जज ने आज भी कार्यभार नहीं संभाला। जिसके कारण नरेश मीणा के खिलाफ नगरफोर्ट थाने में दर्ज केस नंबर 166 (एसडीएम को थप्पड़ मामला), 167 (आगजनी, तोड़फोड़ मामला) के आरोपों पर चार्ज बहस नहीं हो सकी। इसके लिए कोर्ट से 9 मई की तारीख दी गई है।

समरावता में पिछले साल 13 नवंबर को मालपुरा एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने के मामले में नरेश के खिलाफ नगरफोर्ट थाने मामला दर्ज है। पुलिस ने नरेश मीणा पर जानलेवा हमले की धारा लगाई है। इसको लेकर नरेश मीणा के वकील ने SC-ST कोर्ट में चार्ज बहस कर चुके है। इस मामले में 23 अप्रैल को चार्ज बहस पूरी हो चुकी है।

बागीदौरा विधायक ट्रैप पर सचिन पायलट बोले राजनीति में हो स्वच्छता, जांच से आएगा सच

बांसवाड़ा, 5 मई (एजेंसियां)। बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए ACB द्वारा ट्रैप किए जाने की खबर के बाद सियासी हलकों में हलचल मच गई है। इस प्रकरण पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने प्रतिक्रिया दी है।

सचिन पायलट ने कहा कि राजनीति में जरूरत है कि हम स्वच्छ राजनीति का परिचय दें। जब इस तरीके के प्रकरण सामने आते हैं तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं कि आखिर यह क्या हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि विधायक का ट्रैप होना जांच का विषय है और अगर जांच में आरोप तथ्यात्मक रूप से सिद्ध होते हैं तो यह प्रदेश के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

पायलट ने विधायक राजकुमार रोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस विषय में थोड़ी बहुत जानकारी मिली है और जांच चल रही है। उन्होंने दोहराया कि इस तरह की घटनाएं प्रदेश में नहीं होनी चाहिए और इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था को ठेस पहुंचती है।

एसीबी ने बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है और वे फिलहाल एसीबी की हिरासत में हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मोदी सरकार भारत को वैश्विक एमआईसीई डेस्टिनेशन बनाएगी

मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव में बोले शेखावत

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार भारत को वैश्विक एमआईसीई (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन) डेस्टिनेशन बनाने को लेकर पूर्णतः प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारी विविधता और बुनियादी ढांचा हमारी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हमारी सबसे बड़ी ताकत के रूप में विकसित हो रहा है।

ग्रेट इंडियन ट्रैवल मार्केट (जीआईटीबी) के 14वें संस्करण के तहत आयोजित 'मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव' में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज का भारत न केवल विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर्स और उच्च स्तरीय आतिथ्य सेवाओं से सुसज्जित है, बल्कि बेहतर हवाई और रेल संपर्क के साथ-साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रूप में भी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह एक ऐसा अनोखा संयोजन है, जो दुनिया के बहुत कम देशों के पास है।

भारत अंतरराष्ट्रीय मेजबानी के लिए तैयार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के विभिन्न शहरों में जिस तरह एमआईसीई स्थल बनाए जा रहे हैं, उससे हम अंतरराष्ट्रीय मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चाहे दिल्ली में स्थित भव्य भारत मंडपम और यशोभूमि हो, मुंबई का जिओ वर्ल्ड सेंटर हो, गांधीनगर का महात्मा मंदिर हो या हैदराबाद का इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, ये स्थल जी-20 जैसे वैश्विक शिखर सम्मेलनों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों की मेजबानी के केंद्र के रूप में पूरी तरह तैयार और सक्षम हैं।

व्यापारिक अवसर बढ़ाता है कॉन्क्लेव

शेखावत ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से भारत सरकार जीआईटीबी को विशेष थीम के साथ आयोजित कर रही है, जिससे भारत को एक प्रमुख पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विश्व पटल पर स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जीआईटीबी 2025 और 'मीट इन इंडिया' कॉन्क्लेव न केवल व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि भारत को एक समृद्ध, विविध और अनुभवप्रधान पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'वेड इन इंडिया' का विचार प्रस्तुत किया था, जिसे आधार बनाकर हमने जीआईटीबी का आयोजन किया। नतीजा यह रहा कि भारत में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शादियां संपन्न हुईं, जिसने एक नई तरह के पर्यटन-डेस्टिनेशन वेडिंग टूरिज्म-को जन्म दिया।

इसी साल करेंगे नुकसान की भरपाई

बाद में मीडिया से बातचीत में शेखावत ने पहलगाम आतंकी हमले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस घटना के बाद पर्यटन को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई इसी साल तक कर लेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद भी देश की जनता ने न केवल साहस दिखाया है, बल्कि सरकार में विश्वास भी जताया है। इसका असर यह देखने को मिल रहा है कि इस घटना के तीन दिन बाद से ही लोगों ने अपनी बुकिंग फिर से शुरू कर दी थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद वहां शांति स्थापित हो रही थी, जिसकी वजह से कश्मीर में पिछले साल 2.5 करोड़ टूरिस्ट गए। लेकिन पहलगाम आतंकी हमले से इसमें नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि इस घटना से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई इस साल हो जाएगी।

रणथंभौर में बाघिन ने फिर की त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर चहलकदमी, श्रद्धालुओं में दहशत

सवाई माधोपुर, 5 मई (एजेंसियां)। रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघ-बाघिनों का मूवमेंट लगातार बना हुआ है। इससे श्रद्धालुओं में दहशत बनी हुई है। आसपास त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आडा बालाजी के पास श्रद्धालुओं और पार्क भ्रमण पर जाते हुए पर्यटकों को बाघिन सुल्ताना नजर आई। पर्यटकों और श्रद्धालुओं ने इस नजारे को कैमरे में भी कैद किया। हालांकि कुछ देर के बाद बाघिन का रुख एक बार फिर जंगल मे अंदर की ओर हो गया।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह बाघिन सुल्ताना यानि टी-107 थी, जो आडा बालाजी और मिश्र दर्रा के पास घूमती नजर आई। इस दौरान वह सड़क क्रॉस कर जंगल की ओर चली गई। गौरतलब है कि शनिवार को भी एक बाघ रणथम्भौर रोड स्थित अमरेश्वर महादेव मंदिर के पास वन विभाग की सुरक्षा दीवार पर आ गया था।

मासूम को शिकार बना चुका है बाघ

बता दें कि 16 अप्रैल को एक मासूम को बाघ ने इसी मार्ग पर शिकार बना लिया था। इसके बाद वन विभाग ने मार्ग को नौ दिनों तक बंद कर दिया था और सुरक्षा पुख्ता करने का दावा किया था। पिछले दिनों सिंहद्वार पर बाघ देखे जाने पर भय का माहौल बन गया। इस इलाके में 17 बाघ-बाघिन और शावकों की आवाजाही होने से गणेश मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। बाघ, बाघिन और शावकों की यहां मौजूदगी के मद्देनजर किसी अनहोनी की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

जंगल में 17-18 बाघों का आवास

स्थानीय जानकारों के अनुसार रणथंभौर किले और मंदिर मार्ग के आस-पास 17 से 18 बाघ-बाघिन नियमित रूप से विचरण कर रहे हैं,जिससे श्रद्धालुओं की जान जोखिम में है। वन्यजीव विशेषज्ञ भी मानते हैं कि यह क्षेत्र अब हाई-रिस्क जोन बन चुका है, जहां बिना उचित सुरक्षा के किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

'15 मई तक जवाब दो, वरना हम फैसला सुना देंगे'

एसआई भर्ती मामले में हाई कोर्ट ने राजस्थान सरकार को दिया अंतिम मौका

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर बेंच में सोमवार को सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई. आज राजस्थान सरकार की तरफ से अपना पक्ष कोर्ट में रखा जाना था. लेकिन सरकार ने जवाब दाखिल नहीं किया. इससे नाराज हाई कोर्ट के जजों ने कहा- राजस्थान सरकार के पास ये अंतिम मौका है. एसआई भर्ती पर अपना जवाब 15 मई तक अदालत में दाखिल करें. वरना हम अपना फैसला सुना देंगे.'

अब तक 86 अधिकारी बर्खास्त

दरअसल, साल 2021 में 859 एसआई पदों को भरने के लिए वैकेंसी निकाली गई थीं. लेकिन जब मामले में गड़बड़ी सामने आई तो 50 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और राजस्थान लोक सेवा आयोग के दो सदस्यों सहित कुल 150 लोगों को SOG ने गिरफ्तार कर लिया था. एटीएस-एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया था कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर एसआईटी गठित होने के बाद कुल 86 पब्लिक सर्वेंट्स को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है, जिनमें एसआई-भर्ती परीक्षा-2021 में चयनित 45 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर भी शामिल हैं.

भर्ती रद्द होने पर असमंजस बरकरार

पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार के एडवोकेट जनरल भी परीक्षा रद्द करने की सिफारिश कर चुके हैं. एसआई भर्ती परीक्षा-2021 रद्द करने या न करने का निर्णय लेने के लिए 1 अक्टूबर 2024 को 6 मंत्रियों की मंत्रिमंडलीय समिति भी बनाई गई थी. कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी कई बार सीएम को पत्र लिखकर भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग कर चुके हैं. हालांकि अभी तक भर्ती रद्द होने पर असमंजस बरकरार है.

खुले कुएं में गिरने से युवक की मौत

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। आंधी थाना क्षेत्र के दांतली गांव में एक युवक की कुएं में गिरकर मौत हुई है। जिला प्रशासन की ओर अब इस मामले में कहा जा रहा है कि सरकारी बोरवेल व कुओं को बंद कराया गया था। निजी खातेदारों को अपनी जमीन में खुले बोरवेल या कुएं बंद करने के लिए नोटिस दिए गए थे। यानी की साफ है कि जयपुर जिले में आज भी बड़ी संख्या में खुले बोरवेल और कुएं है। जिले के दांतली गांव में खुले कुएं से एक युवक के शव को बाहर निकाला गया है। करण कुमार नायक (26) निवासी पानीपेच, जयपुर एक शादी समारोह में बाराती बनकर गया था। वह विवाह स्थल के पास स्थित एक खुले कुएं में गिर गया।

फर्जी एनजीओ बनाकर बेरोजगारों से की ठगी, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

बांसवाड़ा, 5 मई (एजेंसियां)। फर्जी एनजीओ बनाकर योग मित्र के पद पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर बेरोजगारों से लाखों की ठगी करने के मामले में जिले की मोटागांव थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि रामलाल पिता धुलजी भील निवासी कानेला ने योग मित्र एवं मंडल संस्थान के अध्यक्ष निलेश मईडा, सचिव अनिल मईडा और कोषाध्यक्ष पूंजीलाल डोकी के विरुद्ध परिवाद दर्ज कराया था। इसमें आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका मिशन विकास परिषद का गठन 12 दिसंबर 2023 को किया और उसके तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के क्रियान्वयन हेतु एक अनुबंध बनाकर योग मित्र वॉलंटियर्स के रूप में नियुक्ति देने की बात कही। इसके लिए उन्होंने एक विज्ञप्ति भी जारी की।

वेतन मांगा तो संचालक फरार

इसके बाद आरोपियों ने विज्ञप्ति देखकर आवेदन करने वाले बेरोजगार युवाओं से दस लाख बीस हजार रुपए वसूले। युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए गए, जिनमें कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और संभागीय आयुक्त के नाम का उल्लेख था। इसके बाद आवेदकों से दो माह तक आंगनवाड़ी केंद्रों पर काम करवाया गया। जब युवाओं ने दो माह का वेतन मांगा तो अध्यक्ष निलेश फरार हो गया। जांच में पता चला कि निलेश ने फर्जी एनजीओ राजस्थान ग्रामीण मिशन विकास परिषद का गठन किया और धोखाधड़ी कर रुपए ऐंठ लिए। इस परिवाद पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के बाद गिरफ्तारी

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आरोपी निलेश निवासी जेदला से संबंधित आवेदकों के बैंक खाते, राजीविका कार्यालय बांसवाड़ा और जयपुर से रिकॉर्ड प्राप्त कर जांच की। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर पुलिस ने निलेश पुत्र भोगजी निवासी जेदला को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस अनुसंधान कर रही है।

शादी के बाद पत्नी से करने लगा इतना प्यार कि पति ने अपनी गर्लफ्रेंड भावना को लगा दिया ठिकाने

अलवर, 5 मई (एजेंसियां)। बहरोड़ क्षेत्र के ग्राम अनन्तपुरा गांव निवासी डॉ. भावना यादव की हत्या के मामले में हिसार सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी उदेश यादव को रिमांड अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी कविता ने बताया कि पुलिस ने रिमांड के दौरान आरोपी उदेश का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जिसकी जांच की जाएगी। पुलिस टीम आरोपी को उसके क्वार्टर पर भी ले गई और वहां छानबीन की। घटनास्थल का भी रीक्रिएशन कराया गया। लुदास रोड स्थित किसान आश्रम के पास आरोपी के क्वार्टर से पुलिस को पीछे चढ़ने के लिए ईंटें और बाउंड्रीवॉल के पास एक कुर्सी मिली है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आरोपी क्लर्क उदेश की छुट्टियां रद्द कर उसे निलंबित कर दिया है। हिसार के डीएसपी तनुज शर्मा ने बताया कि जांच में सामने आया है कि मृतका डॉ. भावना और आरोपी उदेश के बीच प्रेम-प्रसंग था। भावना द्वारा उसकी पारिवारिक जीवन में बाधा डालने से परेशान होकर उदेश ने उसे जला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है और बरामद मोबाइल फोन को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने पर और भी सबूत सामने आ सकते हैं। उधर, डॉ. भावना की मां गायत्री यादव ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि वे अपनी बेटी के हत्यारे को न्याय दिलाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगी।

भयंकर अंधड़ और जोरदार बारिश में उड़ गए सामूहिक विवाह सम्मेलन के टेंट

स्कूलों में भेजे दूल्हा-दुल्हन, अफरा-तफरी में जान बचाकर भागे रिश्तेदार

कोटा, 5 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में सुबह से ही बादलों की आवाजाही के साथ भयंकर अंधड़ और जोरदार बारिश जारी है। जिसके कारण शहर के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी ठप रही। ऐसे में कोटा के ही चेचट के मवासा में सामूहिक सम्मेलन का आयोजन किया था। श्री यदुवंशी अहीर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन भी तेज आंधी की भेंट चढ़ गया। अंधड़ ने सम्मेलन में लगे टेंट को उड़ा दिया। जिसके बाद टेंट में बैठे लोग जान बचाने को जल्दी से बाहर निकलकर खुली जगहों पर भाग गए। इस अंधड़ के कारण कई पेड़ उखड़ गए तो कुछ पोल जमीन पर गिर गए।

सम्मेलन स्थल पर कीचड़ हो गया। सम्मेलन कमेटी ने भोजन व्यवस्था मवासा स्थित सामुदायिक भवन में की। वहीं दूल्हा-दुल्हन को मवासा विद्यालय में शिफ्ट किया। कमेटी पदाधिकारियों ने बताया कि यदि मौसम में सुधार आ गया तो सांय 4 से 8 बजे के मध्य फेरे की रस्म अदा करवा दी जावेगी।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार आगे भी मौसम ऐसा ही रहने वाला है। बैक टू बैक एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा। 8 मई तक बादल छाए रहेंगे। वहीं 9 और 10 मई को आंधी व बारिश की गतिविधियां कम होने की संभावना है।

तेलंगाना के 32 जिले राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े : किशन रेड्डी

कागजनगर, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया जा रहा है और कन्याकुमारी से कश्मीर तक रेलवे संपर्क विकसित किया गया है। देश के पिछड़े इलाकों, सभी राज्यों और जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया जा रहा है। तेलंगाना के 32 जिलों को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों में 3,900 करोड़ रुपये की लागत से बने राष्ट्रीय राजमार्गों का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मोदीजी सरकार में नितिन गडकरी के नेतृत्व में तेलंगाना में 5 हजार किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे और अंडरपास के निर्माण से सड़क परिवहन व्यवस्था सरल हुई है। सड़कों के विकास से सड़क दुर्घटनाएं कम हुई हैं, वाहनों की चलने की क्षमता में सुधार हुआ है और तेल की खपत कम हुई है। केंद्र सरकार सड़क, रेलवे, हवाई और बंदरगाह कनेक्टिविटी के लिए समर्पण के साथ काम कर रही है। आदिलाबाद और जहीराबाद में औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित किए गए हैं। देश भर में स्थापित 7 मेगा टेक्सटाइल पार्कों में से एक तेलंगाना को आवंटित किया गया है। काजीपेट में 800 करोड़ रुपये की लागत से एक रेलवे कोच फैक्ट्री और एक रेल निर्माण इकाई को मंजूरी दी गई है। रामागुंडम में एनटीपीसी के तत्वावधान में 12,000 करोड़ रुपये की लागत से 800 मेगावाट की बिजली परियोजना राष्ट्र को समर्पित की गई है। रामागुंडम में 442 करोड़ रुपये की लागत से 100 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। रामागुंडम में उर्वरक कारखाने का 6,332 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार किया गया है। मुलुगु जिले में सम्मक्का सरक्का आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, निजामाबाद में केंद्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने राज्य के रामप्पा मंदिर को यूनेस्को से मान्यता दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। रेड्डी ने कहा कि 31,220 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे लाइन और दोहरीकरण परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और उन्होंने कहा कि 1,25,000 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 86,492 करोड़ रुपये की लागत से नई रेलवे परियोजनाओं के प्रस्ताव उनके द्वारा बनाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र सरकार ने वारंगल जिले में मामुनूर हवाई अड्डे को अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने आदिलाबाद में एक रक्षा हवाई अड्डा खोलने को मंजूरी दी है और कहा कि मोदी सरकार को देश भर में 83 करोड़ लोगों को प्रति माह 5 किलो मुफ्त चावल उपलब्ध कराने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने कहा कि 15 लाख रुपये की मुफ्त चिकित्सा सेवाओं के लिए आयुष्मान भारत योजना लागू की जा रही है गरीबों को 5 लाख रुपये प्रति वर्ष दिए जाने की बात कही और कहा कि ग्राम पंचायतों को केंद्र के वित्त आयोग के माध्यम से देश की सभी ग्राम पंचायतों को धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। बचत समितियों की इकाइयों को बैंकों द्वारा ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। 2014 में किसानों से धान खरीदने के लिए एमएसपी 1300 रुपये थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 2,300 रुपये कर दिया गया है। पहले देश में खाद की कमी थी, लेकिन अब मोदी सरकार के तहत किसानों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार खाद की आपूर्ति लगातार की जा रही है। कई जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास शानदार गति से जारी है।

एनएचआरसी ने तीन श्रमिकों की कथित मौत का स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें बताया गया है कि तेलंगाना के यदाद्री भोंगीर जिले के कटेपल्ली गांव में एक विस्फोटक निर्माण संयंत्र की प्रणोदक मिश्रण इकाई में हुए विस्फोट में तीन श्रमिकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। कथित तौर पर, यह घटना 29 अप्रैल, 2025 को हुई थी। आयोग ने पाया है कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री, यदि सत्य है, तो पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा उठाती है। इसलिए, इसने तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में घायल व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति शामिल होने की उम्मीद है। 29 अप्रैल, 2025 को मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के कारण प्लांट की मिक्सिंग यूनिट संरचना पूरी तरह से ढह गई। कथित तौर पर, कंपनी डीआरडीओ सहित वाणिज्यिक और प्रमुख संगठनों दोनों के लिए विस्फोटक बनाती रही है।

मिस वर्ल्ड 2025 की प्रतिभागी 15 मई को पोचमपल्ली का दौरा करेंगी

यूनेस्को द्वारा "विश्व के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव" के रूप में मान्यता प्राप्त पोचमपल्ली की जीवंत बुनाई, ग्रामीण शिल्प कौशल, सांस्कृतिक गहराई से जुडा प्रदर्शन

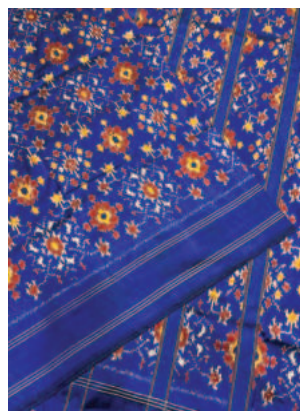

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम में, मिस वर्ल्ड 2025-ग्रुप 2 की प्रतिभागी 15 मई को विश्व प्रसिद्ध हथकरघा गांव पोचमपल्ली का दौरा करेंगी। यह विशेष कार्यक्रम भारत की सबसे प्रसिद्ध कपड़ा परंपराओं में से एक पोचमपल्ली इकत पर वैश्विक प्रकाश डालेगा। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में स्थित पोचमपल्ली अपनी जटिल इकत बुनाई तकनीकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित है। यूनेस्को द्वारा "दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव" के रूप में मान्यता प्राप्त, यह शिल्प कौशल, संस्कृति और विरासत का एक जीवंत संग्रहालय है।

मिस वर्ल्ड की प्रतिभागी इकत स्वाद, पारंपरिक टाई-एंड-डाई प्रक्रिया का अनुभव करेंगी, मास्टर बुनकरों से बातचीत करेंगी और प्रतिष्ठित तेलिया रुमाल के निर्माण को देखेंगी, जो एक डबल इकत मास्टरपीस है जिसे कभी हैदराबाद के निज़ाम पसंद करते थे। आचार्य विनोबा भावे के नेतृत्व में भूदान आंदोलन में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले इस गांव में कपड़ा कला और सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का एक दुर्लभ मिश्रण देखने को मिलता है। यह प्रतिष्ठित यात्रा तेलंगाना की समृद्ध हथकरघा विरासत को वैश्विक मानचित्र पर लाएगी, क्योंकि मिस वर्ल्ड मंच अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय दृश्यता प्रदान करता है। पोचमपल्ली की जीवंत बुनाई, ग्रामीण शिल्प कौशल और सांस्कृतिक गहराई को प्रदर्शित करके, यह कार्यक्रम दुनिया भर के दर्शकों के लिए भारत की जीवंत परंपराओं का एक शक्तिशाली उत्सव बन जाता है।

इस महीने के अंत में हैदराबाद में होने वाले मिस वर्ल्ड के ग्रैंड फिनाले के लिए जैसे-जैसे उत्सुकता बढ़ रही है, पोचमपल्ली की यात्रा एक हाइलाइट होने का वादा करती है- जहां सुंदरता विरासत से मिलती है, और करघा दुनिया को तेलंगाना की कहानी बताता है।

विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम के बीच उड़ान सेवा फिर से शुरू होगी

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम के बीच सुबह की उड़ान सेवा फिर से शुरू करने की घोषणा की, जो 1 जून, 2025 से शुरू होगी। यह मार्ग विजयवाड़ा को राज्य के वित्तीय केंद्र विशाखापट्टनम से जोड़ते हुए आंध्र प्रदेश के भीतर कनेक्टिविटी को काफी बढ़ाएगा। नई संशोधित उड़ान अनुसूची लगातार उड़ान भरने वालों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित सुबह की उड़ान विजयवाड़ा से सुबह 7:15 बजे रवाना होगी और 8:25 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। वापसी की उड़ान विशाखापट्टनम से सुबह 8:45 बजे रवाना होगी और 9:50 बजे विजयवाड़ा पहुंचेगी। विकास पर बोलते हुए, नागरिक उड्डयन मंत्री, राम मोहन नायडू ने कहा, क्षेत्रीय संपर्क समावेशी विकास और यात्रा की आसानी के लिए हमारे दृष्टिकोण की आधारशिला है। विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम के बीच इस महत्वपूर्ण उड़ान लिंक की बहाली से यात्रियों को काफी लाभ होगा, दोनों शहरों के बीच आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा और आंध्र प्रदेश के व्यापक विकास लक्ष्यों का समर्थन होगा।

करीमनगर में हल्के भूकंप के झटकों से दहशत फैली

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के रामदुगु, चोपंडांडी और कई अन्य मंडलों के निवासियों ने दो सेकंड के लिए हल्के झटके महसूस किए जाने की सूचना दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से सूत्रों ने बताया कि 5 मई को शाम 6.50 बजे कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में 10 किलोमीटर की गहराई पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। सोमवार को शाम करीब 6.50 बजे करीमनगर और आदिलाबाद जिलों के कुछ हिस्सों में कुछ सेकंड के लिए हल्के झटके महसूस किए गए। करीमनगर जिले के करीमनगर, रामदुगु, चोपंडांडी और कई अन्य मंडलों के निवासियों ने दो सेकंड के लिए हल्के झटके महसूस किए, लेकिन संपत्तियों या हताहतों के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। जिला मुख्यालय शहर के वाविलापल्ली और बैंक कॉलोनी में कई निवासियों ने इमारतों में कंपन महसूस किया, जिससे वे घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। सोमवार रात तेज हवाओं के साथ अचानक बेमौसम बारिश ने शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित कर दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से सूत्रों ने बताया कि कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में शाम 6.50 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर रिचर स्केल पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि मुलुगु में 4 दिसंबर, 2024 को 5.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा

रामागुंडम में भाजपा नेताओं से मुलाकात की

पेद्दापल्ली, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने आज कहा कि नक्सलियों पर प्रतिबंध लगाने वाली कांग्रेस पार्टी अब नक्सलियों से बातचीत की मांग कर रही है और उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मांग इस मुद्दे पर उसके दोहरे मापदंड को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक दृष्टिकोण से निर्दोष लोगों को बंदूकों से मारे जाते देखना दुखद है। उन्होंने सवाल किया कि अतीत में बंदूकों से हत्या करने वालों से बातचीत क्यों नहीं की गई। उन्होंने दोहराया कि बंदूकों से निर्दोष लोगों को मारने वाले माओवादियों से बातचीत करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने आश्चर्य जताया कि सामाजिक कार्यकर्ता प्रोफेसर हरगोपाल और क्रांतिकारी लेखक वरवर राव ने दशकों तक नक्सलियों द्वारा की गई हिंसा के कारण कई खूनी दृश्य और मौतें देखने के बाद क्या हासिल किया? उन्होंने जोर देकर कहा कि नक्सलियों को अपनी बंदूकें नीचे रख देनी चाहिए, आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और जीवन की धारा में शामिल हो जाना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने सुझाव दिया कि हरगोपाल और वरवर राव सहित नागरिक अधिकार संघ के नेताओं को नक्सलियों को समझाना चाहिए। आज दोपहर कागजनगर से करीमनगर जाते समय संजय कुछ देर के लिए रामागुंडम में एनटीपीसी में रुके। उन्होंने स्थानीय भाजपा नेताओं से मुलाकात की। बाद में उन्होंने इस अवसर पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना के विकास के लिए 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। हमने अकेले राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 1 लाख 25 हजार 485 करोड़ खर्च किए। इसके अलावा हमने रेलवे के विकास के लिए 32 हजार करोड़ रुपये खर्च किए। हमने अकेले धान की खरीद के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। इन सबके बावजूद, कांग्रेस पार्टी गलत सूचना फैला रही है कि केंद्र ने एक भी पैसा नहीं दिया है। हम केंद्र द्वारा खर्च किए गए धन को अकाउंट स्टेटमेंट के साथ बताएंगे। भले ही हमने उन्हें चर्चा के लिए आने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी अपनी 6 गारंटियों पर बुरी तरह विफल रही है। जब हम इन चीजों के बारे में बात करते हैं, तो वे लोगों का ध्यान हटाने के लिए केंद्र के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। वे जाति जनगणना के नाम पर नाटक कर रहे हैं। कांग्रेस की राज्य सरकार ने जाति जनगणना नहीं की है। उन्होंने सिर्फ एक सर्वेक्षण किया है। सर्वेक्षण का मतलब है हर घर में जाना और डेटा एकत्र करना। वे राज्य के 50 प्रतिशत घरों में भी नहीं गए हैं। सर्वेक्षण का जनसंख्या जनगणना से कोई लेना-देना नहीं है। इसका व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण या जाति सर्वेक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। जाति सर्वेक्षण ने पिछड़े वर्गों के साथ बहुत अन्याय किया है। यदि वे 52 प्रतिशत थे, तो इसने उन्हें घटाकर 46 प्रतिशत कर दिया है। 42 प्रतिशत आरक्षण में से 10 प्रतिशत मुसलमानों को आवंटित किया गया है।

शब्बीर अली ने तेलंगाना में अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं, केंद्र सरकार के कार्यक्रमों और वक्फ बोर्ड से संबंधित प्रमुख मुद्दों की स्थिति का आकलन करने के लिए तेलंगाना सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के कामकाज, विदेशी छात्रवृत्ति और शादी मुबारक जैसी प्रमुख अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं में देरी और आगामी मोहर्रम व्यवस्थाओं के लिए समन्वय प्रयासों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। शब्बीर अली ने अधिकारियों को सभी लंबित पहलों के जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एक प्रमुख मुद्दा हज हाउस से सटे अप्रयुक्त भवन का था, जिसे पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान कई करोड़ रुपये में दो वाणिज्यिक संपत्तियों को अधिग्रहित करने के बाद बनाया गया था। संरचनात्मक रूप से पूरा होने के बावजूद, भवन वर्षों से अप्रयुक्त पड़ा है। शब्बीर अली ने अधिकारियों से सभी बाधाओं को दूर करने और जल्द से जल्द एक उपयोग योजना तैयार करने का आग्रह किया, खासकर हज यात्रियों के लिए सेवाओं जैसे समुदाय-केंद्रित उद्देश्यों के लिए। वक्फ संपत्ति संरक्षण पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, शब्बीर अली ने राज्य भर में वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट कार्य योजना की मांग की। उन्होंने मोइन मंजिल भूमि मामले को कानूनी विफलता का एक ज्वलंत उदाहरण बताया, जहां वक्फ बोर्ड के वकील ने प्रमुख भूमि पर अतिक्रमण को रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई नहीं की। उन्होंने वक्फ बोर्ड के प्रत्यक्ष प्रबंधन के तहत दरगाहों की एक अद्यतन सूची भी मांगी, और आगे कुप्रबंधन और अनधिकृत कब्जों को रोकने के लिए मजबूत निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। आगामी मोहर्रम जुलूसों के मद्देनजर, शब्बीर अली ने हाथियों की व्यवस्था और धार्मिक आयोजनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग, पुलिस विभाग, वक्फ बोर्ड और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को शामिल करते हुए अंतर-विभागीय समन्वय की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों से कानून और व्यवस्था बनाए रखते हुए धार्मिक रीति-रिवाजों को संरक्षित करने के लिए सामंजस्य के साथ काम करने को कहा। उन्होंने अल्पसंख्यकों के बीच कौशल विकास और उद्यमिता के उद्देश्य से केंद्र सरकार की पहल पीएम विकास कार्यक्रम की भी समीक्षा की। शब्बीर अली ने परियोजना प्रस्तावों की स्थिति, केंद्रीय अनुदानों के वितरण के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे तेलंगाना को उसका उचित हिस्सा दिलाने के लिए केंद्र के साथ सक्रिय रूप से संपर्क बनाए रखें। मुख्यमंत्री की विदेशी छात्रवृत्ति योजना में देरी पर चिंता जताते हुए, शब्बीर अली को अधिकारियों ने बताया कि 130 करोड़ रुपये के आवंटन में से लगभग 767 धनराशि जारी कर दी गई है, लेकिन पुराने 103 करोड़ रुपये लंबित हैं।

फलकनुमा हत्याकांड के सिलसिले में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा पुलिस ने तीन दिन पहले वट्टेपल्ली में एक पान दुकान के मालिक की हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शेख मोहम्मद अली और शेख उस्मान भाई हैं जबकि शेख अख्तर अली उनका चचेरा भाई है। फलकनुमा के सहायक पुलिस आयुक्त एमए जावेद ने कहा कि पीड़ित मोहम्मद माजिद और मोहम्मद अली 2018 में बंदलागुड़ा में रहे थे। माजिद और मोहम्मद अली के परिवारों के बीच झगड़े के कारण माजिद का परिवार वट्टेपल्ली चला गया और वहीं रह रहा था। माजिद की मां का निधन हो गया था जबकि उसका भाई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। मोहम्मद अली को शक था कि माजिद का परिवार काला जादू करता है और उसने उस परिवार के एक सदस्य को मारने की योजना बनाई। मौका मिलते ही मोहम्मद अली ने उस्मान और अख्तर के साथ मिलकर शुक्रवार दोपहर माजिद की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने विशेष टीमें गठित कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया।

करेंगुट्टा में आईईडी विस्फोट में तीन एसटीएफ जवान घायल

कोत्तागुडेम, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में करेंगुट्टा पहाड़ियों पर तलाशी अभियान के दौरान एक आईईडी विस्फोट में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के तीन जवान घायल हो गए। सोमवार को ऑपरेशन करेंगुट्टा के तहत एसटीएफ के जवान 14वें दिन पहाड़ियों पर तलाशी अभियान चला रहे थे। इस दौरान उन्हें मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि उनकी हालत खतरे से बाहर है।

पुलिस ने किराये के विज्ञापनों से संबंधित धोखाधड़ी को लेकर संपत्ति मालिकों को चेताया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में प्रॉपर्टी मालिकों को 'टू-लेट' बोर्ड लगाते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि शहर में किराए के विज्ञापनों से संबंधित अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं।

अपराधी संभावित किराएदार बनकर घरों में घुसकर उन पर हमला कर रहे हैं या उन्हें लूट रहे हैं। इसके अलावा, प्रॉपर्टी मालिकों को साइबर अपराधियों द्वारा ऑनलाइन ठगा भी जा रहा है। हाल के हफ्तों में शहर में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां मकान मालिकों, खास तौर पर अकेले रहने वाले या बुजुर्ग लोगों से किराये के मकान की तलाश के नाम पर कुछ लोगों ने संपर्क किया। परिसर के अंदर घुसने के बाद, इन जालसाजों ने या तो लूटपाट की कोशिश की या मालिकों पर शारीरिक हमला किया। उत्तरी क्षेत्र के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ये अपराधी रिहायशी कॉलोनियों की रेकी करते हैं और 'टू-लेट' बोर्ड वाली संपत्तियों की पहचान करते हैं और निवासियों से संपर्क करते हैं। इसके अलावा, संपत्ति का निरीक्षण करने का नाटक करते हुए, वे लूटपाट या चेन स्नैचिंग करने के लिए घर में घुस जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि लोगों को उचित सत्यापन के बिना अजनबियों को अपने घरों में प्रवेश देने से बचना चाहिए। दूसरी ओर, साइबर क्राइम इकाइयों ने किराये की संपत्तियों से संबंधित ऑनलाइन घोटालों में भी वृद्धि की सूचना दी है। इन मामलों में, धोखेबाज उन संपत्ति मालिकों को निशाना बनाते हैं जो ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर किराये की लिस्टिंग पोस्ट करते हैं। इच्छुक किरायेदारों या एजेंटों का रूप धारण करके, अपराधी संवेदनशील जानकारी प्राप्त करते हैं या मालिकों को झूठे बहाने से पैसे ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे पीड़ितों को कई लाख रुपये का चूना लग जाता है। ये घोटालेबाज धोखाधड़ी करने से पहले विश्वास बनाने के लिए फर्जी आईडी और भुगतान स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने मकान मालिकों से अनुरोध किया कि वे सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें, जैसे कि सत्यापित किराया एजेंसियों का उपयोग करना, आधिकारिक चैनलों के माध्यम से पृष्ठभूमि की जांच करना, तथा व्यक्तिगत संपर्क विवरण को उजागर करते हुए भौतिक या ऑनलाइन लिस्टिंग पोस्ट करने से बचना चाहिए। पुलिस ने निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को या साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर दें।

वेद पाठशाला में छात्र के सिर पर लगी चोट का रहस्य बरकरार

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के मंदिर नगरी बसर में कुछ सप्ताह पहले एक निजी वेद पाठशाला में एक छात्र के सिर में लगी गंभीर चोट का रहस्य अभी भी बरकरार है। मेदक जिले के तुप्राण के अग्गिदी लोहित कुमार को 20 मार्च को कथित तौर पर एक धारदार हथियार से सिर में गंभीर चोट लगी थी। भैंसा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान वह कोमा में चले गए। इसके बाद उन्हें हैदराबाद के एक अन्य निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि अब उनकी मानसिक स्थिति ठीक हो गई है, लेकिन उन्हें यह बताने में दिक्कत हो रही है कि उन्हें चोटें कैसे लगीं। लोहित के चाचा अशोक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने वेद विद्यानंदगिरी स्वामी और एक महिला सहित स्कूल अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच अधिकारियों को यह पता नहीं चल पाया कि लोहित को चोट क्यों लगी। उन्होंने बताया कि लड़का घटना के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे पा रहा है, क्योंकि वह अभी भी स्वस्थ नहीं है। एक जांच अधिकारी ने बताया कि वह स्पष्ट रूप से सदमे में है और उसे याद नहीं है कि उस दिन क्या हुआ था। उसके सहपाठियों ने पुलिस को बताया कि लोहित शायद स्कूल में नहाते समय एक बबून के हमले में घायल हो गया था। हालांकि, एक अन्य छात्र मणिकांत, जिसने घटना के बाद पहली बार लोहित को देखा था, 4 अप्रैल को गोदावरी नदी के तट पर बसर में स्कूल में इलेक्ट्रिक मोटर चालू करते समय दुर्घटनावश करंट लगने से मर गया था, जिससे कई लोगों की भौंहें तन गई थीं। जांच अधिकारियों ने कहा कि मणिकांत की मौत बिजली के झटके के कारण हुई थी। उन्होंने उसकी मौत के पीछे किसी साजिश की संभावना से इनकार किया। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि मणिकांत लोहित की चोट का एकमात्र प्रत्यक्षदर्शी था। वह लोहित का सबसे अच्छा दोस्त भी था। उनकी मौत के कारण लड़के की चोट के पीछे के तथ्य अस्पष्ट हो गए, उनका मानना है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल में पिछले दिनों दो महिलाएं संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थीं, लेकिन उनकी मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसी तरह, पुलिस लोहित की चोट के पीछे के रहस्य को उजागर करने में असमर्थ रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जापानी रक्षा मंत्री ...

राजनाथ सिंह ने कहा कि आपके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत है। मुझे बीते साल नवंबर में लाओस के विएनतियेन में आपके साथ हुई मुलाकात याद आ रही है, जहां हमने तय किया था कि दोनों देशों के बीच उद्योग, तकनीक और दोनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालनात्मकता को बढ़ाया जाएगा। पहलगाम हमले पर संवेदना प्रकट करने के लिए मैं जापान सरकार को धन्यवाद देता हूं।

राजनाथ सिंह ने जापान के रक्षा मंत्री द्वारा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में उपकरणों, तकनीकी सहयोग और सूचना साझा करने के स्तर पर काफी प्रगति हुई है। इससे पहले बीते साल नवंबर 2024 में भी लाओस में भी इन दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इससे पहले दिल्ली आने पर जापानी रक्षा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जापानी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत और जापान के बीच साल 2014 में विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी समझौता हुआ था, जिसमें समय के साथ काफी बेहतरी हुई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा दो मजबूत स्तंभ हैं।

जापान के रक्षा मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताया और हमले में मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। नाकातानी ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जापान आतंकवाद की सभी रूपों में कड़ी निंदा करता है।

3,900 करोड़ की ...

इसमें आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों में 3,900 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। श्री रेड्डी ने रेलवे संपर्क, औद्योगिक विकास और ऊर्जा परियोजनाओं में प्रगति का भी उल्लेख किया। इनमें काजीपेट रेलवे कोच फैक्ट्री, रामागुंडम विद्युत एवं उर्वरक परियोजनाएं और सात राष्ट्रीय मेगा टेक्सटाइल पार्कों में से तेलंगाना को आवंटित एक पार्क शामिल है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने हैदराबाद-करीमनगर-मंचरियल (राजीव) राजमार्ग की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि केंद्र इसे राष्ट्रीय अपग्रेड कर राजमार्ग का दर्जा देने के लिए तैयार है, जब तक कि राज्य सरकार द्वारा मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता। उन्होंने बल देकर कहा कि मोदी सरकार के अंतर्गत हुए अवसंरचना विकास ने आदिलाबाद जैसे पिछड़े क्षेत्रों को बदल दिया है और केंद्र की संपर्क, उद्योग एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं, जिसमें आयुष्मान भारत और मुफ्त अनाज वितरण शामिल हैं, के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना के पंचायत राज मंत्री डॉ. दिनसारी अनसूया सीताक्का, सांसदों, विधायकों और अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

पहलगाम हमले से ...

इसलिए वह उनकी सुरक्षा के लिए निर्देश मांग रहे हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता एक के बाद एक जनहित याचिका दायर करने में लगे हुए हैं। इसका प्राथमिक मकसद सार्वजनिक कारण में कोई वास्तविक रुचि नहीं रखते हुए प्रचार प्रतीत होता है।

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने अनंतनाग जिले के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी की थी। इस दौरान आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि दहशतगर्दों, उनके पनाहगारों और मददगारों को दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढ निकालकर सजा दी जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कप्तान तो छोड़िए, जसप्रीत बुमराह अब उप-कप्तान भी नहीं रहेंगे

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के बाद टीम इंडिया को 5 टेस्ट की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है. इस दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान मई में ही होना है. लेकिन, उससे पहले एक बड़ी खबर आ रही है. ये खबर जसप्रीत बुमराह को लेकर टीम इंडिया के लिए फैसले से जुड़ी है. दरअसल, ऐसी खबर है कि जिस बुमराह को टीम इंडिया की कप्तानी सौंपने तक की बात चल रही थी. अब वो टीम के उप-कप्तान भी नहीं रहेंगे. इंग्लैंड दौरे पर उनसे भारत की टेस्ट टीम की उप-कप्तानी ले ली जाएगी.

इंग्लैंड दौरे पर बुमराह नहीं होंगे उप-कप्तान

जसप्रीत बुमराह, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की टेस्ट टीम के उप-कप्तान और कार्यकारी कप्तान की भूमिका में रहे थे. लेकिन, इंग्लैंड दौरे पर सेलेक्टर्स उन्हें उप-कप्तान बनाए रखने के मूड में नहीं दिख रहे. इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि भारतीय सेलेक्टर्स ये कदम बुमराह के वर्कलोड को मैनेज करने के इरादे से उठाने वाले हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक सेलेक्टर्स का कहना है कि बुमराह इंग्लैंड में पांचों टेस्ट नहीं खेलने वाले.

बुमराह क्यों नहीं होंगे उप-कप्तान?

रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से लिखा गया कि सेलेक्टर्स की नजर वैसे खिलाड़ी पर है, जो सभी 5 टेस्ट में खेले. वो उसी खिलाड़ी को उप-कप्तानी की जिम्मेदारी देंगे. बुमराह पांचों टेस्ट नहीं खेलेंगे. और, सेलेक्टर्स नहीं चाहते कि हर मैच में टीम का अलग उप-कप्तान हो. इसीलिए बुमराह उप-कप्तान नहीं होंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक वैसा ही खिलाड़ी टीम का कप्तान और उप-कप्तान होगा जो पांचों टेस्ट के लिए उपलब्ध होगा.

इंजरी से बचाने की तैयारी

बुमराह को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बैत इंजरी हो गई थी, जिसके चलते वो 3 महीने क्रिकेट से दूर रहे थे. बुमराह इस दौरान चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेले. उन्होंने तरकरीबन आधा आईपीएल भी मिस किया. पिछले कैलेंडर ईयर में वो टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा भार उठाने वाले गेंदबाज रहे थे. उनके उसी वर्कलोड को मैनेज करने के लिए, सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पांचों टेस्ट में नहीं खिलाना चाहते.

बुमराह की जगह लेगा कौन?

अब सवाल है कि टीम इंडिया में इंग्लैंड दौरे पर बुमराह की जगह उप-कप्तान होगा कौन? फिलहाल, उस नाम को लेकर तो कोई जानकारी नहीं मगर ऋषभ पंत और शुभमन गिल का नाम उस रेस में आगे आ सकता है.

टी20 और वनडे की वार्षिक रैंकिंग में भारत का दबदबा कायम

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट में बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को वार्षिक पुरुष रैंकिंग जारी कर दी। इसमें भारत ने सफेद गेंद प्रारूप में अपना दबदबा कायम रखा है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि, भारतीय टीम को टेस्ट रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। अब टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है।

भारत को मिला चैंपियंस ट्रॉफी में जीत का फायदा

नवीनतम रैंकिंग में मई 2024 के बाद से खेले गए सभी मैचों की दर 100 प्रतिशत और उससे पहले के दो वर्षों की 50 प्रतिशत है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले भारत को वनडे रैंकिंग में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला है। इससे उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो गए हैं। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी की उपविजेता न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है जबकि कंगारू तीसरे पायदान पर पहुंच गए।

श्रीलंका ने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ा

श्रीलंका ने हाल के महीनों में घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज की जीत भी शामिल है। इससे श्रीलंका पांच रेटिंग अंकों का फायदा लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। उसने पाकिस्तान (एक अंक के लाभ के साथ पांचवें) और दक्षिण अफ्रीका (चार अंक के नुकसान के साथ छठे) को पीछे छोड़ दिया। अफगानिस्तान चार अंकों के सुधार के बाद सातवें स्थान पर पहुंच गया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन इंग्लैंड चार अंक खोने के बाद आठवें स्थान पर आ गया। वेस्टइंडीज पांच अंक हासिल करके नौवें स्थान पर पहुंच गया। बांग्लादेश चार अंकों की गिरावट के साथ 10वें स्थान पर खिसक गया है।

271 रेटिंग अंकों के साथ भारत टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर

टी20 में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत शीर्ष पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक हो गई है। पहली बार वार्षिक अपडेट में वैश्विक टी20 रैंकिंग में 100 टीमों को शामिल किया गया है। सूची में वे सभी टीमें शामिल हैं जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है, जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इनके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे का नंबर आता है।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट में बादशाहत बरकरार

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, हालांकि वार्षिक अपडेट के बाद उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उसके रेटिंग अंक 113 हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका (111) और भारत (105) एक एक स्थान फिसलकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके बाद न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। टेस्ट तालिका में अभी केवल 10 टीम शामिल हैं। आयरलैंड को रैंकिंग हासिल करने के लिए अगले 12 महीनों में एक और टेस्ट खेलना होगा, जबकि अफगानिस्तान को सूची में शामिल होने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे।

ऐसा मत करना, शतक के बाद लगातार दो पारियों में फेल

वैभव सूर्यवंशी को सौरव गांगुली से मिली बड़ी सलाह

कोलकाता, 5 मई (एजेंसियां)। कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर 4 मई की शाम केकेआर और राजस्थान रॉयल्स का मैच हुआ. इस मैच के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 14 साल की बैटिंग सनसनी वैभव सूर्यवंशी के साथ मुलाकात की. गांगुली और वैभव की मुलाकात ग्राउंड पर ही हुई. इस दौरान दोनों के बीच काफी बातें हुईं. साथ में वैभव को गांगुली से वो सलाह भी मिले, जिसकी उन्हें जरूरत थी. वैभव सूर्यवंशी केकेआर के खिलाफ खेले मैच में ज्यादा कुछ नहीं कर सके और सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए थे. 35 गेंदों वाली शतकीय पारी के बाद वैभव की ये लगातार दूसरी इनिंग रहे, जिसमें वो फेल रहे.

ऐसा मत करना वैभव...

सौरव गांगुली ने कहा

ईडन गार्डन्स पर वैभव का बल्ला बेशक नहीं चला मगर मैच के बाद सौरव गांगुली से उनकी मुलाकात जरूर हुई. अब सवाल है कि दोनों में बात क्या हुई? वैभव को गांगुली से क्या सलाह मिली? तो सूत्रों से जो पता चला उसके मुताबिक गांगुली ने वैभव से कहा कि उन्होंने उनका गेम देखा और वो उन्हें काफी पसंद आया.

सूत्रों के मुताबिक, सौरव गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी को वैसे ही बेखौफ क्रिकेट खेलते रहने की सलाह दी है, जैसे वो खेल रहे हैं. उन्होंने खास हिदायत देते हुए वैभव से कहा कि उन्हें अपना गेम बदलने की कोई जरूरत नहीं. उन्होंने उन्हें वैसा नहीं करने की सलाह दी.

वैभव की पावर हिटिंग के कायल हुए गांगुली

मुलाकात और बातचीत के दौरान गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी का वो भारी-भरकम बल्ला भी देखा, जिसके दम पर वो लंबे-लंबे छक्के लगाते दिखते हैं.

गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी की पावर हिटिंग की काबिलियत को लेकर कहा कि वो काफी अच्छी है. बेशक, उन्होंने केकेआर के खिलाफ मैच में स्कोर नहीं किया. पर वो अच्छे प्लेयर हैं.

35 गेंदों पर शतक के बाद खामोश है बल्ला

14 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2025 में डेब्यू करते ही छा गए थे. लेकिन, उनके नाम का माहौल सही मायनों में उनके तूफानी शतक जड़ने के बाद बना था. उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 38 गेंदों पर 101 रन बनाए थे, जिसमें 11 छक्के और 7 चौके शामिल थे. इस दौरान उन्होंने अपना शतक 35 गेंदों में ही पूरा कर लिया था. हालांकि, उस शतक के बाद अगली दो पारियों में वैभव का बल्ला खामोश दिखा है. उम्मीद है अपने बेखौफ अंदाज वाले क्रिकेट को बरकरार रखते हुए वैभव जल्दी ही एक और बड़ी पारी खेलेंगे.

बलात्कार के मामले में आईपीएल खिलाड़ी गिरफ्तार

जोधपुर की युवती ने लगाया था आरोप

जोधपुर, , 5 मई (एजेंसियां)। आईपीएल फ्रेंचाइज़ी मुंबई इंडियंस के पूर्व खिलाड़ी शिवालिक शर्मा को जोधपुर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। जोधपुर की कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए क्रिकेटर को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया। शिवालिक शर्मा पर पीड़िता ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है।

वहीं, जोधपुर पुलिस ने पुष्टि की कि युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवालिक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती का मेडिकल परीक्षण कराया गया और मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 164 के तहत बयान दर्ज करवाए गए हैं। पुलिस अब साक्ष्य जुटाकर केस को आगे बढ़ा रही है।

दरअसल, 2 जनवरी 2024 को जोधपुर की एक युवती ने कुड़ी भगतासनी थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि गुजरात के वडोदरा निवासी क्रिकेटर शिवालिक शर्मा (27) ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और फिर शादी से इनकार कर दिया।

युवती का कहना है कि फरवरी 2023 में वडोदरा यात्रा के दौरान उसकी शिवालिक से मुलाकात हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और फिर नजदीकियां बढ़ती गईं। अगस्त 2023 में शिवालिक अपने परिवार के साथ जोधपुर आया और दोनों की सगाई भी हुई। युवती के मुताबिक 27 मई 2023 को जब शिवालिक उसके घर आया और घर में कोई नहीं था, तब उसने जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसने शादी का वादा किया। इसके बाद वह 3 जून तक युवती के घर ही रुका और कई बार गलत संबंध बनाए। इसके बाद शिवालिक उसे मेहंदीपुर बालाजी, जयपुर और उज्जैन भी घुमाने ले गया। युवती का आरोप है कि इन जगहों पर भी उसने संबंध बनाए और बार-बार शादी का वादा दोहराया। लेकिन जून 2023 में, जब युवती उसकी शादी की बात करने वडोदरा पहुंची, तो शिवालिक के परिजनों ने सगाई तोड़ने की बात कही और युवती को घर से निकाल दिया। युवती का आरोप है कि वहां उसके साथ धक्का-मुक्की भी की गई।

धोनी को कॉल करें, वीरेंद्र सहवाग ने बताया ऋषभ पंत की खराब फॉर्म का इलाज

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। ऋषभ पंत ने आईपीएल 2025 की शुरुआत सनसनी मचाकर की थी. वो इस लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे. इसलिए उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वो इस पर खरे नहीं उतरे. पंत पूरे सीजन में खराब फॉर्म से जूझते रहे हैं. पंजाब किंग्स के खिलाफ वो 17 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हो गए थे. वहीं इस सीजन में वो 11 मैचों में 12.8 की औसत और 99 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 128 रन बना सके हैं. उनके इस प्रदर्शन को देखकर टीम इंडिया के दिग्गज ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने पंत को वापस अपने लय में लौटने का इलाज बताया है. उन्होंने धोनी से कॉल करके बात करने की सलाह दी है.

क्यों धोनी को फोन करने को कहा?

वीरेंद्र सहवाग ने लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के मुकाबले को क्रिकबज पर एनालिसिस के दौरान सलाह दी कि पंत को अपनी बल्लेबाजी के पुराने वीडियो देखने चाहिए, जिसमें उन्होंने रन बनाए हैं. उन्होंने आगे कहा कि चोट के बाद एलएसजी के कप्तान बदल गए हैं. इसके अलावा सहवाग का मानना है कि अगर पंत धोनी को अपना आदर्श मानते हैं तो फोन पर उनसे बात करनी चाहिए.

सहवाग ने कहा, "उनके पास फोन है. वह उसे उठाकर जिसे चाहे कॉल कर सकते हैं. अगर उन्हें लगता है कि वो मानसिक रूप से वह ठीक से नहीं सोच पा रहे हैं तो ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो उसकी मदद कर सकते हैं. अगर वह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं तो उन्हें धोनी से बात करनी चाहिए." मैच के बाद खुद पंत ने हार के लिए खराब फील्डिंग को दोषी ठहराया. हालांकि, उन्होंने ये जरूर कहा कि हर वक्त टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों से रन की उम्मीद नहीं की जा सकती है. लेकिन उन्होंने अपनी बैटिंग का जिक्र नहीं किया.

मोहम्मद शमी को जान से मारने की मिली धमकी

आईपीएल 2025 के बीच मची 'खलबली'

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आईपीएल 2025 के बीच जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें धमकी मेल के जरिए मिली है। इस मामले में मोहम्मद शमी के भाई मोहम्मद हसीब ने अमरोहा पुलिस को जानकारी देते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। शमी से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर को भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि गंभीर मामले पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। मोहम्मद शमी के भाई हसीब ने इस मामले पर अमरोहा पुलिस के अधिक्षक को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को मेल के जरिए धमकी दी गई है। राजपूत सिंधर नाम की मेल आईडी से शमी पर मेल भेजा गया, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई है। मेल में लिखा था कि तुझे जान से मार देंगे। सरकार हमारा कुछ नहीं कर पाएगी। इस मेल में 1 करोड़ रुपये की रंगदारी भी मांगी गई है। हालांकि शमी के भाई ने इस मामले की जानकारी तुरंत ही पुलिस को दे दी है। पुलिस जांच में जुटी चुकी है। वहीं दूसरी ओर पहलगाम आतंकी हमले के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को भी मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई थी। दरअसल गंभीर ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर कड़ी निंदा की थी। धमकी देने वाले आरोपी गुजरात का रहने वाला था। आरोपी इंजीनियरिंग का छात्र था। उसकी पहचान 21 वर्षीय जिग्नेश सिंह परमार के रूप में हुई थी। आईपीएल 2025 में शमी का प्रदर्शन खराब रहा है। उन्होंने अब तक खेले गए 9 मैच में हैदराबाद की ओर से खासा कमाल नहीं किया है। वह टीम के लिए महंगे भी साबित हुए हैं। उन्होंने 9 मैच में केवल 6 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है। इस दौरान उनका औसत 56.2 का रहा है, जबकि 11.2 की इकोनॉमी रेट के साथ स्टार गेंदबाज ने गेंदबाजी की है। चोट की वजह से वह आईपीएल 2024 में हिस्सा नहीं ले पाए थे। हालांकि आईपीएल 2023 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करते हुए पर्पल कैप जीती थी। वह 28 विकेट अपने नाम करते हुए टूर्नामेंट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे।

लिटन दास बने बांग्लादेश की टी-20 टीम के नए कप्तान

बीसीबी ने की घोषणा

ढाका, 5 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने लिटन दास को टी-20 टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। वह टी-20 विश्व कप 2026 तक टीम का नेतृत्व करेंगे।

नजमुल हुसैन शांतो के कप्तानी छोड़ने के बाद यह पद खाली था। वह अब यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज में टीम की कमान संभालेंगे।

बता दें कि लिटन वनडे क्रिकेट की योजना में नहीं थे और उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी नहीं चुना गया था।

बीसीबी क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन ने कहा, ₹लिटन को दीर्घकालिक योजना को ध्यान में रखते हुए कप्तान चुना गया है। वह अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप तक टीम की कमान संभालेंगे। लिटन के लिए अनुभव एक महत्वपूर्ण कारक रहा है।

उन्होंने कहा, ₹हमारे पास मौजूदा सेटअप में ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी नहीं हैं। हमारा मानना है कि उनमें क्षमता है। अगर वह अपने खेल को व्यवस्थित कर पाते हैं, तो वह एक संपत्ति साबित होंगे। मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन ने कहा, लिटन को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा, क्योंकि बांग्लादेश इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है और कई वरिष्ठ क्रिकेटर अब राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले हमारे पास एशिया कप और श्रीलंका, पाकिस्तान और भारत के साथ द्विपक्षीय सीरीज होंगी। हम एक प्रदर्शन करने वाली टीम के साथ टूर्नामेंट में उतरना चाहते हैं और लिटन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

लिटन ने 48 टेस्ट क्रिकेट मैचों में 34.00 की औसत से 2,788 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 17 अर्धशतक शामिल है।

इसी तरह उन्होंने उन्होंने 94 वनडे क्रिकेट मैचों में 30.22 की औसत से 2,569 रन बनाए हैं। इसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने 95 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 22.44 की औसत और 2,476 की औसत से 2,020 रन अपने नाम किए हैं। इस दौरान उन्होंने 11 अर्धशतक भी जड़े हैं।

बांग्लादेश की टी-20 टीमः लिटन दास (कप्तान), तन्ज़ीद हसन, परवेज़ हुसैन इमोन, सौम्य सरकार, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जकर अली, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, तंजीम साकिब, नाहिद राणा, शोरफुल इस्लाम।

जिसके चलते बीसीसीआई से मिली दो बार सजा, दिग्वेश राठी ने फिर की वही हरकत

खेल डेस्क, 5 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी ने आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के खिलाफ एक बार फिर से वो काम किया, जिसकी वजह से उन्हें बीसीसीआई से दो बार डांट पड़ी थी। उन्होंने धर्मशाला स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट करने के बाद 'नोटबुक सेलिब्रेशन' किया। इसके बाद उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह का विकेट लेने के बाद एक बार फिर ऐसा ही किया। पंजाब के इस बल्लेबाज ने मैच में सिर्फ 48 गेंदों पर 91 रनों की पारी खेली, जिसकी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

इस सीजन के सबसे चर्चित सेलिब्रेशन में से एक 'नोटबुक सेलिब्रेशन' की वजह से दिग्वेश की परेशानी भी बढ़ सकती है। बीसीसीआई ने जब उन पर दो बार यह जुर्माना लगाया था, तो उन्होंने अपने जश्न मनाने के अंदाज में बदलाव करते हुए इस मैदान पर करना शुरू कर दिया था। हालांकि, अय्यर और प्रभसिमरन सिंह को आउट करने के बाद दिग्वेश ने अपना खास जश्न फिर से शुरू कर दिया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीसीसीआई एक बार फिर दिग्वेश को ऐसी ही सजा देगी या नहीं। दिग्वेश ने पहली बार यह जश्न लखनऊ और पंजाब के बीच हुए पहले मैच में मनाया था, जब उन्होंने सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट किया था। मैच में पहले बैटिंग करने वाली पंजाब ने प्रभसिमरन की पारी के दम पर 236 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान अय्यर ने 45, शशांक सिंह ने 33 जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश ने 30 रनों की पारी खेली। लखनऊ की ओर से आकाश सिंह और दिग्वेश को दो-दो विकेट मिले। 237 रनों के भारी-भरकम टारगेट के जवाब में एलएसजी की शुरुआत खराब रही। टीम के लिए आयुष बडोनी ने एक बार फिर से शानदार पारी खेलते हुए 74 रनों की पारी खेली। उनके अलावा आखिरी ओवरों में अब्दुल समद ने 24 गेंदों पर 45 रनों की पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 के करीब पहुंचाया।

मणिपुर में फुटबॉल कोच गिरफ्तार

11 लड़कियों का महीनों तक यौन शोषण करने का है आरोप

इम्फाल, 5 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के इम्फाल पूर्वी जिले में एक फुटबॉल कोच को कथित तौर पर कम से कम 11 लड़कियों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया जो उसकी अकादमी में ट्रेनिंग लेती थीं। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि उसने महीनों तक कम से कम 11 खिलाड़ियों का यौन शोषण किया।

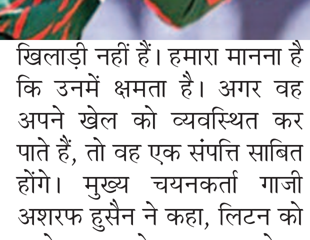

कोच पर आरोप है कि उन्होंने हीनगांग विधानसभा क्षेत्र स्थित अकादमी के बोर्डिंग सुविधा में रह रहे 11 नाबालिग छात्रों के साथ यौन शोषण किया। माता-पिता में और स्थानीय लोगों में मामले को लेकर जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक यह मामला तब सामने आया जब एक पेरेंट्स मीट के दौरान युवा खिलाड़ियों ने अपने अभिभावकों को इस दुर्व्यवहार के बारे में बताया। खुलासे के बाद, अभिभावकों ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद हीनगांग पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक मामला दर्ज किया गया। अभिभावकों ने फुटबॉल अकादमी का लाइसेंस तत्काल रद्द करने की कड़ी मांग की है और संबंधित अधिकारियों से कानून के अनुसार न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने मिस वर्ल्ड-2025 प्रतियोगिता में व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए

कहा- छात्रों को भी एक दिन के लिए मिस वर्ल्ड समारोह का गवाह बनना चाहिए

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए व्यापक प्रबंध करने के आदेश दिए। राज्य पुलिस विभाग को निगरानी बढ़ाने और 10 से 31 मई तक हैदराबाद में होने वाले विश्वस्तरीय समारोह के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मिस वर्ल्ड 2025 समारोह को गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए ताकि तेलंगाना की छवि दुनिया का ध्यान आकर्षित करे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 116 देशों की युवतियों को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दुनिया भर से आए मेहमानों का बिना किसी कमी के अच्छा आतिथ्य प्रदान करें। प्रतियोगियों के अलावा, भारत और विदेश से लगभग 3000 मीडिया प्रतिनिधि इस मेगा सौंदर्य प्रतियोगिता को कवर करने के लिए भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि वे तेलंगाना संस्कृति और परंपराओं के साथ प्रतियोगिता में विभिन्न देशों से आने वालों का गर्मजोशी से स्वागत करें और कार्यक्रम के पूरा होने तक बिना किसी गलती के व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग सहित सभी विभागों को सभी अधिकारियों के साथ समन्वय में काम करना चाहिए ताकि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक पूरा किया जा सके। सीएम रेवंत रेड्डी ने आज मिस वर्ल्ड 2025 की व्यवस्थाओं पर कमांड कंट्रोल सेंटर में उच्च स्तरीय समीक्षा की। बैठक में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीएम सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, डीजीपी जितेंद्र, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू, एडीजीपी स्टीफन रवींद्र और सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 10 से 31 मई तक होने वाले कार्यक्रमों के कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया और सुझाव दिया कि प्रत्येक कार्यक्रम के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने 10 मई की शाम को हैदराबाद के गाच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में मिस वर्ल्ड के उद्घाटन से लेकर 31 मई को होने वाले ग्रैंड फिनाले तक हर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। चारमीनार, लाड बाजार, सचिवालय में तेलंगाना थल्ली प्रतिमा और राज्य के कई अन्य पर्यटन स्थलों जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर जाने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों को आवश्यक परिवहन और अन्य सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ, सीएम ने अधिकारियों को किसी भी अप्रत्याशित और अवांछनीय स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक योजनाएं बनाने को कहा।

तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति मतुरी गिरिजा प्रियदर्शिनी का निधन

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति मतुरी गिरिजा प्रियदर्शिनी का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 61 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को जुबली हिल्स स्थित महाप्रस्थानम में किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल, उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों और वकीलों ने न्यायमूर्ति प्रियदर्शिनी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने 2022 में तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला था। वह वरिष्ठता में 16वें स्थान पर थीं और अगले साल सेवानिवृत्त होने वाली थीं। उनका जन्म तेलंगाना में वाणिज्यिक कर अधिकारी मटूरी अप्पा राव और नागरत्नम के घर हुआ था। इंटरमीडिएट के तुरंत बाद, उनकी शादी डॉ. के. विजय कुमार से हुई और उनके दो बेटे निखिल और अखिल हुए। न्यायमूर्ति प्रियदर्शिनी ने आंध्र विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में मास्टर ऑफ आर्ट्स, लोक प्रशासन में मास्टर ऑफ आर्ट्स और राजनीति विज्ञान में मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद, उन्होंने 1995 में एनबीएम लॉ कॉलेज, विशाखापत्तनम से 3 साल का लॉ कोर्स किया और 1997 में आंध्र विश्वविद्यालय से श्रम और औद्योगिक कानून में कानून में स्नातकोत्तर (एलएलएम) किया। उन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त करके संवैधानिक कानून में प्रथम स्थान प्राप्त किया। न्यायमूर्ति प्रियदर्शिनी ने सितंबर 1995 में आंध्र प्रदेश बार काउंसिल की सूची में एक वकील के रूप में नामांकन कराया। वकील के रूप में नामांकन के बाद, वह पी. उमा बाला के कार्यालय में शामिल हो गईं और लगभग 7 वर्षों तक काम किया। उन्होंने विशाखापत्तनम में 10 वर्षों से अधिक समय तक सक्रिय रूप से वकालत की और सिविल, आपराधिक, श्रम कानून और वैवाहिक मामलों के सभी प्रकार के मामलों को निपटाया और विशाखापत्तनम के जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा भेजे गए निःशुल्क मामलों में सक्रिय रूप से पेश हुईं। बाद में उन्हें सीधी भर्ती द्वारा जिला न्यायाधीश के रूप में चुना गया और 3 नवंबर, 2008 को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में सेवा में शामिल हुईं। न्यायमूर्ति प्रियदर्शिनी ने तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य में विभिन्न स्थानों पर काम किया। उन्हें 24 मार्च, 2022 को तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और शपथ दिलाई गई।

डीएनबी पीजी पाठ्यक्रमों की मंजूरी से अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं बेहतर होगी : सज्जनार

आरटीसी अस्पताल में तीन श्रेणियों में 7 सीटों की मंजूरी

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के तारनाका स्थित टीजीएसआरटीसी अस्पताल में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम के लिए अनुमति दे दी गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने तीन विभागों में सात सीटें मंजूर की हैं।

टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने डीएनबी पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों की अनुमति के लिए एनबीईएमएस को आवेदन दिया है। आरटीसी कर्मचारियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए, इसने अपने अस्पताल में पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करने का प्रस्ताव किया है। इस आवेदन की गहन जांच के बाद, एनबीईएमएस ने जनरल मेडिसिन में 3 सीटें, जनरल सर्जरी में 2 सीटें और ऑर्थोपैडिक सर्जरी में 2 सीटें प्रदान कीं। तीन वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश नीट के आधार पर और 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए डीएनबी - पीडीसीईटी के माध्यम से किया जाता है। ये पाठ्यक्रम अगले शैक्षणिक वर्ष से शुरू होंगे। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने तारनाका अस्पताल में डीएनबी पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम को मंजूरी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। संस्थान के एमडी वीसी सज्जनार ने उम्मीद जताई कि इन डीएनबी पीजी पाठ्यक्रमों की मंजूरी से अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं और मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों से गुणवत्तापूर्ण डॉक्टर अस्पताल में प्रैक्टिस कर सकेंगे, जो आरटीसी कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए बहुत फायदेमंद होगा। उन्होंने याद दिलाया कि टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए तारनाका अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया है। उन्होंने बताया कि प्रबंधन कर्मचारियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने तथा इसे पूर्णतः स्वास्थ्य आरटीसी में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने डीएनबी पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों की अनुमति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मेडिकल प्रशासक डॉ. श्रीनिवास, पूर्व ओएसडी डॉ. सैदी रेड्डी और डॉक्टर सुष्मिता, प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार और राज कुमार को बधाई दी। सोमवार को हैदराबाद बस भवन में एमडी वीसी सज्जनार ने आरटीसी के शीर्ष अधिकारियों के साथ उनका सम्मान किया। इस कार्यक्रम में ईडी मुनिशेखर, सीपीएम उषा देवी, अस्पताल अधीक्षक डॉ शैलजामूर्ति समेत अन्य शामिल हुए।

युवक ने आग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फाइनेंसरों से कथित तौर पर परेशान होकर एक युवक ने रविवार को सुरम में खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पीड़ित की पहचान श्रीनिवास कुमार (40) के रूप में हुई है, जो एक निजी कर्मचारी था, उसने कथित तौर पर निजी फाइनेंसरों से 10 लाख रुपये उधार लिए थे और इसका एक हिस्सा चुकाने में कामयाब रहा था। हालांकि, हाल ही में अपनी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह बाकी पैसे नहीं चुका पाया। उसके परिवार के सदस्यों के अनुसार, फाइनेंसरों ने उसे गाली-गलौज और धमकी भरे फोन करके परेशान करना शुरू कर दिया। कथित तौर पर इससे परेशान होकर उसने एक फाइनेंसर के घर के सामने अपनी बाइक से पेट्रोल निकालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। श्रीनिवास गंभीर रूप से जल गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शिकायत के आधार पर सुराराम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी तक उत्पीड़न का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है और आगे की जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली ने किसान परिवार की रोजी-रोटी छीनी

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आए तूफान और तेज हवाओं के कारण सिद्दीपेट के एक किसान परिवार की रोजी-रोटी छिन गई। रविवार रात चिन्नाकोदुर मंडल के किस्तापुर में किसान बलाराजू मुदिराज के दो बैलों की बिजली गिरने से मौत हो गई, जो उनकी आय का एकमात्र स्रोत थे। रविवार शाम को जिले में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं और तूफान आए थे। बालाराजू ने बताया कि उन्हें अपनी आजीविका खोने के अलावा 1.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। चूंकि वनकालम का मौसम तेजी से नजदीक आ रहा था, इसलिए बलाराजू को चिंता थी कि बैलों के बिना उनके लिए अपनी ज़मीन जोतना मुश्किल हो जाएगा। परिवार को यह देखकर बहुत दुख हुआ कि तूफ़ान के बाद उनके बैल बेजान पड़े थे।

बी.सी. नेता टीपीसीसी अध्यक्ष से मिले

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गौड़ा समुदाय के नेताओं, जाति के लोगों और बी.सी. नेताओं ने टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ा से मुलाकात की। गौड़ा संगम नेताओं ने पीसीसी प्रमुख के साथ खम्मम शहर में बनने वाले गौड़ा संगम भवन के निर्माण के लिए धन के बारे में चर्चा की। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ भवन के निर्माण पर चर्चा की और आश्वासन दिया कि वे धन उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार होंगे।

नलगोंडा में मिलीं प्रागैतिहासिक शैल कलाकृतियां

नलगोंडा, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुरातत्वविदों द्वारा नलगोंडा के टिपपर्थी मंडल के रामलिंगागुडेम गांव के बाहरी इलाके में एक पहाड़ी में प्रागैतिहासिक काल के चट्टान के अवशेष खोजे गए। प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता ई. सिवनगिरेड्डी ने बताया कि पहाड़ी का अन्वेषण करते समय उन्होंने बैल, हिरण, कुत्ते और मानव आकृतियों के चोटिल निशान देखे थे। इसके अलावा, पत्थर के औजारों से प्रहार करके एक आदमी द्वारा बाघ से लड़ने का दृश्य भी दिखाया गया। उन्होंने बताया कि यह शैल कला नवपाषाण काल (6,000-4,000 ईसा पूर्व) की है। उन्होंने कहा कि ये आकृतियां प्रागैतिहासिक मानव की जीवनशैली को दर्शाती हैं, जो जानवरों का शिकार करता था तथा प्रकृति के साथ अपने अनुभवों और मुठभेड़ों को उजागर करने की उसकी आंतरिक इच्छा को दर्शाती हैं। पुरातत्ववेत्ता ने यह भी देखा कि शैलाश्रय, जिन्हें नवपाषाणकालीन मानव अस्थायी शिविर स्थल के रूप में उपयोग करता था, तथा खांचे पत्थर की कुल्हाड़ियों की धार तेज करने के कारण बने थे। शिल्पी वेंकटेश ने भी अन्वेषण कार्यक्रम में भाग लिया।

रंजिश के चलते साले को मौत के घाट उतारा

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स के फर्स्ट लांसर इलाके में एक व्यक्ति की उसके साले ने कथित तौर पर पूर्व रंजिश के चलते हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोहम्मद इलियास और संदिग्ध अब्दुल सत्तार के बीच कथित तौर पर एक मामूली बात पर बहस हुई थी। सत्तार ने कथित तौर पर चाकू उठाया और इलियास पर कई वार किए, जिससे उसके शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और वह वहीं गिर पड़ा। उन्हें तुरंत उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। बंजारा हिल्स पुलिस जांच कर रही है और संदिग्ध को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

नीट का इस वर्ष का प्रश्न पत्र 'पिछले वर्षों की तुलना में कठिन' रहा

मेडिकल उम्मीदवारों और विषय विशेषज्ञों ने दी राय

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी-2025 के रविवार को आयोजित होने के एक दिन बाद, मेडिकल उम्मीदवारों और विषय विशेषज्ञों ने कहा कि इस वर्ष का प्रश्न पत्र 'पिछले वर्षों की तुलना में कठिन' था। नीट यूजी 2025 में शामिल होने वाले अधिकांश उम्मीदवारों ने शिकायत की कि भौतिकी बेहद कठिन थी। कई लोगों ने तो यह भी बताया कि भौतिकी में प्रश्नों का कठिनाई स्तर आईआईटी एडवांस्ड परीक्षाओं के बराबर था।

एनईईटी परीक्षा के प्रश्नपत्र की समग्र कठोरता ने कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वीडियो और रीलों की बाढ़ ला दी, जहां उम्मीदवारों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए), जो परीक्षा आयोजित करती है, पर अपना गुस्सा निकालते देखा जा सकता है। कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में विशेषज्ञों और शिक्षा-प्रभावकों ने दावा किया कि इस साल का नीट कठिन था। विशेषज्ञों के आकलन के आधार पर, "भौतिकी खंड में उच्च-मानक प्रश्न थे, जबकि रसायन विज्ञान लंबा था और इसमें कई सही क्रम के प्रश्न शामिल थे, जिससे बहुत सारे छात्र भ्रमित हो गए"।वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र दोनों खंड भी लंबे थे, जिससे समय प्रबंधन मुश्किल हो गया।

कुल मिलाकर कठिन पेपर के साथ, नीट यूजी -2025 में स्कोर करना चुनौतीपूर्ण होगा। एक नाराज अभ्यर्थी ने कहा, "यूजी परीक्षा में कठिन और उच्च स्तरीय भौतिकी के प्रश्न पूछने का क्या मतलब है? यह विडंबना है कि नीट में भौतिकी विषय यह तय करेगा कि कौन डॉक्टर बनेगा।" कई अन्य लोगों ने बताया कि का पेपर देश में पिछले दो से तीन दशकों में सबसे कठिन था। एक अन्य एमबीबीएस उम्मीदवार ने कहा, "क्या नीट फिजिक्स को आईआईटी-जीईई से कठिन बनाना उचित है, जबकि यह मेडिकल परीक्षा है, इंजीनियरिंग नहीं? छात्रों को निष्पक्षता मिलनी चाहिए।"

एपी सैनिक स्कूल में तेलंगाना के छात्रों के लिए कोटा जारी किया जाए : रघुनंदन राव

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सांसद रघुनंदन राव ने केंद्रीय मंत्री से एपी सैनिक स्कूलों में तेलंगाना के छात्रों के लिए स्थानीय कोटा जारी रखने की अपील की है। इस संबंध में उन्होंने आज एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूलों में दाखिले के लिए हुई प्रवेश परीक्षा में करीब 25 से 30 हजार तेलंगाना के छात्र शामिल हुए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने इस साल एपी सैनिक स्कूलों में तेलंगाना के छात्रों के 67 प्रतिशत स्थानीय कोटा को हटाने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से फोन पर उन आदेशों के बारे में बात की है, जो एपी में 67 प्रतिशत तेलंगाना के छात्रों के लिए दस साल पुराने स्थानीय कोटा को हटाने के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री से तेलंगाना के लिए तीन नए सैनिक स्कूल स्वीकृत करने और इस शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों के लिए 67 प्रतिशत स्थानीय कोटा रखने की अपील की थी।

जल निकासी सुविधा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

कुमरम भीम आसिफाबाद , 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सोमवार को सड़क नेटवर्क के उद्घाटन से पहले वानकीडी मंडल केंद्र में साइड नालियों के निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने एनएच 363 पर धरना दिया। आंदोलनकारी स्थानीय लोगों ने कहा कि वानकीडी मंडल केंद्र में राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे जल निकासी प्रणाली के निर्माण में देरी के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें इस बात का अफसोस है कि गांव में भारी बारिश होने के बाद निचले इलाकों में पानी भर गया है। कई इलाकों से निकलने वाला सीवेज भी इलाके में जमा हो गया है। केंद्र सरकार के खिलाफ़ तख्तियाँ लेकर स्थानीय लोगों ने सरकार से जल निकासी व्यवस्था के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने और उन्हें होने वाली असुविधा से बचाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण 2024 में होना था, जिस पर करीब 3,500 करोड़ रुपये खर्च होने थे, लेकिन अभी तक साइड ड्रेन का निर्माण नहीं हुआ। उन्होंने स्थानीय भाजपा नेताओं पर समस्या के समाधान में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।मंत्री के दौरे के सिलसिले में एनएच पर धरना देने के लिए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। गडकरी सोमवार को कागजनगर में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले मंचेरियल और वानकीडी के बीच 94 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का उद्घाटन किया।

काम के अत्यधिक दबाव के कारण डॉ. रवि कुमार ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिकल पेशे पर काम के अत्यधिक दबाव का एक और मामला सामने आया है। इस बार, पोस्ट-ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल छात्र डॉ. रवि कुमार आशामोनी, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के आदिलाबाद स्थित रिम्स से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी और एम्स, रायपुर में फोरेंसिक मेडिसिन में पीजी की पढ़ाई कर रहे थे, ने आत्महत्या कर ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, 26 वर्षीय डॉ. रवि कुमार रविवार को रायपुर के हर्षित टावर्स स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए। जब वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे तो एम्स रायपुर के जूनियर डॉक्टरों ने उन्हें फोन करना शुरू कर दिया। जब कई बार फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो वे उनके फ्लैट पर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा था। रिपोर्टों से पता चला है कि डॉ. रवि कुमार ने छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली और उन्होंने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर एम्स रायपुर में अत्यधिक काम के दबाव के बारे में बात की थी। इस घटना ने हैदराबाद के डॉ. रवि कुमार के वरिष्ठ रेजिडेंट और एमबीबीएस सहकर्मियों को स्तब्ध कर दिया है, जो उनके साथ काम करने और अध्ययन करने के दिनों को याद करते हैं।तेलंगाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीएसआरडीए) के सदस्यों ने कहा, "हमारे प्रिय डॉ. रवि कुमार आशामोनी के निधन के बारे में जानकर हमें जो दुख हुआ है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। विभाग के शिक्षकों द्वारा लगातार उत्पीड़न और असहनीय काम के दबाव के कारण उन्हें आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा, जिसके बारे में उन्हें लगा था कि इससे उनकी जिंदगी खत्म हो जाएगी।" एम्स रायपुर के जिम्मेदार अधिकारियों पर त्वरित, निष्पक्ष और उचित जांच की मांग करते हुए, हैदराबाद के वरिष्ठ चिकित्सकों ने मांग की कि अधिकारी दोषियों को शीघ्र दंडित करें और शोक संतप्त परिवार को न्याय दिलाएं। इस बीच, जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क के आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ध्रुव चौधरी ने भी न्याय की मांग की। डॉ चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट करते हुए कहा, "डॉक्टरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों की जांच करने में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कितना समय लगेगा? संबंधित विभाग जहां ऐसे मामले होते हैं, मूल कारण का पता लगाने के लिए जांच का सामना क्यों नहीं करता?"

बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा समर कैंप - 2025 का उद्घाटन

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद डी. जोएल डेविस, ने यातायात प्रशिक्षण संस्थान, गोशामहल, हैदराबाद में बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा समर कैंप - 2025 का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में आर. वेंकटेश्वरलू, आईपीएस, डीसीपी-III, यातायात, हैदराबाद, एन. अशोक कुमार, डीसीपी-II, यातायात, हैदराबाद, यू. रविंदर रेड्डी, एडिशनल डीसीपी-यातायात III, हैदराबाद, डी. धन लक्ष्मी, एसीपी, यातायात-V, हैदराबाद आदि अधिकारियों ने भाग लिया। समर कैंप 10 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बनाया गया है और इसमें यातायात जागरूकता और सड़क सुरक्षा, नृत्य, संगीत, पेंटिंग, लिखावट सुधार और व्यक्तित्व विकास सहित कई विषयों को शामिल किया गया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य बच्चों में सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदा करना है, जो सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। इस कार्यक्रम में दिलीप कुमार, सरोज बाला, अनंत राज और अन्य प्रशिक्षक व प्रशिक्षक भी शामिल हुए।

कृषि मंत्री ने किसानों को कीटनाशकों का उपयोग कम करने का सुझाव दिया

विकाराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने खेती में वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया है और यूरिया और कीटनाशकों के उपयोग में कमी की वकालत की है। सोमवार को विकाराबाद जिले के धारुर मंडल मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, किसान आयोग के अध्यक्ष कोडंडा रेड्डी और पीजेटीएयू के कुलपति प्रोफेसर अल्थास जनैया के साथ 'किसानों के साथ वैज्ञानिकों की बातचीत' नामक एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने भाषण के दौरान, तुम्माला नागेश्वर राव ने कीटनाशकों और यूरिया के अत्यधिक उपयोग के कारण पंजाब में कैंसर के मामलों में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला।

उन्होंने किसानों को तिलहन की खेती पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि इससे महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हो सकता है। पहले के समय के विपरीत, अब तेल ताड़ की खेती तीन साल के भीतर उपज पैदा कर सकती है। इसके अतिरिक्त, किसान इस समयावधि के दौरान अंतर-फसल उगा सकते हैं। पूरे राज्य में तेल ताड़ की खेती के लिए हाल ही में दी गई मंजूरी के साथ, किसानों को अपनी खेती के तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए अपने व्यावहारिक ज्ञान को वैज्ञानिक सिफारिशों के साथ मिलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने फसल बीमा को प्राथमिकता नहीं दी थी, हालांकि, वर्तमान कांग्रेस सरकार इसे फिर से लागू करने की योजना बना रही है। मैंने फसल बीमा के बारे में केंद्र सरकार से पहले ही संवाद कर लिया है। फसल बीमा प्रीमियम के मामले की जल्द ही कैबिनेट में समीक्षा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार गौड़ ने कहा कि वैज्ञानिकों और अधिकारियों को किसानों को शिक्षित करना चाहिए ताकि वे आधुनिक कृषि तकनीकों का अभ्यास कर सकें। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रतीक जैन, कृषि आयुक्त गोपी, किसान कल्याण समिति के सदस्य सुनील और जनार्दन रेड्डी, वैज्ञानिक और किसान शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.